THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'देश की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं सहन होगा'

जम्मू, 11 मार्च (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन को एक अवैध संघ घोषित कर दिया है और अगले पांच वर्षों तक उसे तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि यह संगठन अवैध गतिविधियों में संलिप्त है, जो देश की एकता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं।

गृह मंत्रालय ने जारी किए गए एक आदेश में कहा कि जेकेआईएम देश के खिलाफ कार्य कर रहा है और इसके कार्यों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो रहा है। इसके तहत संगठन की सभी गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है और इसके सदस्य या सहयोगी किसी भी प्रकार की सक्रियता में लिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वर्ष-29 अंक : 349 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.13 2081 बुधवार, 12 मार्च-2025**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम ने मॉरीशस के राष्ट्रपति को 'महाकुंभ जल' किया भेंट

पोर्ट लुईस, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पोर्ट लुईस में मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल से मुलाकात की और उन्हें महाकुंभ का पवित्र गंगा जल भेंट किया। यह कुंभ 26 फरवरी को संपन्न हुआ और इसमें 660 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री त्रिवेणी संगम प्रयागराज में एकत्र हुए, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम बन गया। गोखूल को दिसंबर में सर्वसम्मति से मॉरीशस का नया राष्ट्रपति चुना गया था। उन्होंने पृथ्वीराजसिंह रूपन के उत्तराधिकारी होंगे, जिनका कार्यकाल 2 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुआ।

पूर्व शिक्षा मंत्री गोखूल एक प्रतिष्ठित राजनेता हैं, जिनका शानदार करियर शिक्षा, सार्वजनिक सेवा और राजनीति जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। वह पीएम मोदी के राजकीय भोज का भी आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले, पीएम मोदी ने पोर्ट लुइस में सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में मॉरीशस के पहले प्रधानमंत्री और संस्थापक पिता सर शिवसागर रामगुलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को भी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स पर लिखा, मैंने मॉरीशस की प्रगति में अमिट योगदान देने वाले दो महान नेताओं सर शिवसागर रामगुलाम और सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ मिलकर एक पौधा भी लगाया। उन्होंने कहा, प्रकृति, मातृत्व और स्थिरता को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम के हार्दिक भाव से अभिभूत हूं।

उनका समर्थन हरियाली और बेहतर भविष्य के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पीएम मोदी दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा पर मंगलवार को पोर्ट लुईस पहुंचे। सर शिवसागर रामगुलाम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी का माला पहनाकर स्वागत किया। भारतीय समुदाय की तरफ से पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समुदाय की महिलाओं ने 'गीत गवई' नामक पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से उनका सम्मान किया।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मॉरीशस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं बहुत प्रभावित हूं।

मॉरीशस में पीएम मोदी का बिहारी अंदाज में किया गया स्वागत

पोर्ट लुईस, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुईस पहुंचे। पोर्ट लुईस पहुंचने पर भारतीय मूल के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान महिलाओं ने बिहारी अंदाज में पारंपरिक गीत गाकर इस स्वागत कार्यक्रम को यादगार बना दिया। दरअसल महिलाओं ने भोजपुरी भाषा का पारंपरिक 'गीत गवई' गाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। गीत गवई, भोजपुरी संगीत परंपरा से जुड़ा है। इससे पता चलता है कि मॉरीशस के समाज का आज भी भारत के साथ गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव है। जब महिलाएं पीएम मोदी के स्वागत में गीत गवई गा रहीं थी तो प्रधानमंत्री भी गीत का आनंद लेते दिखाई दिए। उल्लेखनीय है कि गीत गवई की सांस्कृतिक अहमियत के चलते यूनेस्को की प्रतिनिधित्व सूची में दिसंबर 2016 में शामिल किया गया था। गीत गवई शादी, उत्सव के संस्कारों से जुड़ा है।

खड़गे के एक शब्द पर संसद में तनातनी

राज्यसभा में जमकर हंगामा, भाजपा ने की माफी की मांग

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसके लिए भाजपा ने उन पर जमकर निशाना साधा और माफी की मांग की। मामला बढ़ता देख मल्लिकार्जुन खड़गे ने माफी भी मांग ली। उन्होंने हाथ जोड़कर सफाई दी। उन्होंने आसन को संबोधित करते हुए कहा कि आपको नहीं, सरकार को ठोकेंगे। हम सरकार की बात कर रहे थे।

दरअसल, राज्यसभा की कार्यवाही चल रही थी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष कुछ बोलना चाह रहे थे। तभी उपसभापति ने उन्हें रोका। उपसभापति ने उनकी जगह कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को बोलने को कहा। इस बीच मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी सीट से उठे और बोलना शुरू कर दिया। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने तानाशाही का आरोप लगा दिया। उन्होंने सीधे आसन की ओर इशारा करते हुए कहा कि तानाशाही चल रही है। मैं बोलना चाहता हूं। इसकी तैयारी भी की है और आपको क्या-क्या ठोकना है, ठीक से ठोकेंगे। इस पर उपसभापति ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आप सत्ता पक्ष से बहस करिए। इस बीच हंगामा शुरू हो गया। इस बीच खड़गे ने यूटर्न लेते हुए कहा कि सरकार को ठोकेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने खड़गे के बयान को सदन का अपमान करार दिया।

जेपी नड्डा ने सुनाई खरीखोटी :

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने मामले में खड़गे को खूब खरीखोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुख की बात है कि विपक्ष के नेता ने ऐसी भाषा इस्तेमाल की। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल आसन के लिए किया। वह अनुभवी हैं और लंबे समय तक संसदीय सदस्य के रूप में काम किया। उन्होंने राज्य में भी काम किया है और राष्ट्रीय राजनीति में भी काम किया है। उन्होंने जिस भाषा का उपयोग किया है, वह सदन का अपमान है, आसन का अपमान है। यह निंदनीय है।

उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आसन के लिए इस्तेमाल शब्द माफी योग्य नहीं है। यह अस्वीकार्य है। फिर भी कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए। इसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से बड़ा झटका

5 साल पुराने मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को झटका देते हुए होर्डिंग लगाने के लिए कथित तौर पर पब्लिक मनी के दुरूपयोग के मामले में एफआईआर दर्ज करने आदेश दे दिया है। बताया जा रहा है कि होली के बाद केजरीवा और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने साल 2019 में द्वारका में बड़े होर्डिंग लगाकर कथित तौर पर सार्वजनिक धन का दुरूपयोग करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुनाते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में ये स्पष्ट किया कि केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ सरकारी धन के दुरूपयोग का मामला बनता है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 156(3) सीआरपीसी के तहत याचिका मंजूर की जाती है। कोर्ट ने द्वारका साउथ पुलिस को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर 18 मार्च तक एसएचओ को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

क्या है मामला :

दरअसल, 2019 में कोर्ट के समक्ष दाखिल शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल, पूर्व आप विधायक गुलाब सिंह और द्वारका की पार्षद नितिका शर्मा ने इलाके में विभिन्न जगहों पर बड़े आकार के होर्डिंग लगाकर जानबूझकर सार्वजनिक धन का दुरूपयोग किया है।

इसके बाद मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने सितंबर 2022 में शिकायत को खारिज करते हुए एक आदेश पारित किया था। इसके बाद सत्र न्यायाधीश ने मामले को मजिस्ट्रेट अदालत में वापस भेज दिया था। इस मामले में विशेष न्यायाधीश ने मजिस्ट्रेट अदालत से मामले की नए सिरे से सुनवाई करने को कहा था।

ईसीआई ने राजनीतिक दलों को लिखा पत्र बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। आयोग ने बताया कि चुनाव आयोग ने मंगलवार को कानूनी ढांचे के अंतर्गत चुनाव प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए सभी पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बैठक के लिए आमंत्रित किया है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने 30 अप्रैल तक सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों से ईआरओ, डीईओ या सीईओ स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए सुझाव देने को आमंत्रित किया है। राजनीतिक दलों को जारी एक व्यक्तिगत पत्र में आयोग ने स्थापित कानून के अनुसार, चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए परस्पर सुविधाजनक वक्त पर पार्टी अध्यक्षों और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत की भी परिकल्पना की है।

बचाव अभियान में शामिल हुए रोबोट्स

> खतरे को देखते हुए सरकार का फैसला

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सुरंग हादसे के बचाव अभियान में मंगलवार को रोबोट्स भी शामिल हो गए। दो दिन पहले सुरंग में फंसे एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था और बाकी सात की अभी भी तलाश जारी है। हैदराबाद स्थित एक रोबोटिक कंपनी की एक टीम रोबोट्स के साथ मंगलवार को सुरंग में दाखिल हुई।

इस टीम के साथ ही बचाव दल के 110 अन्य लोग भी सुरंग में मौजूद हैं। गौरतलब है कि सुरंग में हालात काफी चुनौतीपूर्ण हैं। सुरंग में पानी, मलबे का अभी भी खतरा बना हुआ है। यही वजह है कि राज्य सरकार ने खतरे को टालने के लिए रोबोट्स को तैनात करने का फैसला किया है।

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने हाल ही में बताया था कि राज्य सरकार बचाव अभियान में रोबोट्स के इस्तेमाल में चार करोड़ रुपये खर्च करेगी, ताकि बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बचाव अभियान बीते करीब 20 दिनों से जारी है और बचाव टीम में ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार सर्वे करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के साथ ही नेशनल जियोग्राफिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, हैदराबाद के वैज्ञानिक, केरल पुलिस के खोजी कुत्तों का दल, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और राज्य खनन विभाग की टीमें शामिल हैं। दो दिन पहले ही सुरंग में फंसे पंजाब के गुरप्रीत सिंह का शव बरामद हुआ था। गुरप्रीत सिंह एक टनल बोरिंग मशीन के संचालक थे, जो कि प्रोजेक्ट से जुड़ी एक विदेशी कंपनी के लिए काम करते थे।

दो दिन पहले सुरंग में मिला था एक शव :

गुरप्रीत का शव उनके पैतृक राज्य पंजाब भेज दिया गया है। तेलंगाना सरकार ने गुरप्रीत के परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया है। अभी भी सुरंग में सात लोग फंसे हैं। बीती 22 फरवरी को नगरकर्नूल जिले में चल रहे श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट की सुरंग धंस जाने से उसमें आठ लोग फंस गए थे।

पाकिस्तान में पैसेंजर ट्रेन हाईजैक

बलूज आर्मी का दावा-182 यात्री बंधक, 11 सैनिकों की हत्या कहा-एक्शन लिया तो बंधक मारे जाएंगे

कराची, 11 मार्च (एजेंसियां)। बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के बोलन में जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया है। इस ट्रेन में करीब 182 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बनाने का दावा बीएलए ने किया है। इतना ही नहीं 11 सैन्य कर्मियों की हत्या करने की भी उन्होंने जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने वॉर्निंग दी है कि उनके खिलाफ किसी भी सैन्य अभियान चलाए जाने पर सभी बंधकों को मार दिया जाएगा।

एक बयान में बीएलए ने कहा कि उसके लड़ाकों ने मश्कफ, धादर, बोलन में ऑपरेशन को अंजाम दिया। बीएलए ने कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने रेलवे ट्रैक को उड़ा दिया, जिससे जाफर एक्सप्रेस को रुकना पड़ा। लड़ाकों ने तेजी से ट्रेन पर कब्जा कर लिया और सभी यात्रियों को बंधक बना लिया। बीएलए ने सख्त वॉर्निंग देते हुए कहा कि अगर कब्जा करने वाली सेनाएं कोई सैन्य कार्रवाई करने की कोशिश करती हैं तो परिणाम गंभीर होंगे। सभी सैकड़ों बंधकों को मार दिया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से कब्जा करने वाली सेनाओं पर होगी। इसके बाद प्रांतीय सरकार ने स्थानीय अधिकारियों को आपातकालीन कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा, क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर पेहरो कुनरी और गदलार के बीच भारी गोलीबारी की खबरें हैं। इस बीच, कंट्रोलर रेलवे मुहम्मद काशिफ ने बताया कि 9 डिब्बों वाली इस ट्रेन में करीब 500 यात्री सवार थे।

सुरंग के अंदर रोकी ट्रेन :

रिपोर्ट के मुताबिक, कंट्रोलर ने कहा, ट्रेन को सुरंग नंबर 8 में हथियारबंद लोगों ने रोक लिया। यात्रियों और कर्मचारियों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। सरकारी बयान के मुताबिक, सिबी हॉस्पिटल में इमरजेंसी लागू कर दी है। वहीं एंबुलेंस और सिक्योरिटी फोर्स घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं। हालांकि, रिंद ने कहा कि चट्टानी इलाका होने के कारण अधिकारियों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बयान में आगे कहा गया कि रेलवे विभाग ने बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर और ट्रेनें भेज दी हैं। घटना के पैमाने और आतंकवादी तत्वों की संभावना का पता लगाया जा रहा है। बलूचिस्तान सरकार ने सभी संस्थाओं को सक्रिय रहने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

अवैध अप्रवास रोकने के लिए सरकार लेकर आई नया बिल

> 7 साल कैद और 10 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। घुसपैठ और अवैध अप्रवास रोकने के मकसद से लोकसभा में मंगलवार को अप्रवासन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया है। अमित शाह की तरफ से गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि किसी को देश में आने से रोकने के लिए यह बिल नहीं लाया गया है बल्कि इस बिल का मकसद है कि जो भी विदेशी भारत आएं वे यहां के नियमों का पालन करके ही आएं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और टीएमसी के सौगत राय ने बिल का विरोध किया है।

इस विधेयक का मकसद भारत के इमिग्रेशन नियमों को मॉडर्न बनाना और उन्हें मजूबत करना है। यह बिल भारत में दाखिल होने और यहां से बाहर जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में पासपोर्ट या बाकी यात्रा दस्तावेजों की जरूरतों और विदेशियों से संबंधित मामलों को रेगुलेट करने की शक्तियां केंद्र सरकार को देगा। इनमें वीजा और रजिस्ट्रेशन की जरूरत और उससे संबंधित मामलों को शामिल किया गया है। इमिग्रेशन से जुड़ा यह विधेयक देश की सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम है। इस विधेयक में कानूनी स्थिति साबित करने की जिम्मेदारी राज्य के बजाय व्यक्ति पर डाल दी गई है। यह विधेयक स्पष्ट रूप से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या अखंडता के लिए खतरा माने जाने वाले किसी भी विदेशी नागरिक के प्रवेश या निवास पर पाबंदी लगाता है। साथ ही अनिवार्य करता है कि सभी विदेशी आगमन पर रजिस्ट्रेशन करें और उनकी आवाजाही, नाम परिवर्तन और संरक्षित या प्रतिबंधित क्षेत्रों में उनकी एंट्री पूरी तरह बैन हो। इसके अलावा, शैक्षणिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम जैसी संस्थाओं को इमिग्रेशन ऑफिसर को विदेशी नागरिकों की मौजूदगी की जानकारी देनी पड़ेगी।

प्रस्तावित कानून में इमिग्रेशन नियमों के उल्लंघन के लिए सख्त सजा का भी प्रावधान किया गया है। वैध पासपोर्ट या वीज़ा के बिना भारत में अवैध रूप से एंट्री करने पर पांच साल तक की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल करने वालों को दो से सात साल तक जेल और एक लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

'400 लड़कियां हुईं गायब, 25 साल से पहले कर दो शादी'

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के केरल इकाई के एक नेता ने माता-पिता को अपनी बेटियों की शादी 24 साल से पहले करने की सलाह दी है। भाजपा नेता पीसी जॉर्ज ने 'लव जिहाद' को लेकर भी ईसाई समुदाय को चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सिर्फ मीनाचिल तालुक में ही 400 लड़कियां 'लव जिहाद' का शिकार हो चुकी हैं।

जॉर्ज ने यह विवादित बयान पाला में एक विशेष सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिया। यह सम्मेलन नशे के खतरे के खिलाफ पाला धर्मप्रांत के बिशप जोसेफ कल्लारंगट और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) के टेंपरेंस कमीशन के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में बीजेपी नेता ने कहा, कोट्टायम की मीनाचिल तालुक में ही करीब 400 लड़कियां लव जिहाद में फंस गई हैं। सिर्फ 41 ही उनमें से वापस आई हैं। ऐसा क्यों हो रहा है कि ईसाई लड़कियों के माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए 25 साल का होने का इंतजार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

दिव्यांग कैदियों की सुविधाओं पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए उचित सुविधाओं की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता सत्यन नरवूर की याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी चार हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया है। बता दें कि, याचिका में प्रोफेसर जी.एन. साईबाबा और कार्यकर्ता स्टेन स्वामी जैसे मामलों का हवाला देते हुए, याचिका में दिव्यांग कैदियों की अनदेखी की ओर ध्यान दिलाया गया। इस याचिका में राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज एक्ट, 2016 को जेलों में लागू करने की मांग की गई। इसके साथ जेल एक्ट में संशोधन कर दिव्यांग कैदियों की जरूरतों को शामिल करने का अनुरोध किया गया।

प्रोफेसर साईबाबा और स्टेन स्वामी की हुई मौत :

पूर्व दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर साईबाबा की 12 अक्टूबर 2023 को मृत्यु हो गई, उन्हें माओवादियों से संबंध के आरोप में 10 साल जेल में रखा गया था, लेकिन बाद में बरी कर दिया गया था। वहीं भीमा-कोरेगांव केस में गिरफ्तार स्टेन स्वामी की 2021 में मुंबई के हॉली फैमिली अस्पताल में मौत हो गई थी।

जेलों में क्या कमियां हैं :

2016 में कानून बनने के बाद भी अधिकतर राज्यों की जेल नियमावली में दिव्यांगों के लिए जरूरी प्रावधान नहीं जोड़े गए। जिसमें रैंप और विशेष शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं होने से दिव्यांग कैदियों को दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह अधिकारों के उल्लंघन और कानून की अनदेखी का मामला है।

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, पांच बांग्लादेशियों को पकड़ा

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से अवैध रूप से रह रहिए पांच बांग्लादेशियों को पकड़ा है। पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशियों को सदर बाजार इलाके से पकड़ा है। वहीं पुलिस ने बाकी तीन बांग्लादेशियों को बाहरी जिले से पकड़ा है। जानकारी के लिए बता दें कि यह सभी बांग्लादेशी अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इन्होंने अपने डॉक्यूमेंट भी बनवा रखे थे। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद बिलाल को नई बस्ती, फिल्मिस्तान, सदर बाजार से हिरासत में लिया गया है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक भारतीय वोटर कार्ड बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि हम उसके वोटर कार्ड को रद्द करने तथा उक्त ईपीआईसी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया की जांच के लिए कदम उठा रहे हैं।

'मेरी शर्ट का कॉलर पकड़कर मुझे धक्का दिया'

ओडिशा विधानसभा में बीजेपी-कांग्रेस विधायक भिड़े

भुवनेश्वर,11 मार्च (एजेंसियां)।

ओडिशा विधानसभा में मंगलवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस के विधायक सदन में ही आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच हुई भिड़ंत इस कदर नियंत्रण से बाहर हो गई कि विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी को कार्यवाही अपराह्न तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा में उस समय तनाव बढ़ गया जब बीजेपी के वरिष्ठ विधायक जय नारायण मिश्रा, कांग्रेस विधायक ताराप्रसाद बहिनीपति की ओर बढ़े। ताराप्रसाद, शहरी विकास मंत्री के। सी। महापात्र के सामने खड़े थे और मंत्री किसी सवाल का जवाब दे रहे थे।

'अचानक मिश्रा आए और मेरा कॉलर पकड़ ली'

कांग्रेस विधायक बहिनीपति ने सदन के बाहर कहा, 'मिश्रा ने मेरे शर्ट का कॉलर पकड़कर मुझे धक्का दिया। मैं मंत्री महापात्र से हाथ जोड़कर निवेदन कर रहा था कि जब सदन में व्यवस्था नहीं है तो वह जवाब न दें। लेकिन अचानक मिश्रा आए और मेरा कॉलर पकड़ ली।' बाद में, सत्ता पक्ष और कांग्रेस के अन्य सदस्यों के बीच भी धक्का-मुक्की शुरू हो गई जिसके बाद अध्यक्ष पाढ़ी ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ और बीजेपी एवं कांग्रेस के विधायक एक-दूसरे को धक्का देते दिखे।

बीजेडी विधायकों ने सीएम मांझी से की बयान देने की मांग

बीजू जनता दल के सदस्य भी उसी जगह मौजूद थे, लेकिन वे इससे दूर रहे। विपक्षी बीजेडी और कांग्रेस विधायकों ने अलग-अलग मुद्दे उठाए। बीजू जनता दल के विधायकों ने मिश्रा की उस टिप्पणी पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से बयान देने की मांग की जिसमें मित्रा ने 1936 में तत्कालीन कोसल के ओडिशा में विलय को 'ऐतिहासिक गलती' करार दिया था, जबकि कांग्रेस विधायक राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर विरोध कर रहे थे। यह लगातार दूसरा दिन था जब विधानसभा में हंगामा देखने को मिला।

सदन में लालटेन लेकर पहुंचे थे बीजेडी विधायक

बता दें कि विपक्ष के विरोध के बीच अध्यक्ष पाढ़ी ने लगभग 30 मिनट तक प्रश्नकाल चलने दिया। मुख्यमंत्री के लगातार 2 दिनों से सदन में उपस्थित न होने को लेकर बीजेडी विधायकों ने विधानसभा परिसर में लालटेन लेकर सांकेतिक रूप से विरोध दर्ज कराया। बीजू जनता दल के विधायकों ने मुख्यमंत्री के कक्ष के बाहर धरना भी दिया। सियासी पंडितों का कहना है कि आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध और बढ़ सकता है।

पुलिस वालों ने कार पर 'पुलिस' लिखा तो खैर नहीं, होगी सख्त कार्रवाई

बेंगलूरू,11 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने पुलिस महकमे की गाड़ियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के मुताबिक, अब राज्य के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपनी प्राइवेट गाड़ियों पर 'पुलिस' नहीं लिखवा पाएंगे। अगर किसी की गाड़ी पर पुलिस लिखा हुआ पाया गया तो कानून का उल्लंघन माना जाएगा और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉक्टर जी। परमेश्वर ने बताया कि इस फैसले के संबंध में 2022 में एक सरकारी आदेश जारी किया गया था। इसके तहत स्पष्ट रूप से कहा गया था कि कोई भी पुलिसकर्मी अपने निजी वाहन पर पुलिस नहीं लिख सकता। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग से जुड़े किसी भी व्यक्ति को अपने निजी वाहन पर पुलिस लिखने की अनुमति नहीं है। अगर कोई ऐसा करता है,

तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। श्रवणबेलगोला के विधायक बालकृष्ण सीएन ने विधानसभा में इस मुद्दे पर सवाल उठाया था। उन्होंने सरकार से पूछा था कि क्या पुलिसकर्मियों द्वारा अपने निजी वाहनों पर पुलिस लिखवाने की घटनाएं सरकार के संज्ञान में आई हैं? अगर हां, तो इस पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है? इस पर जी। परमेश्वर ने अपने लिखित जवाब में बताया कि सरकार को इस बारे में जानकारी है। कुछ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने निजी वाहनों पर पुलिस लिखवाकर चल रहे हैं। उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2022 के सरकार के आदेश के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर फंसी एंबुलेंस और तभी आ गई ट्रेन, 100 मीटर तक घसीटा; मरीज भी थे मौजूद

रायगढ़ा,11 मार्च (एजेंसियां)। ओड़िशा के रायगढ़ा-मलकानगिरी-कोरापुट रेल लाइन पर सोमवार को बड़ा हादसा होते-होते रह गया। जानकारी के अनुसार, यहां सिकरपाई और भालुमास्का स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी ने एक एंबुलेंस को टक्कर मार दी। इसके बाद भी ट्रेन नहीं रुकी और करीब 100 मीटर तक एंबुलेंस की घसीट दिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस में आठ मरीज आंख की सर्जरी के लिए जा रहे थे। इसी बीच एंबुलेंस ट्रैक पर फंस गई, तभी ट्रेन आ गई और ये हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, एक निजी आई हॉस्पिटल की एंबुलेंस में आठ मरीज सवार थे। ये सभी सिकरपाई पंचायत के कनिपाई, कंजम जोड़ी, झकुडू, बेटालंग और चक्रकलंग गांवों से आए थे। सभी मरीज अनंता आई हॉस्पिटल में आंखों की सर्जरी के लिए जा रहे थे। उनके साथ एक आशा कार्यकर्ता भी मौजूद थीं। रास्ते में एंबुलेंस रेलवे ट्रैक पर फंस गई। इसी बीच, ट्रैक पर एक मालगाड़ी आ गई और एंबुलेंस को घसीटते हुए करीब 100 मीटर तक ले गई। हालांकि सतर्क लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

गनीमत रही कि हादसे से पहले एंबुलेंस में सवार सभी मरीज और ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल चुके थे, इसलिए किसी को कोई चोट नहीं आई। पूर्व तट रेलवे ने इस घटना पर स्पष्टीकरण जारी किया है। रेलवे के अनुसार, लोको पायलट की सतर्कता के कारण एक बड़ा हादसा होने से बच गया। रेलवे ने यह भी बताया कि घटनास्थल को 3 नवंबर 2024 को सुरक्षा के तहत घेराबंदी कर दी गई थी, लेकिन गांववालों ने अवैध रूप से इस बाड़ को हटा दिया था। इसी कारण यह घटना हुई, जिसे रेलवे ने अवैध अतिक्रमण का मामला बताया है। बहरहाल रेलवे ने इस गंभीर उल्लंघन के मामले में केस दर्ज किया है।

रियासी में बड़ा हादसा, गहरी खाई में गिरा टेंपो; दर्दनाक हादसे में चार की मौत

जम्मू,11 मार्च (एजेंसियां)। जिला रियासी के माहौर में एक गंभीर सड़क हादसा हुआ, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सुबह जम्मू से एक टेंपो चसाना की ओर जा रहा था, जो माहौर के गंजोत क्षेत्र में गहरी खाई में गिर गया।

हादसे में टेंपो में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल, पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे के बाद स्थानीय लोग भी शोकाकुल हैं।

मध्य प्रदेश विधानसभा में 'सांप' लेकर पहुंचे कांग्रेस विधायक

बीजेपी बोली- ये आपस में एक-दूसरे को डस रहे

भोपाल,11 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों ने विरोध करने का एक अलग तरीका निकाला। वो इस बार विधायक के रूप में नहीं बल्कि सपेरों की तरह हाथों में सांप लिए हुए दिखाई दिए। विधायकों ने टोकरी में सांप लेकर रखा था। टोकरी में एक पट्टी में लिखा था कि ये भाजपा सरकार का सांप है। उन्होंने युवाओं के बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार पर युवाओं को डसने का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि सरकार सांप है जो युवाओं के भविष्य को डस रही है। जब कांग्रेस विधायकों ने सांप का पिटारा विधानसभा में लेकर गए तो भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में बहुत सारे आस्तीन के सांप हैं। कांग्रेस के

नेता एक दूसरे को डस रहे हैं। जीतू पटवारी उमंग सिंगार को डस रहे हैं उमंग सिंगार दिग्विजय सिंह को डस रहे हैं दिव्यजीत सिंह किसी और को डस रहे हैं।

बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाए

कांग्रेस के नेताओं की मांग है कि बेरोजगार युवाओं को राज्य में नौकरियां दी जाएं। कांग्रेस के नेता ऐसे पोस्टर लेकर खड़े थे, जिसमें लिखा था कि राज्यपाल के अभिभाषण में युवा ठगा गया। बेरोजगार युवा नौकरी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस के भाजपा सरकार से मांग की है कि या तो रोजगार दो या फि अपने पद से इस्तीफा दो। एक कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी किसानों ओर महिलाओं को भिखारी मानती है और ये लोग कहते हैं कि ऐसे लोग हमारे यहां खड़े रहते हैं।

मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या जब ये वोट मांगने जाते हैं तब इन्हें महिलाएं और किसान भिखारी नहीं लगते हैं? कांग्रेस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। उन्होंने कल सदन का घेराव किया। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सरकार ने चुनाव के पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं किया। साथ ही राज्य में फैले भ्रष्टाचार पर भी सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। ऐसे में इन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

सोना तस्करी केस: एक्ट्रेस रान्या के पिता आईपीएस रामचन्द्र राव के खिलाफ जांच के आदेश जारी

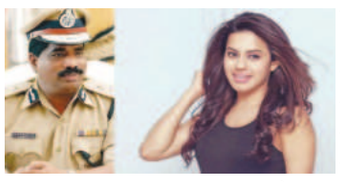

बेंगलूरू,11 मार्च (एजेंसियां)। एक्ट्रेस रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी के केस में लगातार कार्रवाई हो रही है। अब कर्नाटक सरकार ने एयरपोर्ट में प्रोटोकॉल सुविधा के दुरुपयोग और इस केस में आईपीएस और रान्या के सौतेले पिता रामचन्द्र राव की भूमिका के जांच के आदेश दिए हैं। एडिशनल चीफ सेक्रेटरी गौरव गुप्ता को जांच की जिम्मेदारी दी गई है और 1 सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा गया है।सरकारी आदेश में कहा गया है कि पिछले सप्ताह मीडिया और समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, अभिनेत्री रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दुबई से बेंगलुरु तक सोने की अवैध रूप से तस्करी करने के प्रयास के दौरान गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान, रिपोर्टों में यह सामने आया है कि अभियुक्त, रान्या राव ने इस अवैध कार्य को अंजाम देने के लिए हवाई अड्डे पर वीआईपी प्रोटोकॉल सुविधाओं का दुरुपयोग किया।

इसके अलावा, उन्होंने कर्नाटक राज्य पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और उनके पिता, डॉ। के। रामचंद्र राव, आईपीएस का नाम उपयोग करके उच्च स्तरीय प्रोटोकॉल सेवाओं तक पहुंच प्राप्त की। इस प्रकार, उन्होंने सुरक्षा जांच से बचकर तस्करी को अंजाम दिया। इन गंभीर आरोपों को ध्यान में रखते हुए, कर्नाटक सरकार ने निम्नलिखित बिंदुओं की जांच आवश्यक समझती है: इसके साथ ही सरकार ने प्रोटोकॉल दुरुपयोग मामले की सीआईडी जांच के आदेश भी जारी किए हैं। सीआईडी इस पहलू की जांच करेगी कि प्रोटोकॉल के तहत रान्या राव को एस्कॉर्ट करने वाले पुलिसकर्मियों ने क्या नियमों का उल्लंघन किया? इस केस में सम्बंधित पुलिस स्टेशन की क्या भूमिका थी और क्या पुलिसकर्मियों ने अपने दायित्व को सही तरीके से नहीं निभाया?

आप सांसद संजय सिंह का बड़ा बयान, 'बीजेपी ने चुनाव आयोग को अपनी घरेलू संस्था' बना लिया है

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष की मांगों पर संसद में चर्चा करने से बच रही है। इसी वजह से विपक्ष ने संसद का बहिष्कार किया। इसके साथ ही संजय सिंह ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने चुनाव आयोग को अपनी 'घरेलू संस्था' बना लिया है और केंद्र के साथ ही राज्य सरकारें मतदाताओं के वोट कटवाकर फर्जी वोट बनवा रही हैं। संजय सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में लाखों फर्जी वोट बनाए गए हैं और दिल्ली में भी वोटों में हेराफेरी हुई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की थी कि बीजेपी कार्यकर्ता मतदाताओं के वोट कटवाकर फर्जी वोट जुड़वा रहे हैं। दिल्ली के बवाना विधानसभा क्षेत्र में कई मतदाताओं के नाम उनके बूथ से हटाकर दूसरे बूथ पर डाल दिए गए। इससे वोटर जब मतदान करने पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। पश्चिम बंगाल में भी एक ही फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) पर कई जगह वोट डालने का मामला सामने आया है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट पर क्या बोले संजय सिंह?

संजय सिंह ने कहा कि पिछले पांच महीनों में भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के 94 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए उन्होंने राज्यसभा में नोटिस दिया, लेकिन सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। सितंबर 2024 में बीएसई इंडेक्स में 15% की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 16% नीचे आ गया। मिड और स्मॉल कैप इंडेक्स में 20-25% तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में यह अनिवार्य हो जाता है कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) समेत अन्य संबंधित नियामक निकायों की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता की गहन समीक्षा करें। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इन निकायों द्वारा बाजार में होने वाले हेर-फेर, अत्यधिक सट्टेबाजी समेत अन्य अनियमित गतिविधियों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं या नहीं। साथ ही। निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियों का क्रियान्वयन कितना कारगर रहा है, इसका भी आकलन आवश्यक है।

डी-लिमिटेशन पर भी उठाए सवाल

संजय सिंह ने कहा कि डी-लिमिटेशन में दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और उनकी लोकसभा सीटें कम नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विविधता में एकता पर विश्वास करता है और किसी भी राज्य के अधिकारों को कम करना ठीक नहीं है।

संसद में विस्तृत चर्चा की मांग

संजय सिंह ने राज्यसभा के सभापति से अनुरोध किया कि नियम 267 के तहत शेयर बाजार में गिरावट और चुनावी अनियमितताओं पर सदन में चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संकट से निपटने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

महू हिंसा के आरोप में अब तक 14 हिरासत में, 4 एफआईआर

इंदौर,11 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू में रविवार की रात आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने वाली रैली पर पथराव और आगजनी की घटना के बाद से तनाव का माहौल है। आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस और प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक बुलाने की योजना है। ताकि पथराव और आगजनी वाले क्षेत्रों में स्थायी शांति बहाल हो सके। इस मामले में पुलिस ने अभी तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का लोगों को भरोसा दिया है। फिलहाल, इंदौर में स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो खंगाल रही है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि कुछ आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाएगी, रिपोर्ट के मुताबिक हिंसक घटना में 2 दुकानों, कुछ लावारिस मोटरसाइकिलों और कारों में आग लगा दी गई, जिससे तनाव और बढ़ गया। पुलिस ने कहा है कि झड़पों के सही कारण का पता लगाने के लिए गहन जांच की जाएगी। एक वीडियो में चेहरे पर मास्क पहने हुए अज्ञात व्यक्तियों का एक समूह लाठी-डंडे चलाते और पत्थर फेंकते हुए दिखाई दे रहा है,

महू पुलिस ने शिकायत मिलने पर अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। अभी तक की सूचना के मुताबिक अभी तक 4 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी के अनुसार, इस मामले में मंगलवार तक 13 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी थी। इसके अलावा, अन्य लोगों की शिनाख्त कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं। अब महू में पूरी तरह हालात सामान्य है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अभी भी लोगों से अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की जा रही है।

महाराष्ट्र में अब 'हलाल' और 'झटका' मटन पर सियासत, मुस्लिम विधायकों ने दिए बड़े बयान

मुंबई,11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अब झटका मटन बेचने वाली दुकानों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा और इन दुकानों का सर्टिफिकेशन सिर्फ हिंदुओं को दिया जाएगा। सोमवार को राज्य के मंत्री नितेश राणे ने मल्हार सर्टिफिकेशन की शुरुआत का ऐलान किया। नितेश राणे के ऐलान के बाद अब महाराष्ट्र में मटन पर भी सियासत तेज हो गई है। इस मुद्दे पर मुस्लिम विधायकों ने एकजुटता दिखाते हुए नितेश राणे के ऐलान पर तंज कसा है। महाराष्ट्र विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता अमीन पटेल ने कहा है कि वह झटका मटन नहीं बल्कि हलाल मटन ही खाएंगे क्योंकि यह सबसे 'हाइजीनिक' मटन होता है।

'हलाल मटन पर हिंदू-मुसलमान न करें'

कांग्रेस नेता अमीन पटेल ने कहा, 'मैं हलाल मटन ही खाना पसंद करता हूं, और यही खाऊंगा। झटका मटन में दिक्कत है क्योंकि इसमें थोड़ा खून रह जाता है। अहम बात ये है कि फूड हाइजीनिक होना चाहिए। हलाल मटन पूरी दुनिया में सबसे हाइजीनिक माना गया है। यूरोप और अमेरिका में हलाल मटन की बहुत मांग है। हलाल मटन पर हिंदू-मुसलमान न करें।' अपने बयान में अमीन पटेल ने नितेश राणे पर तंज कसते हुए कहा कि कल नितेश राणे मटन खा रह थे, उनसे असेंबली में पूछूंगा कि उन्होंने कौन सा मटन खाया है।

'इस्लाम में हलाल पद्धति पसंद की जाती है'

मंत्री नितेश राणे के ऐलान के बाद समाजवादी पार्टी के नेता रईस शेख ने भी बयान दिया है। रईस शेख ने 'हलाल' और 'झटका' के विवाद पर बोलते हुए कहा, 'हलाल पद्धति में जानवर का गला बड़ी आसानी से काटा जाता है। हलाल तरीके से कट करने से पूरा ब्लड एक बार में बाहर निकल आता है। सारी बीमारियां खून से ही होती है, और पूरा खून एक बार में निकल जाता है इसीलिए इस्लाम में हलाल पद्धति को पसंद किया जाता है। नितेश राणे मल्हार सर्टिफिकेट शुरू कर रहे हैं तो इसका हम स्वागत करतें है। वह मटन का नया बिजनस शुरू कर रहे हैं तो उन्हे शुभकामनाएं। हिंदू समाज से कोई जबरदस्ती नहीं करता है, वे खुद खरीद कर लाते हैं और खाते हैं।'

नशा तस्कर की जायदाद पर चला बुलडोजर, एसएसपी की देखरेख में हुई कार्रवाई

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा के गृह क्षेत्र में युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने सुनाम में नशा तस्कर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी सरताज सिंह चहल ने खुद अपनी देखरेख में नशा तस्कर के घर व दुकान को बुलडोजर से गिरवाया। यह इमारत सुनाम की नई अनाज मंडी परिसर के भीतर बनी हुई थी। एसएसपी पुलिस का दावा है कि इमारत की उसारी भी अवैध रूप से की गई थी और यहां से नशा तस्करी समेत अन्य अवैध गतिविधियां संचालित होती थीं जिसकी कई शिकायतें पुलिस के पास हैं। उसी के आधार पर कार्रवाई की गई है।

हाईकोर्ट पर 25 हजार जुर्माना

पूर्व जज की मौत के बाद सेवा विवाद के चलते रोकी थी पेंशन, पत्नी ने लगाई थी गुहार

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)। न्यायिक अधिकारी की मृत्यु के बाद उनके परिवार के साथ सम्मान के साथ व्यवहार नहीं होने पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने हाईकोर्ट को प्रशासनिक स्तर पर और पंजाब सरकार पर 25 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। एक पूर्व सिविल जज की विधवा को पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति बकाया जारी करने में देरी के लिए खंडपीठ ने यह आदेश जारी किया है।

पंजाब के पूर्व सिविल जज गुरनाम सिंह की पत्नी प्रीतम कौर ने याचिका दाखिल करते हुए फैमिली पेंशन व अन्य बकाया लाभ जारी करने की मांग की थी। गुरनाम सिंह ने 1973 में पंजाब सिविल सेवा (न्यायिक) परीक्षा पास कर न्यायिक सेवा में आ गए। 1996 में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन एक विभागीय जांच के कारण इसे खारिज कर दिया गया। इस दौरान उन्हें निलंबित भी कर दिया गया। 1999 में सेवानिवृत्त होने के बाद, 2001 में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि, 2018 में हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ चार्जशीट, जांच रिपोर्ट और उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को रद्द कर दिया। कोर्ट ने पाया कि मार्च 2018 से मार्च 2024 तक जज और उनकी पत्नी को पेंशन न मिलना न केवल गैरकानूनी था, बल्कि कानून की पूरी तरह से अवहेलना भी थी। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारी और उनकी मृत्यु के बाद उनके परिवार को सम्मान और गरिमा के साथ नहीं रखा गया। यह तय कानून है कि जैसे रिटायरमेंट होती है पेंशन व वित्तीय लाभ तुरंत जारी किया जाना चाहिए।

गुरनाम सिंह की सेवानिवृत्ति लाभ उनके खिलाफ लंबित जांच के कारण रोकी गई थी। 2021 में उनके निधन के बाद उनकी पत्नी ने 2022 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें पेंशन और बकाया राशि जारी करने की मांग की गई। हाईकोर्ट प्रशासन ने पंजाब महालेखाकार को इसकी जानकारी दी और 2024 में पेंशन व ग्रेच्युटी को मंजूर की गई। कोर्ट ने यह सवाल उठाया कि जब 2018 में ही बर्खास्तगी की सजा रद्द कर दी गई थी, तो फिर पेंशन क्यों रोकी गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 12 मार्च, 2025 3

युविचार

आप अपने जीवन का महत्त्व समझकर चलो तो दूसरे भी महत्त्व देंगे

बेरोजगार युवाओं के लिए राजीव युवा विकासम : भट्टी

> डिप्टी सीएम ने नई योजना की घोषणा की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं की सहायता के उद्देश्य से 'राजीव युवा विकासम' नामक एक नई पहल की घोषणा की है।

उन्होंने घोषणा की कि यह योजना पांच लाख युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसरों का समर्थन करेगी, राज्य में एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समूहों के बेरोजगार युवाओं के लिए 6,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। मंगलवार को वीरा वनिता चकाली एलम्मा महिला विश्वविद्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक निगमों के माध्यम से राजीव युवा विकासम योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की सरकार की योजना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 5 लाख बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार पहल के बारे में अधिसूचना 15 मार्च को जारी की जाएगी। स्वरोजगार योजना के लिए आवेदन 5 अप्रैल तक ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए। इन आवेदनों की समीक्षा 6 अप्रैल से 31 मई तक होगी, जिसके दौरान लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित लाभार्थियों को 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस के दिन उनके स्वीकृति पत्र प्राप्त होंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी लाभार्थियों के चयन के लिए उपयुक्त दिशा-निर्देश विकसित कर रहे हैं, और आगामी अधिसूचना में योजना के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान की जाएगी।

भट्टी विक्रमार्क ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने वीरा वनिता चकाली एलम्मा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 540 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा, उत्कृष्ट सुविधाओं के निर्माण के लिए एक मास्टर प्लान बनाया गया है, जिसका उद्देश्य इसे देश का प्रमुख विश्वविद्यालय बनाना है। परिसर में स्थित विरासत भवनों के जीर्णोद्धार की भी योजना बनाई गई है। इसके अलावा, राज्य सरकार विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विरासत भवनों के जीर्णोद्धार के लिए 15.5 करोड़ रुपये और नए भवनों के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये तत्काल जारी कर रही है। बाद में उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विरासत भवनों और जीर्णोद्धार योजनाओं का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया।

हल्दी किसानों ने एमएसपी के लिए मेटपल्ली शहर में निकाली रैली

जगतियाल, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हल्दी किसानों ने मंगलवार को फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर मेटपल्ली शहर में एक विशाल रैली निकाली। हल्दी की कीमत में भारी गिरावट के मद्देनजर, रैतु जेएसी ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए 'चलो मेटपल्ली' का आह्वान किया। इस आह्वान के तहत जगतियाल, निजामाबाद और निर्मल जिलों के किसान शहर में एकत्र हुए। बाद में उन्होंने मेटपल्ली मार्केट यार्ड से पुराने बस स्टैंड तक रैली निकाली। इस अवसर पर उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत हल्दी को 15,000 रुपये एमएसपी प्रदान करने और खरीद केंद्र स्थापित करके किसानों से सीधे फसल खरीदने की मांग की। वे चाहते हैं कि सरकार उन व्यापारियों की पहचान करे जो सिंडिकेट बनाकर जानबूझकर कीमत कम कर रहे हैं और उनके लाइसेंस रद्द करने के अलावा उन पर आपराधिक मामला भी दर्ज किया जाए।

हल्दी की फसल के लिए 15,000 रुपये एमएसपी सुनिश्चित करे सरकार

बीआरएस एमएलसी कविता ने की मांग

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद के हल्दी किसानों को गिरती कीमतों और सरकारी उदासीनता से जूझते हुए, बीआरएस एमएलसी के कविता ने मंगलवार को मांग की कि कांग्रेस सरकार चुनावी वादों के अनुसार 15,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करे। उन्होंने जानना चाहा कि सरकार किसानों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही है, जबकि हल्दी की कीमतें गिरकर 9,000 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं। कविता ने एक बयान में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी पर झूठे वादों के साथ किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि जब हल्दी की कीमतें 9,000 रुपये प्रति क्विंटल तक भी नहीं पहुंच पाईं, तब भी सरकार चुप क्यों रही।

उन्होंने कहा कि क्या सरकार हल्दी किसानों के संघर्षों के प्रति अंधी है? यह किसान समुदाय के साथ धोखाधड़ी और छल से कम नहीं है। कविता ने भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद और केंद्रीय मंत्री बंदी संजय पर भी निशाना साधा, जिन्होंने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड की स्थापना का श्रेय लिया था, लेकिन बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने में विफल रहे। उन्होंने किसानों की जरूरतों पर ध्यान देने में उनकी विफलता की आलोचना करते हुए पूछा कि उच्च कीमतें सुनिश्चित करने और किसानों के लिए अधिक लाभ सुनिश्चित करने के उनके बड़े-बड़े दावों का क्या हुआ? किसानों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत 15,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हल्दी खरीदे, ताकि तेलंगाना की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ के लिए न्याय सुनिश्चित हो सके।

तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष दिल राजू ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स, हैदराबाद आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।

डीजीपी व भद्राथा के अध्यक्ष ने वार्षिक लेखा-जोखा को मंजूरी दी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक एवं भद्राथा योजना के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र ने मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित बैठक में भद्राथा योजना की प्रबंधन समिति एवं प्रतिनिधियों की स्वीकृति के साथ वार्षिक लेखा-जोखा को मंजूरी दी। बैठक में महानिदेशक, खुफिया, बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस, मल्टी-जोन-1 आईजीपी, चन्द्रशेखर रेड्डी, भद्राथा सचिव, गोपाल रेड्डी (सेवानिवृत्त आईपीएस), एआईजी (कानून एवं व्यवस्था), रमण कुमार तथा तेलंगाना राज्य पुलिस की सभी इकाइयों के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि सोसायटी अधिनियम के तहत स्थापित भद्राथा योजना में वर्तमान में 81,315 पुलिस कर्मी एवं मंत्रालयिक कर्मचारी सदस्य हैं। इस योजना का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना है। डीजीपी ने इस बात पर जोर दिया कि इस योजना के तहत विभिन्न लाभ प्रदान किए जाते हैं, जिनमें गृह निर्माण ऋण, शिक्षा ऋण (विदेश में अध्ययन के लिए ऋण सहित) और बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता शामिल है, जो सभी सदस्यों द्वारा मासिक अंशदान के माध्यम से वित्तपोषित किए जाते हैं।

डॉ. जितेन्द्र ने आगे घोषणा की कि भद्रथा के वार्षिक खातों को औपचारिक रूप से अपनाया गया है और प्रबंधन समिति और प्रतिनिधियों की सहमति से अनुमोदित किया गया है।

वाईएसएओ शाही परिवार की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में कई शाही परिवार हैं। वे राज्यों के सम्राट से लेकर उत्तर-औपनिवेशिक समाज के धनी सदस्य बन गए हैं। रियासतों के उन्मूलन और शाही विशेषाधिकारों के बंद होने के बावजूद, शाही परिवारों ने न केवल अपनी विरासत को संरक्षित किया है, बल्कि हम पर अपना प्रभाव भी जारी रखा है। शाही परिवारों ने भी बदलते समय के साथ खुद को ढाला है। वाईएसएओ (यंग फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन) ने एक दुर्लभ और अपनी तरह के पहले प्रयास में, भारतीय राजघरानों के संगम 'द रीगल एम्पावरमेंट' नामक एक अनोखे सत्र की योजना बनाई है।

यह दुर्लभ और अनूठा कार्यक्रम 12 मार्च को द लीला हैदराबाद में निर्धारित है। सम्मानित वक्ता महाराज कुमार साहिब डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़- उदयपुर, राजस्थान का शाही परिवार, एच.एच. महारानी राधिकाराजे गायकवाड़ (बड़ौदा, गुजरात का शाही परिवार नवाबजादी आलिया सुल्ताना बाबी) "डायनासोर राजकुमारी," बालासिनोर, गुजरात का शाही परिवार, रानी प्रीति सिंह (नाभा, पंजाब का शाही परिवार, राजकुमारी मीनल कुमारी सिंह देव) ढेंकनाल, ओडिशा का शाही परिवार भाग लेंगे, विचार-विमर्श करेंगे। रिद्धि जैन ने कहा कि हम आज उन महिलाओं से घिरे होने के लिए धन्य हैं जिनकी विरासत शाही विरासत की बात करती है, लेकिन जिनके कार्य नेतृत्व का सही मापदंड हैं। यह एक और वाईएफएलओ कार्यक्रम नहीं है। यह हमारे नियमित कार्यक्रमों से अलग है। इन प्रतिष्ठित शाही लोगों के योगदान समय के साथ गूंजते हैं, जो हमें दिखाते हैं कि सच्ची रॉयल्टी उपाधियों से परिभाषित नहीं होती है, बल्कि जिस तरह से हम दूसरों का उत्थान करते हैं और दुनिया में बदलाव लाते हैं ये महिलाएं सिर्फ रानियां नहीं थीं (वे योद्धा, शिक्षिका और दूरदर्शी थीं) वे पथप्रदर्शक जिन्होंने इतिहास को नया आकार दिया और जिनकी आवाज नई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है।

दो नगर निगम कर्मचारी निलंबित कर वसूली में लापरवाही

संगारेड्डी, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी कलेक्टर वल्लूरू क्रांति ने संपत्ति कर और जल शुल्क वसूलने में लापरवाही बरतने वाले नगर निगम कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की और दो नगर निगम कर्मचारियों को निलंबित कर दिया तथा विभिन्न नगर पालिकाओं के 17 अन्य को नोटिस जारी किया। हाल ही में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नागरिकों से शत-प्रतिशत कर वसूली सुनिश्चित करें।

ऐसा करने में विफल रहने पर क्रान्ति ने जहीराबाद नगरपालिका में बिल कलेक्टर कुरसीद मोहम्मद तथा सदाशिवपेट नगरपालिका में एक अन्य बिल कलेक्टर श्रीकांत को निलंबित कर दिया। उन्होंने जहीराबाद, तेलपुर और संगारेड्डी नगर निगमों के 17 अन्य कर्मचारियों को भी नोटिस जारी किया, जिसमें संगारेड्डी नगर निगम आयुक्त भी शामिल हैं। क्रांती ने चेतावनी दी कि अगर कर्मचारी तय समय सीमा के भीतर अपना काम पूरा नहीं करते हैं तो वे सख्त कार्रवाई करेंगी।

मेदक सांसद रघुनंदन को हाईकोर्ट से राहत मिली

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद रघुनंदन राव को तेलंगाना हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने रघुनंदन राव के खिलाफ नागार्जुन सागर पुलिस स्टेशन की सीमा में दर्ज चुनावी अपराध के मामले को खारिज कर दिया है। रघुनंदन राव के खिलाफ साल 2021 में नागार्जुन सागर उपचुनाव प्रचार के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत की गई थी कि उन्होंने आदर्श आचार संहिता लागू होने के दौरान बिना अनुमति के प्रचार किया। उन्होंने उत्लापल्ली और पुलिचेरला गांवों में चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया। एमपीडीओ दुब्बा सत्यम की शिकायत के आधार पर रघुनंदन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस मामले को अब हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस बीच, ज्ञात हो कि पिछली बीआरएस सरकार के सत्ता में रहने के दौरान उसके विधायक नोमुला नरसिंहय्या की असामयिक मृत्यु हो गई थी। इसके कारण 2021 में नागार्जुन सागर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था। उपचुनाव में बीआरएस पार्टी ने जीत हासिल की थी।

पावर हाउस ताइक्वांडो अकादमी ने कलर बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट आयोजित किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नालंदा नगर स्थित पावर हाउस ताइक्वांडो अकादमी ने 9 मार्च को अपनी पहली कलर बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता टीटीए के उपाध्यक्ष, मुख्य परीक्षक और तेलंगाना ताइक्वांडो एसोसिएशन के तकनीकी समिति के सदस्य ए किशोर कुमार ने की। लगभग 70 छात्रों ने इसमें भाग लिया, प्रतिभागियों को मुक्के, लात, आक्रमण और रक्षा कौशल के विभिन्न संयोजनों में परीक्षणों के माध्यम से अपनी ताकत और सहनशक्ति का प्रदर्शन करना था। विश्व ताइक्वांडो के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार विद्यार्थियों की कौशल क्षमता का भी परीक्षण किया गया, जिसमें विभिन्न रक्षात्मक और आक्रामक तकनीकों के 16 से 24 संयोजनों के बीच पूमसे आंदोलनों का समावेश था। आमतौर पर, यह एक नौ-चरणीय यात्रा है- श्वेत बेल्ट से ब्लैक बेल्ट तक- और इसके लिए छात्र में शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ-साथ उच्च स्तर की सहनशक्ति और धैर्य की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर बोलते हुए, पावर हाउस ताइक्वांडो अकादमी के संस्थापक और राष्ट्रीय रेफरी अरविंद नंदयाला और सुरेश ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की, जिन्होंने अपने कौशल और समर्पण का प्रदर्शन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस कार्यक्रम को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बना दिया।

गद्दार तेलंगाना फिल्म पुरस्कार प्रदान करने के लिए आदेश जारी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने आज गद्दार तेलंगाना फिल्म पुरस्कार के लिए तौर-तरीकों को अंतिम रूप देते हुए एक आदेश जारी किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के वादे के अनुसार सरकार द्वारा गद्दार पुरस्कारों के लिए 11 मार्च, 2025 की तारीख का जीओएमएस संख्या 25 जीओ (आई एंड पीआर) जारी किया गया। सरकार ने फैसला किया है कि विशेष पुरस्कार पैडी जयराज और कांता राव के नाम पर दिए जाने चाहिए, जिन्होंने तेलंगाना फिल्म उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चूंकि तत्कालीन तेलंगाना सरकार ने 2014 से 2023 तक फिल्म पुरस्कार नहीं दिए थे।

एआई संचालित धोखाधड़ी का पता लगाना जरूरी : सज्जनार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने शाम को यहां फेडरेशन हाउस के एफटीसीसीआई सुराना ऑडिटोरियम में कॉर्पोरेट विफलता और डिजिटल धोखाधड़ी को नेविगेट करना, सफलता के मार्ग पर एक सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन यह पता लगाने के लिए किया गया था कि कैसे सुशासन प्रथाएं कंपनियों को धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार को रोकने में मदद कर सकती हैं। इसमें ऐसा करने में विफल रहने के परिणामों को भी शामिल किया गया। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल ने अपने उद्घाटन भाषण देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए संवाद, सीखने और सहयोग के लिए एक मंच था। नरेश चंद्रा और डॉ. तसनीम शरीफ, कॉर्पोरेट कानून, आईबीसी और एडीआर समिति के अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष ने बैठक के लिए माहौल तैयार किया और वक्ताओं का परिचय कराया।

वी सी सज्जनार, उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम मुख्य अतिथि थे। दर्शकों को संबोधित करते हुए सज्जनार ने कहा कि वह एक कट्टर पुलिस अधिकारी थे, फिर उन्हें एमडी के रूप में टीजीआरटीसी का प्रबंधन करने का काम सौंपा गया। मुझे व्यवसाय के बारे में कुछ नहीं पता था। जब मैंने कार्यभार संभाला, तो निगम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था और यह घाटे में चल रहा था। सितंबर 2021 में जब उन्होंने कार्यभार संभाला, तब निगम का कुल कारोबार 3800 करोड़ रुपये था। हमने इसे अब चार साल में बदल दिया है। आज यह एक अरब डॉलर की कंपनी है। अगले साल कारोबार 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि हमारे 50,000 कर्मचारियों के जुनून, प्रतिबद्धता, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के कारण ऐतिहासिक परिवर्तन हुआ है। यह मजबूत सरकारी समर्थन के कारण भी संभव हुआ, जिसके बिना हम इस परिदृश्य को नेविगेट नहीं कर सकते थे। आपको मजबूत आंतरिक नियंत्रण और पारदर्शिता की आवश्यकता है। हम टीजीआरटीसी कर्मचारियों को बिना किसी चूक के वेतन दे रहे हैं और थोड़ी वित्तीय इंजीनियरिंग के कारण महीने की पहली तारीख को वेतन का भुगतान करते हैं, उन्होंने कहा। डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में बोलते हुए सज्जनार ने कहा, हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जहां हम बिना तकनीक के भी काम चला सकते हैं। हम इस पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एआई और बिग डेटा के उदय ने डिजिटल धोखाधड़ी के दायरे को भी बढ़ा दिया है। डिजिटल धोखाधड़ी खतरनाक गति से बढ़ रही है। साइबर अपराधी व्यक्तिगत जानकारी, धन चुराने और व्यवसायों को बाधित करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर बढ़ती निर्भरता का फायदा उठा रहे हैं। इसलिए, डिजिटल धोखाधड़ी को सभी कॉर्पोरेट घरानों की बोर्डरूम प्राथमिकता बनानी होगी।

पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी सज्जनार ने सुझाव दिया कि डेटा का विश्लेषण करने और संदिग्ध गतिविधि की पहचान करने के लिए एआई-संचालित धोखाधड़ी का पता लगाने का उपयोग किया जाना चाहिए। वित्तीय लेनदेन को सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करें, जो छेड़छाड़-प्रूफ और परिवर्तन के लिए प्रतिरोधी सुनिश्चित करता है। डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण देना महत्वपूर्ण है, और उन्हें बुनियादी सुरक्षा प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सज्जनार ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी अब एक व्यावसायिक जोखिम नहीं है, यह एक सामाजिक चिंता है। अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता और मध्यस्थता केंद्र के रजिस्ट्रार ए.जे. जावेद, अतिथि, वरिष्ठ मध्यस्थ और प्रशिक्षक ने कहा कि व्यवसाय और विवाह में एक समानता है। दोनों ही मामलों में, हम परेशानी की आशंका नहीं करते हैं। भारत की अदालतों में पांच करोड़ लंबित मामले हैं, उन्हें निपटाने के लिए हमें 324 साल चाहिए, बशर्ते कोई नया मामला न जुड़े।

इसके अलावा, जब विवाद बंद हो जाता है, तो देश में देरी से परिणाम आने के कारण सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत खो जाता है। इसके लिए एकमात्र रास्ता मध्यस्थता और पंच निर्णय है। न्यायिक सुधारों का इंतजार न करें। सौदा करने से पहले मध्यस्थता करें। फिर, यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो मध्यस्थता की जा सकती है एफटीसीसीआई और आईएएमसी ने ज्ञान फैलाने और इसके बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए दोनों संगठनों के बीच समर्थन पत्र पर हस्ताक्षर किए। पत्रकार और लेखिका अरुणा रविकुमार ने कॉरपोरेट धोखाधड़ी का पता लगाने में रेड फ्लैग पर बात की, जागरूक रहें, तैयार रहें। उन्होंने एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) और पोंजी स्कीम के बारे में बात की, हम लोकप्रिय कहावत पर विश्वास करते हैं कि एक विचार जीवन बदल सकता हम देखते हैं कि आजकल बहुत सी महिलाएँ डिजिटल धोखाधड़ी में शामिल हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट शरत कुमार ने डिजिटल एआई में धोखाधड़ी से निपटने के लिए नेतृत्व रणनीतियों पर चर्चा की। नीलोफ़र कैफ़े के पिता और पुत्र की जोड़ी बाबू राव और उनके बेटे शशांक अनुमुला ने बताया कि 1978 में 30 लोगों वाले इस कैफ़े में अब 2000 कर्मचारी हैं। साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के संस्थापक साईराम पलाबिंडेला ने रोकथाम, रिकवरी और विकास के लिए रणनीतियों के बारे में बात की। एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष आर. रविकुमार और केके माहेश्वरी और कई अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित लोगों में शामिल थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Parvati Bajirao Patil, mother of No 15799322Y Nk (OFC) Patil Sunil Bajirao presently residing at Vill & PO- Bachani, Teh- Kagal, Distt- Kolhapur (M.H.) PIN- 416221 have changed my name from Patil Parvati Bajirao to Parvati Bajirao Patil vide affidavit dt 7th Mar 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Bajirao Govind Patil, father of No 15799322Y Nk (OFC) Patil Sunil Bajirao presently residing at Vill & PO- Bachani, Teh- Kagal, Distt- Kolhapur (M.H.) PIN- 416221 have changed my name from Patil Bajirao Govind to Bajirao Govind Patil vide affidavit dt 7th Mar 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Munmun Midya, wife of Mr Goutham Midya presently residing at Vill- Motilal Chak, PO- Janka, Teh- Contai, Distt- East medinipur (W.B.) PIN- 721431 have changed my name from Mun Mun Midya to Munmun Midya vide affidavit dt 7th Mar 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-02-2025 दिनांक: 24.02.2025

कार्य का नाम : (1) वाल्टियर मण्डल में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/साउथ/वाल्टियर के अधीन TTR (FS+CS+CMSC)-03 सेट, TTR (CS+CMSC)-07 सेट, TTR (PSC)-20 सेट, TTR (CMSC)-06 सेट डू टर्नआउट नवीकरण। (2) वाल्टियर मण्डल के पलासा-विशाखापट्टनम में मेन लाइन में मण्डल अभियन्ता/साउथ/वाल्टियर सेक्शन के अधीन 8.048 कि.मी. (पैचों में) लम्बाई के लिए नए 660 कि.ग्रा. R260/90 UTS रेल द्वारा PSC-14 स्लीपर के नीचे बिछे मौजूदा 60 कि.ग्रा. 90 UTS रेल का TTR (प्राथमिक)।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,36,05,397.76, EMD : ₹ 2,18,300/-

(2) सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-03-2025 दिनांक: 24.02.2025

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सिक (Sick) लाइन रूम के पास एवं पीछे कवर शेड के साथ मटेरियल स्टैकिंग ग्राउंड के निर्माण का प्रावधान, CC पाथवे OEC के साथ ROH से नए CTRB रूम तक ट्रैक का प्रावधान (लंबाई 81.00 मीटर, चौड़ाई = 12.0 मीटर) एवं सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/वाल्टियर के अधीन MYD के OEC में ROH के क्षतिग्रस्त फर्श, चेकर्ड प्लेट (Chequrred Plate) द्वारा ड्रेन कवर का प्रतिस्थापन एवं ड्रेन वॉल आदि की मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 90,12,363.05, EMD : ₹ 1,80,300/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 20.03.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1071/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELG-TL-AC-24-25-20, दिनांक : 04.03.2025

कार्य का नाम : LHB AC कोचों के स्विच बोर्ड कैबिनेट की मरम्मत एवं रूपान्तरण।

निविदा मूल्य : ₹ 28,27,358/-, बिड सिक्युरिटी : ₹ 56,600/-, पूरा होने की अवधि : 240 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 26.03.2025 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 26.03.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

किसी भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-1074/P/24-25

बलिया मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री हो बैन

अलग बिल्डिंग बने, बीजेपी विधायक केतकी सिंह की मांग

बलिया, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बजट में बलिया जिले को मेडिकल कॉलेज का तोहफा मिला है। इसे लेकर बलिया से बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री बैन करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों की एंट्री बैन कर दी जाए और उनकी चिकित्सा सेवाओं के लिए अलग बिल्डिंग या विंग बनाया जाए, ताकि हिंदू सुरक्षित रह सकें। मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दिलाने के बाद पहली बार बलिया आई बांसडीह विधानसभा से फायर ब्रांड महिला विधायक केतकी सिंह ने कहा, मुसलमानों को होली, रामनवमी और दुर्गा पूजा में दिक्कत होती है, तो उन्हें इलाज करने में भी परेशानी हो सकती है। मैं महाराज जी से मांग करती हूं कि जब इतना खर्च हो ही रहा है, तो एक अलग बील्डिंग या एक अलग विंग बना दिया जाए कि वो अपना वहां इलाज करा लें। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की कि दिवाली के समय जब मेडिकल कॉलेज बन रहा है, तो इस तरह की व्यवस्था की जाए, ताकि हिंदू समुदाय के लोग सुरक्षित महसूस कर सकें, क्योंकि ना जाने किस पर क्या थूक-थूका कर हमें मिल जाए, तो इन सब से हम बच जाए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि बलिया में एक अस्पताल बन रहा है,

तेजस्वी का मुद्दा: पीके का स्टाइल, कांग्रेस के 'कन्हैया दांव' से बिहार में किसकी बढ़ेगी बेचैनी?

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में कांग्रेस चार दशक से सत्ता का वनवास झेल रही है और आरजेडी की पिछलग्गू बनकर रह गई है। ऐसे में कांग्रेस अब अपने दम पर दोबारा से खड़े होने की कवायद में है। इसीलिए चुनावी साल में कांग्रेस ने अपने युवा नेता कन्हैया कुमार को बिहार की सियासी पिच पर उतारने की रूपरेखा बना ली है। कन्हैया कुमार बिहार की सियासत में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मुद्दे को राजनीतिक धार देते नजर आएंगे तो जनसुराज पार्टी वाले प्रशांत किशोर के सियासी नक्शेकदम पर चल कर कांग्रेस को आत्मनिर्भर बनाने की है। कांग्रेस की ये यात्रा 16 मार्च से 14 अप्रैल तक निकलने वाली है। कन्हैया कुमार की अगुवाई में कांग्रेस बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर पदयात्रा शुरू करने जा रही है। पश्चिम चंपारण के भितिहरवा से शुरू होने वाली इस यात्रा का नाम 'नौकरी दो, पलायन रोको' का नाम दिया गया है। बिहार प्रभारी कृष्ण अल्लावरू ने कहा कि कांग्रेस की पदयात्रा पलायन और नौकरी के

मुद्दे पर है, जो इस मुद्दे से भटकाने की कोशिश करेगा, मतलब वह बिहार सरकार की मदद करेगा। साथ ही कन्हैया कुमार ने कहा कि यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई की बैठक में फैसला लिया गया कि बिहार का जो सबसे दर्दनाक पहलू है, उसके संबंध में एक पदयात्रा करनी चाहिए।

बिहार में कन्हैया कुमार करेंगे पदयात्रा

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ जिस जगह से चंपारण आंदोलन की शुरुआत की थी, उसी जगह से कांग्रेस 16 मार्च को बिहार की यात्रा शुरू करने जा रही है। कांग्रेस इस यात्रा में प्रमुख रूप से शिक्षा, नौकरी और पलायन का मुद्दा उठाएगी। बिहार और बिहार के लोग पढ़ाई के लिए दवा के लिए और कमाई के लिए ही बिहार से पलायन करने को मजबूर हैं। कन्हैया ने कहा, बिहार में समय से नौकरी के पदों को नहीं भरा जाता है। आज भी बीपीएससी से जुड़ा हुआ मामले को लेकर बिहार के छात्र नौजवान आंदोलनरत हैं।

तेजस्वी का मुद्दा, पीके का स्टाइल

बिहार में पदयात्रा के लिए कन्हैया कुमार ने जिन मुद्दों को सियासी धार देने का फैसला किया है, उसे तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उठाते रहते हैं। रोजगार के मुद्दे पर ही तेजस्वी यादव ने 2020 का चुनाव लड़ा था और 2025 की चुनावी पिच पर भी उस स्ट्रैटेजी के साथ उतरने की तैयारी है। पिछले दिनों चुनावी रणनीतिकार से सियासत में आए प्रशांत किशोर भी बिहार की पदयात्रा की थी। यात्रा के दौरान पीके ने बिहार से पलायन और रोजगार के मुद्दे पर मौजूदा और पूर्ववर्ती सरकारों को कठघरे में खड़े करते नजर आए थे। रोजगार और पलायन के मुद्दे को उठाने के चलते तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर दोनों को बिहार की राजनीति में पहचान मिली है। तेजस्वी के रोजगार वाले मुद्दे को धार देने और प्रशांत किशोर की स्टाइल में कन्हैया कुमार ने पदयात्रा करने का फैसला किया है।

होली पर जुमे की नमाज का समय बदला

गोरखपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में शुक्रवार को होली पर्व के कारण जुमे की नमाज का समय बदला गया है। उलमा ए किराम व दरगाह मुबारक खां शहीद कमेटी ने जुमे की नमाज को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। शुक्रवार (14 मार्च) को होली के मौके पर जुमे की नमाज 2 बजे के बाद अदा की जाएगी। गौरतलब है कि होली का त्यौहार 14 मार्च (शुक्रवार) को है। इसी दिन जुमे की नमाज भी पढ़ी जाती है और रमजान का महीना भी चल रहा है। ऐसे में गोरखपुर के मुस्लिम धर्मगुरुओं ने एक शानदार पहल करते हुए जुमे की दोपहर की नमाज को 2 बजे के बाद से अदा करने की बात कही है। दरगाह मुबारक खां शहीद आस्ताने पर मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं ने एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इसमें जनपद के तमाम उलेमा-ए-किराम और मस्जिद के इमाम साहेबान ने भाग लिया। इस बैठक में ये सहमति बनी कि देश व प्रदेश में भाईचारा कायम रखने के लिए रमजान के पाक महीने में 14 मार्च को होली का त्यौहार पड़ रहा है, उसी दिन जुमा भी है। इस कारण मुस्लिम समाज ने अपने हिंदू भाइयों के त्योहार होली पर्व को देखते हुए जुमे की नमाज के समय को दो घंटा आगे रखने का निर्णय लिया है।

लैंड फॉर जॉब घोटाला

कोर्ट में पेश हुए लालू यादव के बेटा और बेटी, मिली जमानत

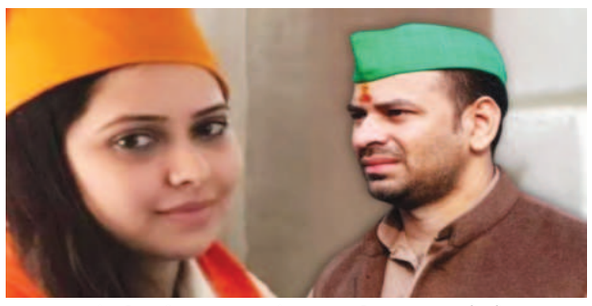

पटना नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब घोटाले मामले में आज यानी मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में कोर्ट ने आरोपियों को पेश होने के लिए कहा था, जिसके बाद लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव और हेमा यादव कोर्ट में पेश हुईं। इस मामले में लालू परिवार को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपियों को 50 हजार रुपये मुचलके और इतनी ही राशि के एक सिक्योरिटी बॉन्ड के साथ राहत दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि इस मामले में लालू व तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती समेत 8 आरोपियों को पेश होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि वो सीबीआई की पहली और दूसरी चार्जशीट में पेश हो चुके हैं। पिछली सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने संज्ञान लिया था। आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने हेमा, तेज प्रताप यादव व अन्य को समन भेजा था। लैंड फॉर जॉब घोटाले मामले में लालू परिवार समेत 103 लोग आरोपी हैं। इससे पहले सीबीआई ने कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी।

लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी

लैंड फॉर जॉब मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और और आरजेडी लालू प्रसाद यादव के परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इनमें लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव, और उनकी दो बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं।

दरअसल पूरा मामला 2004 से 2009 के बीच का है उस समय लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री हुआ करते थे। आरोप के मुताबिक लालू यादव के मंत्री रहते हुए रेलवे में नौकरी लगवाने के बदले में आवेदकों से जमीन और प्लॉट लिए गए थे। आरोप यह भी लगा कि आवेदकों से जो जमीनें ली गई हैं उसे लालू की पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारत के नाम पर लिया गया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस घोटाले में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी मांगी थी, गृह मंत्रालय ने मंजूरी दे दी थी।

शराब पीकर पीटता था पति, दूध वाले से लड़े नैन तो 3 बच्चों की मां फिर हो गई फरार

मेरठ, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में तीन बच्चों की मां को एक दूध वाले से प्यार हो गया, जो उनके घर पर दूध बेचने आता था। महिला दूध वाले के साथ चली गई। महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया कि उसका पति उसे पीकर पीटता है। इस बात को लेकर वह मेरठ के एक थाने में पहुंचीं, जहां घंटों तक फैमिली ड्रामा चलता रहा। महिला दूध वाले से शादी करने की बात पर अड़ी थी। इसके बाद कई घंटों तक चले ड्रामे के बाद पुलिस ने महिला की बात मानते हुए महिला को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया। क्योंकि महिला लगातार दूध वाले के साथ रहने और उससे शादी की बात कर रही थी। महिला का दूध बेचने वाले से उस वक्त प्रेम प्रसंग हुआ, जब वह उनके घर पर दूध बेचने आता था। महिला के तीन बच्चे हैं। महिला मुजफ्फरनगर के शेरपुर की रहने वाली है। महिला की शादी मवाना के एक मोहल्ला कवाली गेट के रहने वाले शख्स से 11 साल पहले शादी हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं।

अलीगढ़ में मुस्लिमों ने दिखाया बड़ा दिल

होली के दिन बदला नमाज अदा करने का समय

अलीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। जिले में होली के दिन जुमा होने के वजह से जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। अलीगढ़ में पहले जुमे की नमाज दोपहर एक बजे अदा की जाती थी, वहीं अब होली के त्योहार को लेकर अब ये नमाज दोपहर दो बजे अदा की जाएगी। इसे लेकर शहर मुफ्ती के द्वारा नमाज को शांति सौहार्द के साथ पढ़ने की अपील की गई है। अलीगढ़ में जुमे की नमाज को लेकर शहर मुफ़्ती की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है, जिससे जुमे की नमाज को होली के त्योहार पर सही तरीके से मनाया जा सके। साथ ही अलीगढ़ जिले में शांति सौहार्द कायम रह सके। इसको लेकर पुलिस प्रशासन के बाद अब शहर मुफ़्ती भी अपील करते हुए नजर आ रहे हैं। शहर मुफ़्ती की ओर से सबसे पहले जुमे की नमाज को लेकर एडवाइजरी जारी की। वही जुमे की नमाज को शांति और सौहार्द के साथ पढ़ने के साथ ही होली को त्यौहार को शांति सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

मुस्लिमों से बेवजह बाहर न निकलने की अपील

शहर मुफ़्ती खालिद हमीद ने बताया कि अबकी बार जुमे की नमाज एक घंटा लेट अदा की जाएगी। पीस कमेटी की मीटिंग में होली कमेटी के लोगों से बातचीत की गई है। साथ ही होली के दिन बिना वजह घर से न निकलने की भी मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की गई। शहर मुफ़्ती का कहना है कि लोग नमाज पढ़ने के लिए अपने घरों से निकले हैं बिना मर्जी के कोई उनके ऊपर रंग नहीं डालेगा। यह बात उन जगहों के लिए की गई है जिस जगह पर दोनों ही समुदाय के लोग ज्यादा रहते हैं। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र में स्थित मस्जिदों को लेकर भी उनके द्वारा 13 और 14 को मस्जिद ढकने की बात कही है। जिन मस्जिदों को ढका जाना है उनमें हलवाइन, कनवरीकंज, देहलीगेट, सब्जीमंडी चौराहा, शाहजमाल मस्जिद का नाम शामिल है।

शादी की सालगिरह भी नहीं मना सका सुधीश गोपालगंज के युवक की पटना में हत्या किसने की?

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। पटना में अपराधियों ने रात जिस युवक को गोली मारी थी, उसने मंगलवार सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृत युवक मूल रूप से गोपालगंज का रहने वाला था। पटना में ऑनलाइन सेंटर चलाता था और यहीं पर राजीव नगर थाना क्षेत्र मौर्य पथ स्थित नंदनपुरी की है।

चौंकाने वाली बात यह है कि सुधीश की शादी को अभी एक साल भी नहीं हुआ था। पिछले साल 23 अप्रैल को उसकी शादी हुई थी। अगले माह शादी की सालगिरह की तैयारी में अभी से ही जुट गया था। लेकिन, अपराधियों को उसकी खुशी रास नहीं आई और सुधीश को गोली मार दी। बताया जा रहा है कि सुधीश बायपास स्थित अपनी ऑनलाइन सेंटर बंद कर रात्रि में घर लौट रहा था। तभी घटना राजीव नगर थाना अंतर्गत मौर्य पथ स्थित नंदन पुरी इलाके में पहले से घात लगाए दो बाइक सवार अपराधियों ने उसपर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना राजीव नगर थाना अंतर्गत मौर्य पथ स्थित नंदन पुरी की है।

घायल व्यक्ति का नाम सुधीश कुमार उर्फ चुनचुन है। परिजनों का कहना है कि सुधीश रोज की तरह दुकान बंद कर लौट रहा था। इसी बीच अपराधियों ने उसपर हमला कर दिया। सुधीश की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। फिर भी किसने और क्यों उसकी हत्या की? यह समझ नहीं आ रहा है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और अपराधियों की गिरफ्तारी करे।

मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में

लोग अपनी रक्षा खुद करें, तेजस्वी यादव का तनिष्क शोरूम लूट पर नीतीश सरकार पर हमला

आरा, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के आरा में बीते दिन तनिष्क शोरूम में बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के बाद सरकार से लेकर पुलिस प्रशासन तक पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मामले पर अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने शोरूम में हुई लूट के वीडियो को मंगलमय वीडियो बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए तेजस्वी यादव ने लिखा कि शोरूम लूट का मंगलमय वीडियो! के सौजन्य से के बाद मोदी जी के लाडले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के लाडले गुंडों ने मीडिया प्रमाणित, सर्टिफ़ाइड राम राज्य में दिन-दहाड़े एक छोटी सी लूट की शौकिया घटना

को अंजाम देते हुए पुलिस अधीक्षक के आवास और थाने से चंद कदम की दूरी पर अवस्थित तनिष्क शोरूम से मस्ती के साथ 17 मिनट में 25 करोड़ के गहने-जेवरात लूट लिए। उन्होंने आगे लिखा प्रतिदिन बिहार में सैंकड़ों राउंड गोलियां चलती है। सत्ता संरक्षित औसतन प्रतिमाह सैंकड़ों हत्याएं होती है। लूटपाट, छिनतई, चोरी, अपहरण और बलात्कार का कोई लेखा-जोखा नहीं।

बिहार के मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में- तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने सीएम पर तंज कसते हुए लिखा कि बाक़ी मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में है। प्रशासनिक अराजकता चहुंओर फैल चुकी है। भ्रष्टाचारी और गुंडे सरकार चला रहे है। आप स्वयं तथा परिजनों का ख़्याल रखें। व्यापारी वर्ग कृपया अपने जान-माल की स्वयं रक्षा करें। इस भ्रष्ट, अवैध और निकम्मी सरकार से कोई उम्मीद रखना स्वयं को नुकसान एवं धोखे में रखने समान है।

कहां हुई डकैती की ये वारदात?

बिहार के आरा में तनिष्क शोरूम में 25 करोड़ की लूट को अंजाम दिया गया। ये घटना शहर के सबसे बिजी शीश महल चौक इलाके में हुई। दिनदहाड़े हुई इस लूट ने पुलिस महकमे को भी हिला दिया। इस लूट को अंजाम देने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा बदमाश ग्राहक बनकर आए थे, जिसके बाद उन्होंने शोरूम के स्टाफ को बंधक बना लिया।

होली पर शराब पीना पड़ेगा महंगा, डीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जारी किया ऑर्डर

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार पुलिस मुख्यालय ने होली को लेकर सभी जिलों को अलर्ट करते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ अतिरिक्त पुलिस बलों की भी तैनाती की गई है। डीजीपी विनय कुमार ने भी आमलोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से होली का पर्व मनाने की अपील की है। डीजीपी ने सभी जिलों के एसपी और पुलिस अधिकारियों को ऑर्डर देते हुए कहा कि हर चौक-चौराहे पर शराबियों पर नजर रखें। शराब पीने वाले और बेचने वाले दोनों के खिलाफ सख्त एक्शन लें। डीजीपी ने कहा कि उत्पात मचाने वाले लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई करें। पुलिस मुख्यालय के निर्देश के बाद होली को लेकर सभी जिलों में शांति समिति की बैठक भी शुरू हो गई है। इसके अलावा सभी जिलों और थाना पुलिस को संवेदनशील स्थलों को चिह्नित कर वहां विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। शराबबंदी का भी सख्ती से अनुपालन कराने को कहा गया है। इसका उल्लंघन करने वालों पर विधि-सम्मत कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। होली को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के अवकाश पर रोक का आदेश पहले ही जारी किया जा चुका है। इसमें विशेष परिस्थिति को छोड़कर दस से 18 मार्च तक अवकाश बंद करने का निर्देश दिया गया है। होलिका दहन को लेकर अग्निशमन विभाग भी पूरी तैयारी के साथ है। उन सभी स्थानों की पहचान करीब करीब पूरी कर ली गई, जहां बड़े स्तर पर होलिका दहन किया जाएगा। संवदेनशील इलाकों को सेक्टर और जोन में बांटा गया है। होलिका दहन के एक दिन पूर्व दमकल की 60 गाड़ियों को तय स्थानों पर कर्मियों और पदाधिकारियों के साथ तैनात किया जाएगा। हाइड्रोलिक प्लेटफार्म भी बेड़े से बाहर आएंगे। जबकि 16 मिस्ट टेक्नोलाजी से लैस बाइक से घूमकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। बीते वर्ष शहर में बड़े स्तर पर 200 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया था। इस वर्ष इन स्थानों पर होलिका दहन होना है। यहां सुरक्षा व्यवस्था और बचाव को लेकर आयोजकों के साथ ही जल्द ही अग्निशमन विभाग बैठक करेगा। उन स्थानों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी, जहां आसपास झुग्गी-झोंपड़ी हैं। जर्जर तार की मरम्मत के लिए बिजली विभाग से पत्राचार भी किया गया है।

नशे के सौदागरों पर कहर बनकर टूटा यूपी का ये आईपीएस, 115 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

बरेली, 11 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य नशे के सौदागरों पर कहर बनकर टूटे हैं। उनके नेतृत्व में बरेली पुलिस ने नशे में संलिप्त माफियाओं की कमर तोड़ दी है। नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। बरेली पुलिस अब तक 115 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त कर चुकी है। पुलिस ने अब तक चार बड़े नशा माफियाओं पर गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इस साल 1 जनवरी से अब तक 169 दिनों में पुलिस ने 51 मामले दर्ज कर 103 अपराधियों को जेल भेजा है। पिछले आठ महीनों में 72 अपराधी पुलिस मुठभेड़ों में घायल हुए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी नशा तस्करों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बरेली पुलिस नशा तस्करी के खिलाफ पूरी ताकत से अभियान चला रही है और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आलम ये है कि बरेली में अब अपराधी हाथ जोड़कर माफी मांगते और लंगड़ाते हुए जेल जा रहे हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फतेहगंज पश्चिमी चौकी इंचार्ज ने सोमवार सुबह गश्त के दौरान सूचना दी कि उत्तराखंड पुलिस की एक टीम भी उनके साथ कार्रवाई में सहयोग के लिए पहुंची थी। संयुक्त टीम ने इलाके के कई घरों की तलाशी ली, लेकिन वहां से कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। हालांकि, 16 लोगों में से 14 का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था, जबकि एक व्यक्ति पर मारपीट का मामला दर्ज था। एसएसपी ने बताया कि बीते पांच वर्षों में बरेली पुलिस ने मादक पदार्थों से जुड़े कुल 1,357 मामले दर्ज किए हैं,

खेत में मिली लाश का चौंकाने वाला खुलासा

बदायूं, 11 मार्च (एजेंसियां)। अलापुर थाना क्षेत्र में भट्ठा मजदूर की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसकी पत्नी शिखा उर्फ दुर्गा ने कराई थी। उसने अपने प्रेमी को शादी करने का लालच दिया था और कहा था कि वह भट्ठा मजदूर को रास्ते से हटा दे तो फिर वह उससे शादी कर लेगी। उसके प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पहले मजदूर को शराब पिलाई फिर अंगोछे से गर्दन खींचकर उसकी हत्या कर दी। इसमें पुलिस ने दुर्गा समेत तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया और सोमवार दोपहर बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। दो दिन पहले आठ मार्च को अलापुर थाना क्षेत्र में अभियासा गांव के पुराने भट्ठे के नजदीक गेहूं के खेत में चितौरा निवासी रामवीर का शव पड़ा मिला था। उसकी पत्नी शिखा उर्फ दुर्गा का कहना था कि वह एक दिन पहले अपने पति के साथ होली का सामान खरीदने अलापुर कस्बा आई थी। शाम को खरीदारी करने के बाद रामवीर ने उसे घर भेज दिया था और शराब लेने चला गया था।

बिहार के मधेपुरा में एक ही परिवार से उठी तीन अर्थी

सड़क हादसे में मां बेटे और बहू की गई जान

मधेपुरा, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मधेपुरा जिले में मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के 3 सदस्य मां, बेटा और बहू शामिल हैं। बताया जाता है कि एनएच 106 मार्ग स्थित उदा नहर और बनरवा टोला के बीच दुर्घटना घटी है। जहां तेज रफ्तार से आ रहे हरी सब्जी लदे पिकअप वाहन ने एक ही बाइक पर सवार तीनों को कुचल दिया।

जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के तेलडीहा वार्ड नंबर 20 निवासी बैजनाथ महतो की 60 वर्षीय पत्नी माला देवी उनके पुत्र विशाल महतो और 30 वर्षीय बहू आरती देवी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तीनों मृतक माला देवी, विशाल महतो और आरती देवी एक ही बाइक पर सवार होकर अरार स्थित कमालपुर काम पर जा रहे थे। घर से निकलने के बाद जब वे एनएच 106 स्थित उदा नहर से आगे बढ़े और बनरवा टोला के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के तुरंत बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। वही स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जहां घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा भेज दिया। वहीं पिकअप गाड़ी को जप्त कर लिया गया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। एक ही घर से मां बेटा और बहू की मौत से मातम पसरा हुआ है।

विकसित महाराष्ट्र बन रहा, लेकिन लोग गरीब हो रहे: फडणवीस के बजट पर बोले पृथ्वीराज चव्हाण'

मुंबई,11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने बजट को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, अर्थसंकल्प पेश किया गया है, जो देश की आगे की आर्थिक दिशा तय करेगा। उस समय विशेष रूप से किसानों को कर्जमाफी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूर्व सीएम ने कहा कि आज हर दिन राज्य में सात किसान आत्महत्या करते हैं। सरकार का कहना है कि वह क्या करना चाहती है, लेकिन किसानों को सोयाबीन 31 रुपये बेचना पड़ता है। एक ओर कहा जाता है विकसित भारत, विकसित महाराष्ट्र, लेकिन देश अमीर होता जा रहा है और लोग गरीब होते जा रहे हैं। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, 'सरकार ने 2017 तक एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है, लेकिन झूठे दिवाली के सपने दिखाकर घोषणाएं करना गलत है। चव्हाण ने कहा कि आय में महाराष्ट्र देश में सबसे आगे था, लेकिन अब पीछे है, क्या सरकार इस सच को नकारेगी? आज गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्य आगे बढ़ गए हैं और महाराष्ट्र से अधिक विकसित हो गए हैं। बजट में केवल पैसे बढ़ाने से विकास नहीं होता, बल्कि वास्तविकता में पैसे बढ़ने चाहिए।'पूर्व सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार केवल स्मारक, सड़कें, महामार्ग और प्रतिमा स्थापित करने में कमीशन लेने पर जोर दे रही है। महाराष्ट्र में बजट पेश हुआ। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का बजट पेश किया गया। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बजट पेश किया। 7,00,020 करोड़ रुपये के बजट में लाडकी बहिन योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपये आवंटित किए,

उग्रवादी संगठन में भर्ती की गईं दो लड़कियां बचाई गईं
काकचिंग और लाइकोन इलाके में पुलिस की कार्रवाई

इंफाल,11 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तरफ से कथित तौर पर भर्ती की गई दो लड़कियों को बचाया है। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, कि नाबालिगों को 8 मार्च को काकचिंग जिले के काकचिंग बाजार और थौबल जिले के वांगबल लाइकोन इलाके से बचाया गया। उसी दिन, पुलिस ने काकचिंग बाजार से पीएलए के दो कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के बयान में कहा गया कि वे लड़कियों को प्रतिबंधित संगठन में भर्ती करने में शामिल थे।

कहां से बचाई गई लड़कियां?

काकचिंग बाजार (काकचिंग

जिला) और वांगबल लाइकों (थौबल जिला) से 8 मार्च को बचाया गया। उसी दिन काकचिंग बाजार से दो पीएलए उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया गया, जो इन लड़कियों की भर्ती में शामिल थे। बता दें कि, गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान मोइरांगथेम रोमें सिंह और नोंगमाइथेम मोहेंद्रो सिंह के रूप में हुई है।

अन्य गिरफ्तारियां और हथियार बरामदगी

इंफाल पश्चिम जिले के हाओबम मराक क्षेत्र से केसीपी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के दो उग्रवादी गिरफ्तार किए गए हैं। इस दौरान उनके पास से चार ग्रेनेड जब्त किए गए हैं। इंफाल पूर्व जिले के केइराओ वांगखेम क्षेत्र से यूपीपीके संगठन का एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान निंगोम्बम बॉनबोन सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वो सरकारी अधिकारियों, निजी कंपनियों और आम लोगों से उगाही में शामिल था, उसके पास से ।32 पिस्टल, मैगजीन और 8 कारतूस बरामद किए गए हैं।

असम राइफल्स ने उग्रवादी शिविर को किया नष्ट

एक अहम कार्रवाई में असम राइफल्स और सेना ने मिलकर चुराचांदपुर जिले में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) का अस्थायी शिविर नष्ट किया है। जानकारी के मुताबिक, चार झोपड़ियों वाला यह शिविर सोंगफू गांव के जंगल में मिला था और आठ मार्च को नष्ट कर दिया गया है। यूकेएनए केंद्र सरकार के ऑपरेशन सस्पेंशन समझौते का हिस्सा नहीं है।

चर्च परिसर में मिले सूटकेस के अंदर निकला मानव कंकाल

कोल्लम,11 मार्च (एजेंसियां)। केरल के कोल्लम में एक चर्च परिसर में एक सूटकेस के अंदर एक कंकाल मिला है। कंकाल सीएसआई चर्च के कब्रिस्तान के पास पाया गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है और जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि यह मानव कंकाल था। पुलिस का मानना है कि ये कई सालों पुराना शव है। ये मर्डर का केस हो सकता है। पुलिस ने साइंटिफिक तरीके से मामले की जांच शुरू कर दी है, साथ ही पुराने मिसिंग रिकॉर्ड्स देखे जा रहे हैं। कंकाल सड़ने की अवस्था में है। पुलिस का कहना है कि यह संभव है कि किसी ने इसे एक बक्से में डालकर वहीं छोड़ दिया हो। यह सूटकेस आज सुबह चर्च में काम करने आए लोगों ने देखा। सूटकेस, चर्च कब्रिस्तान के पास एक जंगली क्षेत्र में तब मिला जब वे पाइपलाइन मार्ग पर काम कर रहे थे। इससे पहले जनवरी 2025 में करीब 12 एकड़ जमीन पर बने एक घर के अंदर रखे फ्रिज से मानव खोपड़ियां और हड्डियां मिली थीं। इस खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। दरअसल ये घर पिछले 12 सालों से वीरान पड़ा था। सुनसान होने की वजह से यहां आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगा था। जब पड़ोस के लोगों ने इसकी शिकायत पुलिस से की तो मौके पर पुलिस पहुंची और घर की तलाशी ली। इसी दौरान फ्रिज से मानव खोपड़ियां और हड्डियां मिलीं। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव फैल गया। ये मामला केरल के चोट्टानिकारा का था। पुलिस ने इस मामले की भी जांच शुरू कर दी थी। फ्रिज से मिलीं हड्डियां प्लास्टिक बैग में भरकर अच्छी तरह से रखी गई थीं। जिस घर से ये बरामद हुईं, उसका मालिक पेशे से डॉक्टर है

फिट होने के लिए ऑनलाइन देखा डाइट प्लान और छोड़ दिया खाना, हो गई मौत

कन्नूर,11 मार्च (एजेंसियां)। आज के समय में हर कोई फिट दिखना पसंद करता है। लड़के-लड़कियां अक्सर स्लिम दिखने के लिए बहुत कुछ करते हैं। कई बार वह फिट और स्लिम बनने के लिए खाना भी छोड़ देते हैं, लेकिन कभी-कभी ज्यादा डाइटिंग जानलेवा साबित हो जाती है, जो इंसान को ही खत्म कर देती है। ऐसा एक मामला केरल से सामना आया है, जहां एक लड़की ने फिट होने और वजन कम करने के चक्कर में खाना ही छोड़ दिया, जिसके बाद यही उसकी मौत की वजह बन गई।

केरल के कन्नूर की रहने वाली 18 साल की श्रीनंदा नाम की एक लड़की की मौत हो गई। श्रीनंदा ने महीनों से खाना छोड़ा हुआ था। उसे डर था कि उसका वजन बढ़ जाएगा, जिसके बाद वह फिट नहीं दिखेगी, लेकिन श्रीनंदा को ये डाइटिंग भारी पड़ गई। खाना छोड़ने से श्रीनंदा की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई। उसे अस्पताल ले जाने की नौबत आ गई, जहां 12 दिन तक श्रीनंदा को वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उसकी हालत इतनी बिगड़ गई थी कि उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई।

24 किलो वजन रह गया था

श्रीनंदा को जब अस्पताल ले जाया गया तो उसके अंदर महज 24 किलो वजन था। उसका ब्लड शुगर, सोडियम, ब्लड प्रेशर लगातार गिरता गया, जिसे कंट्रोल कर पाना मुश्किल हो गया था और आखिर में उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर ने बताया कि श्रीनंदा को एनोरेक्सिया नर्वोसा नाम की बीमारी हो सकती है, जो एक तरह की मानसिक बीमारी होती है, जिसमें पीड़ित अपने को बहुत ज्यादा मोटा समझता है। चाहे वह कितना ही पतला क्यों न हो।

ऑनलाइन डाइट प्लान फॉलो

श्रीनंदा ने ऑनलाइन डाइट प्लान लिया था, जिसे वह फॉलो कर रही थी। इसके चलते वह खाना छोड़कर सिर्फ गर्म पानी पी रही थी। वह घंटों तक एक्सरसाइज करती और खाना खाती ही नहीं थी। इस बात को उसने अपने घरवालों से छुपाया था और खामोशी से एक्सरसाइज करती रही। साथ ही खाना भी छोड़ दिया। डॉक्टरों का कहना है कि युवा सोशल मीडिया पर आने वाले डाइट प्लान को फॉलो करने से बचें।

राजधानी के दो स्कूलों और नेशनल फॉरेंसिक लैब को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल,11 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी को स्कूलों को निशाना बनाते हुए एक फिर से बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस बार यह धमकी दो स्कूलों को ईमेल के जरिए दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई तथा बम स्क्वॉड और एफएसएल के जरिए तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी में कहीं पर कुछ भी नहीं मिला। कुछ दिन पहले पिपलानी स्थित स्कूल को तेलुगु भाषा में ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। जानकारी के अनुसार पोदार वर्ल्ड स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ईमेल प्रास हुआ, जिसमें दोपहर पौने तीन बजे स्कूल की बम से उड़ाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिफ्यूजन टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वर्तमान में ईमेल की सत्यता की जांच जारी है। इसी तरह का मेल सेकंड स्टॉप स्थित सेंट मेरी स्कूल को भी मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वॉड टीम स्कूल पहुंची और पूरी जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच प्रारंभ कर दी है।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब एक बजे नेशनल फोरेंसिक लैब को एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें लैब के बाहर विस्फोटक सामग्री पड़े होने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस बल, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक टीम ने पूरे इलाके की बारीकी से जांच की, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। फिलहाल, इन घटनाओं में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस साइबर सेल की मदद से धमकी भरे ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास में जुटी हुई है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा की तैयारियां तेज

देहरादून,11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा राज्य की आर्थिकी का एक महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इसे सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए ग्रीन चारधाम यात्रा अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार करने को कहा है। इसके तहत यात्रा मार्गों पर कूड़ा निस्तारण की बेहतर व्यवस्था की जाएगी और प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक सामग्रियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

चारधाम यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की बढ़ती मांग के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि टिकटों की कालाबाजारी को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने विजिलेंस और पुलिस विभाग को सतर्क निगरानी रखने को कहा ताकि श्रद्धालुओं को तय दरों पर ही सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके अलावा, हेलीकॉप्टर सेवाओं की बुकिंग की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए। चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री ने सड़कों, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी सड़क निर्माण का कार्य चल रहा हो, उसे शीघ्र पूरा किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर घोड़े-खच्चरों के स्वास्थ्य परीक्षण की अनिवार्यता पर भी बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन पशुओं के लिए पर्याप्त चारा और गर्म पानी की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, यात्रा मार्गों पर यातायात सुगम बनाने के लिए संकरे मार्गों का चौड़ीकरण करने और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए

हुड़दंगियों का मुंडन कर जुलूस निकालने पर एक पुलिसकर्मी लाइन अटैच, जांच के आदेश

देवास, 11 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के जश्न के दौरान हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर मुंडन कर जुलूस निकाला है। अब इस मसले को लेकर विधायक गायत्री राजे पवार ने नाराजगी जताई है। पुलिस अधीक्षक से चर्चा में उन्होंने कहा आरोपियों का मुंडन कर जुलूस निकालना गलत है। इस मामले में एसपी पुनीत गहलोत को मामले की निष्पक्ष जांच की बात भी कही है।

शहर में हो रही जुलूस को लेकर चर्चा

शहर में पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों को मुंडन कराकर जुलूस निकालने का विरोध शहर में भी देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर लोग नाराजगी जतारा रहे हैं। वहीं इसकी जांच की मांग कर रहे है।

एडिशनल एसपी को सौंपी जांच

विधायक गायत्री राजे पंवार ने कहा कि आरोपियों का मुंडन करना गलत है, ज्यादती की गई। जितने भी आरोपी हैं उनकी जांच करनी चाहिए थी। कुछ आरोपी ऐसे बनाए हैं, जो क्रिमिनल नहीं हैं। उनके परिजन हमारे साथ हैं। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए परंतु निर्दोष पर नहीं। वहीं एसपी पुनीत गहलोद ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच के लिए एडिशनल एसपी जयवीर भदौरिया को प्रभारी बनाया गया है। सात दिन में पूरी रिपोर्ट वे सौंप देंगे। बेकसूर पर हमला करना गलत है, एक पुलिसकर्मी को लाइन अटैच किया है। जल्द ही पूरे घटनाक्रम की जांच होगी।

डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का खतरनाक खेल पुलिस ने किया गैंग का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली की पुलिस ने ठगों के खिलाफ जारी एक्शन में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली के शाहदरा इलाके में पुलिस ने एक बड़े डेटिंग ऐप ठगी के रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आनंद विहार स्थित क्रॉस रिवर मॉल के एक बार में छापा मारकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों पर ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिए लोगों को जाल में फंसाने और महंगे बिल वसूलने का आरोप है। दरअसल, बीती 8 तारीख को पुलिस को जानकारी मिली थी कि आनंद विहार इलाके के एक बार में लोगों को डेटिंग ऐप्स के माध्यम से ठगा जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने क्रॉस रिवर मॉल स्थित 'बिग डैडी बार' पर छापा मारा, जहां चार आरोपियों को पुलिस को पकड़ा।

कैसे करते थे ठगी?

पुलिस के मुताबिक, आरोपी राजेंद्र, कुलदीप, आशीष और दीपक फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर लोगों को डेटिंग ऐप्स जैसे टिंडर, बम्बल, हिंज, हैपन, आइल, और वू पर फंसाते थे। फिर उन्हें बार या क्लब में बुलाकर महंगे खाने-पीने का ऑर्डर दिलवाते थे। आरोपी बार प्रबंधन से मिलीभगत कर के जबरन ज्यादा बिल वसूलते थे।

रोजाना 3,000 रुपए मिलते थे

पुलिस को जांच में ये भी जानकारी मिली है कि पीड़ित से ठगी करने के बदले आरोपियों को क्लब की ओर से रोजाना 3,000 रुपए मिलते थे। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन बरामद किए गए है। इन मोबाइलों का इस्तेमाल ठगी में किया जा रहा था।

गुरदासपुर में बवाल ! पुलिस से झड़प में कई किसान घायल

जम्मू-कटरा हाईवे अधिग्रहण को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन

श्रीहरगोबिंदपुर,11 मार्च (एजेंसियां)। (गुरदासपुर)। पंजाब के गुरदासरपुर जिले के श्रीहरगोबिंदपुर साहिब के पास गांव नंगलझोर में किसान और पुलिस प्रशासन आमने-सामने हो गए। टकराव की स्थिति उत्पन्न होने के बाद किसानों की पगड़ियां भी उतर गई। हालांकि, इस टकराव के दौरान आठ किसान भी घायल हो गए। इस दौरान किसानों ने सरकार और पंजाब पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

टकराव के दौरान कई किसानों की उतरी पगड़ियां

किसान नेताओं ने बताया कि श्रीहरगोबिंदपुर साहिब में गुजर रहे हाईवे को लेकर सरकार कब्जा लेना चाहती है, जबकि किसान

नेता इसे नहीं देना चाहते है। इसी को लेकर किसानों-पुलिस प्रशासन के बीच टकराव हो गया। इस टकराव के दौरान कई किसानों की पगड़ियां उतर गईं।

जम्मू-कटरा हाईवे अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे किसान।

जबकि किसान परमिंदर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव चीमा खुड्डी, अजैब सिहं पुत्र मंगल सिंह निवासी चीमा खुड्डी, गुरमुख सिंह पुत्र हरबंस सिंह निवासी कान मल्लक, हरजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह निवासी गांव नील कलां, अजीत सिंह पुत्र किशन सिंह निवासी गांव भर्थ, निशान सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी भिट्टेवड्ड और अजीत सिंह पुत्र तरलोक सिंह निवासी भिट्टवड्ड घायल हो गए। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

यूपी में एनआरएचएम घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 89.84 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क

लखनऊ,11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), लखनऊ ने बड़ी कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 89.84 लाख रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क कर लिया गया है। ईडी ने इस घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच की और पाया कि कई लोगों ने गैरकानूनी तरीके से पैसे इकट्ठे कर संपत्तियां खरीदीं। इसी आधार पर 89.84 लाख रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) योजना साल 2005 में शुरू की गई थी। इसका मकसद गांवों और छोटे शहरों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। इसके तहत अस्पतालों का निर्माण, दवाओं की खरीद, डॉक्टरों की नियुक्ति और मेडिकल सुविधाओं के विस्तार पर सरकार ने हजारों करोड़ रुपये खर्च किए। लेकिन, साल 2005 से साल 2011 के बीच इस योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। अधिकारियों और ठेकेदारों ने मिलकर फर्जी बिल बनाए, उपकरणों की अधिक कीमत वसूली, दवाओं की खरीद में हेराफेरी की और फंड का गलत इस्तेमाल किया। इस घोटाले का खुलासा होने के बाद कई जांच एजेंसियां सक्रिय

हो गईं। एनआरएचएम घोटाले में कई अधिकारियों, डॉक्टरों और ठेकेदारों की भूमिका सामने आ चुकी है। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और कई को जेल भी भेजा जा चुका है। साल 2012 में, इस घोटाले की जांच के दौरान कई अधिकारियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिससे यह मामला और भी पेचीदा हो गया।

अब क्या होगा?

ईडी की कार्रवाई से साफ है कि सरकार इस घोटाले में शामिल लोगों पर शिकंजा कस रही है। कुर्क की गई संपत्तियों की आगे जांच होगी और अगर दोष साबित होता है तो इन्हें सरकार के कब्जे में ले लिया जाएगा। यह घोटाला उत्तर प्रदेश के इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक माना जाता है। अब देखना यह है कि इस मामले में और कौन-कौन निशाने पर आता है और भ्रष्टाचार के इस जाल में और कितने बड़े नाम सामने आते हैं।

चंडीगढ़ के वीआईपी इलाके में तेज रफ्तार पोर्श कार का कहर, तीन लोगों को मारी टक्कर, एक की मौत

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के वीआईपी एरिया में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। देर रात सेक्टर- 4 के पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार में आ रही पोर्श कार ने पहले एक्टिवा सवार दो युवतियों को टक्क मारी। इसके बाद आगे जाकर एक और एक्टिवा को टक्कर मारी, जिस पर सिर्फ एक चालक सवार था, जिसकी दर्दनाक मौत हो गई। एक्टिवा चालक के सामने आकर पोर्श कार का इंजन उसमें फंस गया और गाड़ी, एक्टिवा को घसीटते हुए काफी दूर तक लेकर चली गई। इस दौरान पोर्श कार पहले बिजली के खंभे से टकराई, फिर ट्रैफिक साइन बोर्ड को तोड़ते हुए सीधे पेड़ से जाकर टकरा गई। इस हादसे में गाड़ी के इंजन में फंसी एक्टिवा के दो टुकड़े हो गए और एक्टिवा चालक की मौत हो गई। वहीं, पहले हादसे में एक्टिवा पर सवार दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें पुलिस ने पीजीआई (पंजाब मेडिकल इंस्टीट्यूट) में दाखिल कराया गया, जहां उनकी इलाज चल रही है।

खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई पर लगा निलंबन हटाया तो सामने आया बृजभूषण शरण सिंह का बयान

कहा- 26 महीने तक चला संघर्ष

गोंडा,11 मार्च (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगा निलंबन हटा लिया है। इस फैसले के बाद पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'यह संघर्ष करीब 26 महीने तक चला और आज कुश्ती महासंघ को सरकार ने बहाल कर दिया है। इसलिए हम सरकार और खेल मंत्री को धन्यवाद देना चाहते हैं। अगर इससे किसी को नुकसान हुआ है तो वो खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी हैं, जो साजिशकर्ता इसमें शामिल थे, उनकी मंशा पूरी नहीं हुई। हम तो यही कहेंगे कि महासंघ को पहले होने वाले सभी कुश्ती टूर्नामेंट कराने चाहिए।' खेल मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगा निलंबन हटा लिया। इस फैसले के बाद घरेलू टूर्नामेंटों के आयोजन और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमों के चयन का रास्ता साफ हो गया। बता दें, खेल मंत्रालय ने अंडर-15 (यू-15) और अंडर-20 (यू-20) राष्ट्रीय चैंपियनशिप की जल्दबाजी में घोषणा करने के लिए डब्ल्यूएफआई को 24 दिसंबर, 2023 को निलंबित कर दिया था। संजय सिंह के नेतृत्व वाले पैनल ने 21 दिसंबर, 2023 को चुनाव जीते थे, लेकिन पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के गढ़ गोंडा के नंदिनी नगर में नेशनल चैंपियनशिप के लिए वेन्यू के चुनाव ने सरकार को नाराज कर दिया था। खेल मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि डब्ल्यूएफआई ने सुधारात्मक उपाय किए हैं, इसलिए उसने निलंबन हटाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि सात महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के लिए निवर्तमान डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 2023 में विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने दिसंबर 2023 में महासंघ के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए हुए चुनावों को रद्द करने और उन्हें अवैध घोषित करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। बृजभूषण के वफादार संजय सिंह को 21 दिसंबर 2023 को हुए चुनावों में डब्ल्यूएफआई का नया प्रमुख चुना गया था।

जादू-टोना के शक में 25 लोगों ने महिला को बेरहमी से पीटा

डिब्रूगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)। असम के डिब्रूगढ़ जिले में जादू-टोना करने के शक में एक महिला पर हमला किया गया। आरोप है 25 लोगों ने उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसको घसीटते हुए ले गए और फिर नदी के पास फेंक दिया। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल भीड़ के हमले की वजह से 62 वर्षीय आदिवासी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने मंगलवार को घटना के बारे में जानकारी दी। दरअसल, पूरा मामला डिब्रूगढ़ जिले के लहवाल थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। यहां रोमै चाय बागान की रहने वाली इस महिला की भीड़ ने पिटाई की और फिर उसे नदी के पास फेंक दिया था। किसी तरह से महिला को यहां से बचाया गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, महिला को असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एएमसीएच) में भर्ती कराया गया है,

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 मार्च - 2025

चीन का रक्षा बजट भारत के लिए बड़ी चुनौती

अशोक भाटिया

चीन का 245 बिलियन डॉलर का रक्षा बजट भारत के 79 बिलियन डॉलर से तीन गुना अधिक है, जिससे आधुनिकीकरण, रणनीतिक निवारण और सैन्य तैयारियों के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। चीन ने अपने वार्षिक रक्षा बजट में 7.2% की वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उसका आधिकारिक सैन्य व्यय बढ़कर 245 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के दौरान सामने आया यह घटनाक्रम बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर बीजिंग के फोकस को रेखांकित करता है। पिछले वर्ष के समान प्रतिशत वृद्धि को बनाए रखने के बावजूद, विशेषज्ञों का तर्क है कि चीन का वास्तविक सैन्य खर्च घोषित की गई राशि से काफी अधिक है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, चीन का वास्तविक रक्षा बजट आधिकारिक आंकड़ों से 40-50% अधिक हो सकता है, क्योंकि वास्तविक व्यय को छिपाने के लिए अक्सर धन को विभिन्न श्रेणियों के तहत आवंटित किया जाता है। घोषित आंकड़ों के अनुसार भी, चीन का रक्षा बजट भारत के 79 बिलियन डॉलर के आवंटन से तीन गुना अधिक है और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, जिसने 2025 में सैन्य खर्च के लिए 900 बिलियन डॉलर से अधिक का बजट निर्धारित किया है। चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक में इस बढ़ोतरी की वजह बताते हुए प्रवक्ता वांग चाओ ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बजट को बढ़ाया गया है। यह आठवां साल है जब चीन में सैन्य बजट में बढ़ोतरी का ऐलान किया गया है। स्पष्ट है कि चीन भले ही बुरे आर्थिक हालातों से जूझ रहा है, लेकिन जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ली केकियांग का कहना है, सैन्य अभियान चलाने और युद्ध की तैयारियों को बढ़ाने के लिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की गई है। अमेरिका के बाद चीन डिफेंस सेक्टर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाला देश है। 2025-2026 के लिए भारत का कुल बजट \$580 बिलियन (50.65 ट्रिलियन) है, जिसमें अनुमानित राजस्व \$400 बिलियन (34.96 ट्रिलियन) है। हालाँकि, भारत का रक्षा आवंटन सकल घरेलू उत्पाद का 1.9% बना हुआ है, जो चीन और पाकिस्तान के खिलाफ़ विश्वसनीय प्रतिरोध के लिए रक्षा विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए 2.5% से काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषकों का तर्क है कि भारत को अपने रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाना चाहिए ताकि परिचालन संबंधी कमियों को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सके और अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण किया जा सके। वर्तमान में, रक्षा बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा - लगभग 75% - वेतन, पेंशन और परिचालन लागतों में चला जाता है, जिससे उन्नत सैन्य संपत्ति हासिल करने के लिए सीमित धनराशि बचती है। रक्षा बजट को बढ़ाना चीन की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में चीन की हथियारों को तैयार करने की क्षमता काफी ज्यादा है। हथियारों को निर्यात करने के मामले में अमेरिका, रूस और फ्रांस के बाद चीन चौथे पायदान पर है। दुनिया की टॉप 10 हथियार कंपनियों में चीन की तीन शामिल हैं। हथियारों की ब्रिकी का रिकॉर्ड देखें तो अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थ्रप ग्रमन कॉरपोरेशन के बाद तीसरे पायदान पर चीन का नॉर्थ इंडस्ट्रीज ग्रुप कॉरपोरेशन है। डिफेंस सेक्टर में चीन के जो हालात हैं वो हमेशा से वैसे नहीं थे। सोवियत संघ के दौर में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी काफी अहद तक रूसी हथियारों पर निर्भर रहती थी। सोवियत संघ से चीन ने काफी कुछ सीखा। यही वजह है कि चीनी हथियार से लेकर लड़ाकू विमानों में सोवियत संघ की छाप देखने को मिलती है। समय के साथ चीन में हथियारों के निर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना शुरू किया। रूसी तकनीक और अपने पुराने मिसाइल सिस्टम में सुधार किए। अपनी वेपन सिस्टम डेवलप किए। अभी भी चीन सोवियत के दौर के हथियार बना रहा है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच हथियारों का आदान-प्रदान हो रहा है। स्टॉकहोम इंटरनैशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट कहती है, 2016 से 2021 तक चीन ने जितना हथियार आयात किया था, उसका 81 फीसदी हिस्सा तो रूस ने भेजा था। गौरतलब है कि चीन द्वारा उसके रक्षा खर्चों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय की गई है जब लद्दाख और अरुणाचल सीमा पर पिछले लगभग दो साल से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ है। तनाव कम करने के लिए 15वें दौर की वार्ता में भी कुछ हल निकल सका है। वहीं दूसरी तरफ चीन का अमेरिका के साथ सैन्य एवं राजनीतिक तनाव बढ़ता ही जा रहा है। चीन के खिलाफ बने क्वाड गठजोड़ ने भी चीन की चिंताओं को अधिक बढ़ाया है। इन सबके अलावा चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों से पीछे हटने वाला नहीं है। शायद इसीलिए चीन अपने रक्षा बजट में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है। विदित हो कि यह लगातार आठवां ऐसा वर्ष है जब चीन के रक्षा बजट में बढ़ोतरी का प्रतिशत इकाई अंक तक ही सीमित रखा, लेकिन भारत की तुलना में उसका रक्षा बजट काफी अधिक है। यहां गौरतलब यह भी है कि रक्षा बजट के मामले में चीन अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है। इस घोषणा के बाद चीन अमेरिका के बाद रक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश बन गया है। अमेरिका का रक्षा बजट चीन के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा होता था जो अब साढ़े तीन गुना ही ज्यादा है। हाल के वर्षों में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरे देशों में अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए नौसेना और वायु सेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर रहा है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। उसने भारतीय सीमा के नजदीक सैन्य गांव भी बसा दिए हैं। जबकि उसने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों की संख्या में तीन लाख तक की कटौती भी की है। इसके बावजूद 20 लाख की सैन्य संख्या बल के साथ पीएलए अब भी दुनिया की सबसे बड़ी सेना है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। 0विदित हो कि कुछ समय पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपनी नौसेना को संसार की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बनाने का जो संकल्प लिया था उसे चीन पूरा करने में लगा हुआ है। वर्ष 2020 तक चीन ने 360 से ज्यादा युद्धपोतों की तैनाती की है। चीन की यह विस्तारवादी नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी। चीन अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोडऩा चाहता है। चीन ने रक्षा बजट में वृद्धि को उचित ठहराते हुए यह भी कह रहा है कि अमेरिका एशिया-प्रशांत क्षेत्र का सैन्यीकरण कर रहा है। खासकर दक्षिण चीन सागर को लेकर खींचतान सबसे ज्यादा है। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाए जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन का ध्यान स्टील्थ लड़ाकू विमान, विमानवाहक पोत, सेटेलाइट रोधी मिसाइल समेत नई सैन्य क्षमता विकसित करने पर है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है।

कांग्रेस के 'किशन-कन्हैया'

आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कुछ ऐसा खेल करने जा रही है जिससे राजद नेता तेजस्वी को भी घेरा जा सके। इसके लिए, कांग्रेस बिहार में 'नौकरी दो, पलायन रोको' पदयात्रा करने जा रही है, इसमें युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के नेता भाग लेंगे। पदयात्रा 16 मार्च से चंपारण जिले के भितिहरवा से शुरू होगी और शिक्षा, नौकरी और इलाज के मुद्दों पर लोगों से बात करेगी। इसके जरिए कांग्रेस एक तीर से दो शिकार करने की तैयारी में है। कांग्रेस बिहार में उन युवाओं के कंधे के भरोसे चुनाव लड़ेगी जो पलायन, नौकरी, शिक्षा को विकास को प्रभावित करने वाला फैक्टर मानते हैं। यह लड़ाई उन लोगों की है जो इन मुद्दों के कारण पीड़ित हैं। कांग्रेस की लाइन और लेंथ यह है कि जो युवाओं के बेहतर भविष्य की लड़ाई और उन्हें न्याय दिलाना चाहते है, वह इस पद यात्रा में शामिल हो सकते है। इस पदयात्रा का नाम है "नौकरी दो पलायन रोको '। जब यूथ कांग्रेस की बात आएगी तो जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और अब एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार के बिना बात कैसे बनेगी। इसलिए वे इस पदयात्रा में शामिल रहेंगे। बता दें कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने चंपारन से ही अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ आंदोलन की मजबूत नींव रखी थी। कांग्रेस के जेहन में भी यह जंग मोदी और नीतीश सरकार के खिलाफ है। कांग्रेस का मानना है कि दोनों ही सरकारें युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही हैं। कन्हैया के अलावा बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मिलकर नौकरी, पलायन और शिक्षा के विरुद्ध पद यात्रा कर कांग्रेस की गोटी सेट करेंगे। देखा जाए तो तेजस्वी की कमाई, दवाई और पढ़ाई से उनकी पदयात्रा बहुत मेल खाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि इस राह पर चल कर क्या कांग्रेस राजद की बी टीम की छवि से मुक्त होना चाहती है। जिन मुद्दों के बल पर तेजस्वी यादव 2020 की चुनावी जंग हार गए। फिर कांग्रेस अब 2025 के चुनावी जंग में पुराना और फेल मुद्दा उठा कर क्या संदेश देना चाहता है? कांग्रेस चाहती है कि दलीय प्रतिबद्धता नहीं बल्कि नौकरी ,पलायन और शिक्षा की विफलता से प्रभावित युवा वर्ग लामबंद होकर कांग्रेस की पदयात्रा को कामयाब करे। लेकिन जातिवाद की जकडन से घिरी बिहार की धरती पर क्या यह संभव है? सोशल इंजीनियरिंग के नाम पर जातीय ताल मेल बिठाने में माहिर एनडीए से क्या महागठबंधन पार पा सकेगा। इसके बाद भी कांग्रेस का राजद से अलग हटकर राजनीति के क्या संकेत माने जाएं? वैसे तो चुनाव में समय है पर कांग्रेस का ये कदम ऐसा लग रहा है कि नई बोतल में पुरानी शराब। माना जा रहा है कि इस यात्रा के जरिए तेजस्वी के सामने कन्हैया को खड़ा करने की तैयारी शुरू हो गई है। कृष्णा अल्लवरु ने कहा कि 'बिहार में पलायन आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक बीमारी बन चुकी है। ऐसे में बिहार की जनता, युवा और छात्रों का आवाज बनकर कांग्रेस काम कर रही है। कन्हैया कुमार का मानना है कि 'बिहार के लोगों के ऊपर जो अन्याय हो रहा है उसके खिलाफ यह यात्रा विभिन्न जिलों से होते हुए पटना आकर समाप्त होगी। इस यात्रा का मुख्य मुद्दा शिक्षा, नौकरी और इलाज रहेगा। जिस तरीके से राज्य में बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया वह बेहद शर्मनाक है। बिना नौकरी और बिना शिक्षा दिए बिहार का विकास संभव नहीं। बिहार में तीन साल की ग्रेजुएशन डिग्री पंचवर्षीय योजना बन जाती है। इन्हीं मुद्दों को पदयात्रा में उठा कर कांग्रेस मतदाताओं को अपने पक्ष में करना चाहती है।

महिला पुरस्कारों की गरिमा और निष्पक्षता पर उठते सवाल

प्रियंका सौरभ

हाल ही हरियाणा में महिला दिवस पर विवादित महिला का मुख्यमंत्री से सम्मान मामले ने गहरे प्रश्न सबके सामने रख दिए है। कई वर्षों से, महिला पुरस्कार मान्यता के चमकदार प्रतीक के रूप में खड़े हैं, जो उन क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करते हैं जहाँ उन्हें अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। ये सम्मान सिर्फ़ समावेशन के लिए एक प्रेरणा से कहीं ज़्यादा है; इनका उद्देश्य ऐसे समाज में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करना है जो अक्सर महिलाओं के योगदान को अनदेखा करता था। हालाँकि, राजनीतिक प्रभावों और बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोणों से चुनौती के कारण इन पुरस्कारों की अखंडता अब जोखिम में है। महिला पुरस्कारों का भविष्य समाज की निष्पक्षता, मान्यता और समावेशिता के बीच संतुलन खोजने की क्षमता पर निर्भर करता है।

ऐसे में ये महत्त्वपूर्ण है कि हम आगे चलकर महिला उपलब्धियों का सम्मान कैसे करते हैं। महिला पुरस्कारों ने ऐतिहासिक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में महिला उपलब्धियों को स्वीकार करने और सम्मानित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे साहित्य, विज्ञान, खेल या फ़िल्म हो, इन पुरस्कारों ने उन क्षेत्रों में आवश्यक मान्यता प्रदान की है जहाँ महिलाओं को अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, हमारे तेज़ी से बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में, इन पुरस्कारों का महत्त्व और आवश्यकता जांच के दायरे में आ रही है। अतीत में, महिला पुरस्कार उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता की कड़ी मेहनत से स्वीकारोक्ति का प्रतिनिधित्व करते थे, जहाँ अक्सर महिला प्रतिभा को अनदेखा किया जाता था। वे सिर्फ़ समावेश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि लचीलेपन, दृढ़ संकल्प और अग्रणी सफलता के प्रतीक थे। हालाँकि, आज, इन पुरस्कारों की अखंडता खोने का जोखिम है- महिलाओं की उपलब्धियों में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि उनकी मान्यता का मूल अर्थ धुंधला, राजनीतिकरण या पूरी तरह से खारिज हो रहा है। ऐसे समय में जब समावेशिता को अपनाने का दावा किया जाता है, महिला पुरस्कारों का अनूठा उद्देश्य उल्टा जोखिम में है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि समानता के उद्देश्य वाले समाज में लिंग-विशिष्ट पुरस्कार अब मौजूद नहीं होने चाहिए। लेकिन क्या सच्ची समानता उन मंचों को ख़त्म करने से आती है जो कभी महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करते थे? समान अवसर बनाने के बजाय, हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति देख रहे हैं: महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए डिज़ाइन किए गए पुरस्कारों का मिश्रण, पुनर्उद्देश्य या पूर्ण रूप से हटाना। आज के सांस्कृतिक परिवेश में, जहाँ प्रतिनिधित्व को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है, कुछ पुरस्कारों ने सच्ची उपलब्धियों से ध्यान हटाकर केवल दिखावे पर ध्यान केंद्रित किया है। वास्तविक योग्यता का जश्न मनाने के बजाय, चयन समितियाँ राजनीतिक शुद्धता के साथ संरेखित विकल्प चुनने के लिए बाध्य महसूस कर रही हैं, जो पुरस्कारों की अखंडता से समझौता कर सकती हैं। यदि किसी महिला को उसकी असाधारण क्षमताओं के लिए नहीं बल्कि इसलिए सम्मानित किया जाता है क्योंकि वह किसी विशिष्ट कथा में फिट बैठती है, तो क्या वह मान्यता वास्तव में समान महत्त्व रखती है? महिला पुरस्कारों को पुराने प्रतीक या दिखावटीपन के उपकरण नहीं बनने चाहिए।

मुस्लिम तुष्टिकरण का संवाहक मुस्लिम आरक्षण

मुनीष त्रिपाठी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने 7 मार्च को सरकार का बजट पेश किया। सीएम ने बजट में मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने एलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-II बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलिवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ो के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ। मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते कर्नाटक सरकार ने यह कदम उठाया है। सरकारों का काम होना चाहिए वह तुष्टिकरण किसी समुदाय का न करे, पुष्टीकरण सबका हो इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। हां सरकार का लोक कल्याणकारी व्यवस्था के तहत यदि आवश्यक लगे तो वंचित वर्ग की विधि सम्मत सहायता भी करे। जब संविधान धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर इसे सूचीबद्द करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है। इसी के मद्देनजर बड़ा सवाल यह है कि आखिर देश के कितने राज्यों में मुस्लिम समाज को आरक्षण दिया गया है? मुस्लिम आरक्षण का भौगोलिक और जनसंख्यात्मक विस्तार होता ही जा रहा है। भारत के कई राज्यों में कितने प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था की गई है? आपको इसके बारे में बताते हैं । दरअसल, एक, दो या तीन नहीं बल्कि देश के 9 राज्यों में मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था की गई है । मौजूदा वक्त में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक , बंगाल (कोर्ट ने रद्द कर दिया गया), तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में यह व्यवस्था है । केरल में शिक्षा में 8 फीसदी और नौकरियों में 10 फीसदी सीटें मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षित हैं । वहीं, तमिलनाडु में मुसलमानों को 3.5% आरक्षण दिया जाता है । पूर्व में भी कर्नाटक में मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे बीजेपी सरकार ने ख़त्म कर दिया था । अब कांग्रेस ने राज्य में सत्ता में आते ही दोबारा मुस्लिम आरक्षण को लागू किया है.।

कर्नाटक में 32% ओबीसी कोटा के भीतर मुस्लिमों को 4% उप-कोटा मिला हुआ है । केरल में 30% ओबीसी कोटा में 12% मुस्लिम कोटा है । तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5% आरक्षण मिलता है । यूपी में 27 फीसदी ओबीसी कोटा के अंदर ही 28 मुस्लिम जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है । तेलंगाना में मुस्लिमों को ओबीसी कैटेगरी में 4 प्रतिशत आरक्षण है । आंध्र प्रदेश में ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम रिजर्वेशन का कोटा 7% से 10% तक है । इसके अलावा बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में जाति के आधार पर मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण में शामिल किया गया है । दरअसल, बीजेपी नेताओं के मुस्लिम आरक्षण पर दिए बयान के बाद इस बात की चर्चा हो रही है कि क्या इस व्यवस्था पर समीक्षा की जाएगी । इस मामले में राजस्थान की भजनलाल सरकार ने ओबीसी कोटे में 14 जातियों में शामिल मुस्लिमों को दिये जाने वाले आरक्षण की समीक्षा करने का फैसला किया है । सबसे पहले मुस्लिम आरक्षण की शुरुआत जो कि राजनैतिक था, 1909 के मार्ले मिंटो अधिनियम में मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की गई । उस समय कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध किया लेकिन 1916 के कांग्रेस के मुस्लिम लीग से लखनऊ समझौते में कांग्रेस ने पृथक निर्वाचन को स्वीकार कर लिया । बाद में इसका आगे के अधिनियमों में कई क्षेत्रों में उत्तरोत्तर बढ़ता गया जो आगे चलकर भारत के विभाजन का मुख्य कारण बना । धर्म-आधारित आरक्षण 1936 में केरल में भी लागू किया गया था, जो उस समय त्रावणकोर-कोच्चि राज्य था I साल 1952 में इसे 45% के साथ सांप्रदायिक आरक्षण से बदल दिया गया, 35% आरक्षण ओबीसी को आवंटित किया गया था, जिसमें मुस्लिम भी शामिल थे ।

साल 1956 में केरल के पुनर्गठन के बाद लेफ्ट की सरकार ने आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाकर 50 कर दिया गया जिसमें ओबीसी के लिए आरक्षण 40% शामिल था । सरकार ने ओबीसी के भीतर एक सब कोटा बना दिया जिसमें मुसलमानों की हिस्सेदारी 10% थी जबकि भारत के संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है और तब भी नही था । खुद संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर भी कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता । दरअसल, राज्य स्तर पर मुस्लिमों की कई जातियों को ओबीसी लिस्ट में आरक्षण दिया जाता है । यह कैसे किया जाता है इसके पीछे संविधान के कुछ अनुच्छेदों में छिपी अस्पष्ट भावना का सहारा लेकर किया जाता है । संविधान के अनुच्छेद 16(4) के मुताबिक राज्य को पिछड़े वर्ग के नागरिकों के पक्ष में आरक्षण का प्रावधान करने में सक्षम बनाता है । इसी तरह अनुच्छेद 15(1) राज्य को नागरिकों के विरुद्ध धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है । अनुच्छेद 16(1) अवसर की समानता प्रदान करता है और अनुच्छेद 15 (4) राज्य नागरिकों के किसी भी सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की उन्नति के लिए प्रावधान कर सकता है । इसके अलावा अगर कोई दलित व्यक्ति हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम या ईसाई धर्म कबूल कर लेता है, तो क्या उसे आरक्षण का लाभ मिलेगा ? ये मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में है । इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट में संविधान के उस आदेश पर भी फैसला होना बाक़ी है, जिसमें कहा गया है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के दलितों के अलावा किसी और धर्म के लोगों को अनूसूचित जाति का दर्जा नहीं दिया जा सकता । आदेश में ये भी कहा गया था कि ईसाई और इस्लाम धर्म को आदेश से इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि इन दोनों धर्मों में छुआछूत और जाति व्यवस्था नहीं है । यहां सबसे अधिक चौकाने वाली बात यह है कि संविधान बदलने की दुहाई देने वाले राजनेताओं के साथ कथित दलित और अंबेडकरवादियों ने देश के 9 राज्यों में ओबीसी कोटे में मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था पर चुप्पी साधे हुए है । राज्यों की भाजपा सरकारों को चाहिए यदि उनके शासित राज्यों में पहले की सरकारों ने आरक्षण का प्रावधान कर दिया है तो उसकी समीक्षा कर वैधानिक तरीके से मुस्लिम आरक्षण को समाप्त करे जिससे संविधान की मूल भावना बनी रहे और पंथ निरपेक्ष ढांचा की छवि में बट्टा न लग सके।

रिश्तों के बीच बढ़ती डिजिटल दीवार

प्रो. आरके जैन

मोबाइल अब हमारे हाथ का एक साधारण उपकरण नहीं रह गया है—यह आधुनिक जीवन का सबसे गहरा और खामोश जाल बन चुका है। यह एक ऐसी चमकदार खिड़की है, जो खुलते ही हमें उस दुनिया में धकेल देती है, जहाँ अपनों की गर्माहट खो जाती है और अनजानों की भीड़ हमें घेर लेती है। घर में सब एक छत के नीचे हैं, फिर भी एक-दूसरे से मीलों दूर। हर कोई अपनी छोटी-सी स्क्रीन में कैद है—एक ऐसी आभासी दुनिया में खोया हुआ, जहाँ हज़ारों चेहरों की चमक तो है, पर अपनेपन की रोशनी नहीं। तकनीक ने हमें जोड़ने का सपना दिखाया था। कहा गया था कि दूरियाँ मिटेंगी, रिश्ते और गहरे होंगे। मगर हकीकत क्या है? दिलों के बीच ऐसी खाइयाँ बन गई हैं, जिन्हें पाटना अब किसी पहाड़ को हिलाने जितना मुश्किल लगता है। यह कैसा विकास है, जो हमें आगे ले जाने के बजाय पीछे की ओर धकेल रहा है—अकेलेपन की उस गहरी खाई में, जहाँ से निकलने का रास्ता ढूंढना हर दिन भारी पड़ता जा रहा है? कभी घर वह पवित्र ठिकाना हुआ करता था, जहाँ शामें हंसी-खुशी से गूंजती थीं। माता-पिता बच्चों के साथ बैठकर दिनभर की बातें करते थे, दादा-दादी अपनी पुरानी कहानियों से सबको जोड़ते थे, और हर पल एक याद बनकर मन में बस जाता था। लेकिन अब वह सुकून कहाँ? माता-पिता अपने फोन में वीडियो देखने में मशगूल हैं, जैसे बच्चों की बातें अब उनके लिए बेमानी हो चुकी हों। बच्चे अपने माँ-बाप से कुछ साझा करने के बजाय किसी सोशल मीडिया स्टार की बनावटी ज़िंदगी को सच मान बैठते हैं। और बुजुर्ग? वे तो बस कोने में बैठे एक उम्मीद बनकर रह गए हैं—उम्मीद कि शायद कोई उनकी ओर देख ले, दो पल बात कर ले। मगर उनकी आवाज़ अब उस नोटिफिकेशन की चीख के आगे दब चुकी है, जो हर किसी के लिए ₹ज़रूरी₹ बन गया है। एक स्क्रॉल, एक वीडियो, एक मैसेज—यह सब उस स्नेह से कहीं ज़्यादा कीमती हो गया है, जो कभी परिवार की नींव हुआ करता था। सोशल मीडिया ने रिश्तों को जोड़ने का ढोंग तो बहुत किया, मगर सच यह है कि उसने उन्हें चुपचाप तोड़ डाला। इंस्टाग्राम पर हंसते-मुस्कुराते चेहरे दिखते हैं, मगर घर की चारदीवारी के भीतर सन्नाटा पसरा रहता है। वॉट्सऐप पर रिश्तेदारों को गुड मॉर्निंग और ₹हैप्पी बर्थडे₹ के मैसेज भेजे जाते हैं, मगर असल में उनके घर जाकर गले लगाने का वक्त किसी के पास नहीं। त्योहारों की वह रौनक, जो कभी आंगन में बच्चों की भागदौड़ और बड़ों की बातों से गूंजती थी, अब स्टेटस अपडेट और वर्चुअल इमोजी तक सिमटकर रह गई है। लोग अब अपनों के बीच कम और स्क्रीन के पीछे छिपे अनजानों के बीच ज़्यादा वक्त बिताते हैं। यह कैसी विडंबना है कि जिन रिश्तों को हम करीब से देख भी सकते हैं, उन्हें हम दूर की चमक में खो रहे हैं? बच्चों की दुनिया तो जैसे पूरी तरह उजड़ गई है। कभी वे गलियों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, मिट्टी में लथपथ होकर हंसते थे। उनकी आँखों में सपने थे, उनके कदमों में आज़ादी थी। मगर अब? अब वे कमरे की चारदीवारी में कैद हैं, स्क्रीन पर उंगलियाँ घुमाते हुए। माता-पिता इसे ₹सुरक्षा₹ का नाम देते हैं। वे खुश हैं कि उनका बच्चा बाहर की बुरी संगत से बचा हुआ है। मगर वे यह नहीं देखते कि यह आभासी दुनिया उनकी असल ज़िंदगी को निगल रही है। उनकी आँखें कमज़ोर हो रही हैं, मोटे चश्मे उनकी मासूमियत पर भारी पड़ रहे हैं। उनकी कल्पनाशक्ति, उनकी सामाजिकता, उनका बचपन—यह सब उस नीली रोशनी में जलकर खाक हो रहा है। क्या यही सुरक्षित भविष्य है, जो हम उन्हें दे रहे हैं?युवाओं के लिए मोबाइल एक और भी गहरा जाल बन गया है। दिन-रात सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करना, लाइक्स और कमेंट्स की चमक में अपनी कीमत तौलना, एक बनावटी पहचान को सच मान लेना—यह सब उन्हें भीतर से खोखला कर रहा है। वे हर पल इस दबाव में जीते हैं कि उनकी तस्वीर को कितने लोग पसंद करेंगे, उनके वीडियो को कितने व्यूज मिलेंगे। इस चक्कर में वे अपनी असल ताकत, अपनी असल खूबसूरती को भूलते जा रहे हैं। डिप्रेशन, एंग्जायटी, आत्मसम्मान की कमी, असल ज़िंदगी में बात करने की हिम्मत का खत्म होना—यह सब उस आभासी दुनिया की देन है, जिसे वे अपना सब कुछ मान बैठते हैं। क्या यह तरक्की है कि हमारी नई पीढ़ी स्क्रीन के पीछे अपनी पहचान ढूंढ रही है, जबकि असल दुनिया में वह खोती जा रही है? और बुजुर्ग—उनका क्या? वे तो इस तकनीकी तूफान में पूरी तरह पीछे छूट गए हैं। कभी वे घर के सबसे सम्मानित सदस्य हुआ करते थे। उनकी बातें सुनी जाती थीं, उनके अनुभवों से सीखा जाता था, उनके स्नेह में पूरा परिवार बंधा रहता था। मगर अब वे बस पुराने ख्यालों वाले कहलाते हैं।

हास्य हृदय के अजब किस्से

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वो अजब शहर था, जहाँ हंसी में दर्द छुपा और हर चेहरे पर एक अनकही कहानी झलकती थी। यहाँ की गलियाँ उस समय की गूंज सुनाती थीं, जब असली सच्चाई को पर्दे में छुपा कर दिखाया जाता था, और पर्दे के पीछे लोगों की आँखों में आंसुओं के साथ मुस्कान भी झलकती थी। "क्या सच है, क्या फसाना?" – यही सवाल हर मोड़ पर गूंजता था, जब शहर के किसी भी मोड़ पर एक नई चाल चल दी जाती थी। उस शहर के बाजार में, जहाँ दुकानदार अपने माल के साथ साथ अपने दर्द का भी प्रचार करते थे, एक बूढ़ा कबूतर अपनी आखिरी उड़ान भर रहा था। उसकी आवाज़ में सटीकता और कटाक्ष दोनों का मिश्रण था – "मेरे पंख तो टूट गए, पर मेरा हौसला अभी तक सलामत है!" पंच लाइन की तरह उसका यह संवाद सबको चौंका देता था। इस शहर में, जहाँ हर एक इमारत एक इतिहास कहती थी और हर दीवार पर अनसुने किस्से लिखे थे, लोगों के दिलों में वह पुराना दर्द नाचता रहता था। दुकानों के बाहर लगे बड़े-बड़े पोस्टर, फिल्मों के डायलॉग की तरह, कुछ हंसी के साथ कुछ आंसुओं की भी कहानी सुनाते थे – "जब भी दिल टूटे, तो उस दर्द को हँसी में बदल दो।" हर मोड़ पर फिल्मी संवादों की तरह कटाक्ष बिखरे रहते थे, जो न केवल हृदयस्पर्शी थे बल्कि व्यंग्यात्मक भी थे। यहाँ के लोग, जो अपने अंदर के दर्द को छुपाकर जी रहे थे, एक दूसरे को बिना शब्दों के समझ लेते थे। "कभी-कभी तो दिल की आवाज़ भी म्यूट हो जाती है, पर उसका इम्पैक्ट सुनाई देता है," एक बूढ़े बुजुर्ग का कथन था, जिसे सुनकर हर कोई रुककर सोच में पड़ जाता था। इस शहर की कहानी में, जहाँ सब कुछ व्यंग्यात्मक था, हर घटना एक नई पंच लाइन के साथ सामने आती थी। "मगर क्या करें, यहाँ के दर्द भी तो फैशन में हैं!" यह जिक्र करते हुए एक युवा ने चुटकी ली, जिससे हंसी के साथ-साथ गहरी व्यथा भी व्यक्त हुई। वैसे तो शहर के हर कोने में एक कहानी थी, लेकिन ये कहानी कुछ और ही थी – दर्द में भी हंसी, और हंसी में भी दर्द।

हर इक पल में वक्त ने अपनी अनकही दास्तां लिख दी थी, और ये दास्ताँ आज भी उन गलियों में गूंजती है, जहाँ हर धुन एक नए व्यंग्य का आरंभ करती है, और हर आंसू एक पंच लाइन की तरह टपकता है। पंच लाइनः "जिन्हें दर्द नहीं होता, वे हँसते क्यों नहीं?" पंच लाइनः "जहाँ हंसी में भी दर्द छुपा हो, वहाँ हर पल फिल्मी होता है!"वो शाम थी जब शहर की पुरानी हवेली के सामने एक ताजी हवा के झोंके में सब कुछ बदलने लगा। हवेली की दीवारों पर उकेरी कहानियाँ अब नए सिरे से लिखी जा रही थीं, जैसे पुराने जमाने के चित्रकार अपनी तूलिका से नई दुनिया रचते हों। "ये हवेली, ये सड़कों के काले पानी में भी एक चमक ढूंढ़ निकालेगी," एक छोटी बच्ची ने मासूमियत से कहा, जैसे उसकी हर बात में गहरी सच्चाई और कटाक्ष छिपा हो। हर मोड़ पर, किसी न किसी की आवाज़ में एक अलग ही तड़का था – "दुनिया बदल रही है, पर इंसान वही पुराने खेल खेलते हैं।"

होलिका दहन पूजा

होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन किया जाता है। इस साल होलिका दहन की तिथि 13 मार्च है। होलिका दहन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो यह गुरुवार रात 11.26 बजे से देर रात 12.30 बजे तक है। इस दौरान होलिका दहन करें। होलिका दहन का त्योहार बुराई की अच्छाई पर जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। होलिका दहन के दौरान घर में सुख-संपत्ति की कामना की जाती है। मान्यता है कि होलिका दहन से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसलिए पूरे श्रद्धा भाव से होलिका दहन किया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि इस दौरान भद्रा नहीं होनी चाहिए।

होलिका दहन की पूजन विधि

होलिका दहन के दिन सुबह जल्दी उठकर नहा धो लें। व्रत का संकल्प लेने के बाद होलिका दहन की तैयारी करें। जिस जगह पर होलिका दहन करना हो, उस जगह को साफ कर लें। यहां होलिका दहन की सारी सामग्री इकट्ठा कर लें। इसके बाद होलिका और प्रह्लाद की प्रतिमा बनाकर भगवान नरसिंह की पूजा करें। शुभ मुहूर्त के दौरान होलिका की पूजा करें और उसमें अग्नि दें।

इसके बाद परिवार के साथ होलिका की तीन बार परिक्रमा कर लें। फिर नरसिंह भगवान से प्रार्थना करते हुए होलिका की आग में गेहूं, चने की बालियां, जौ, गोबर के उपले आदि डालें। इसके बाद होलिका की आग में गुलाल और जल चढ़ाएं।

होलिका की आग शांत होने के बाद उसकी राख को घर ले जाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अगर आपके घर में वास्तु दोष है तो होलिका की राख को दक्षिण पूर्व दिशा (आग्नेय कोण) में रखें। इससे घर का वास्तु दोष दूर होता है। होलिका दहन की ज्वाला देखने के बाद ही भोजन करें।

होलिका दहन के दिन क्या करें?

होलिका दहन के दिन बच्चों को लकड़ी की तलवार बनाकर दें। उन्हें दिनभर हंसने और खेलने दें। उन्हें उत्साही सैनिक बनाएं, ताकि वे साहसी बन सकें। होलिका दहन के दिन बच्चों को अलग-अलग प्रकार के पकवान खिलाएं। उन्हें पूड़ी, खीर, मालपुआ, हलवा और कचौड़ी आदि खाने के लिए दें। इससे पूरे साल घर में सुख, शांति और समृद्धि होती है। होलिका दहन के दिन हनुमानजी की पूजा करने का महत्व बताया गया है। इससे साल भर शुभ परिणाम मिलते हैं। इसके अलावा आज पूरे परिवार के साथ चंद्रमा के दर्शन करने चाहिए। मान्यता है कि इससे अकाल मृत्यु का भय दूर होता है।

होलिका दहन के मंत्र

होलिका दहन के दौरान मंत्र जाप किया जाता है। हालांकि यह अलग-अलग स्थानों और पूजा पद्धतियों में अलग हो सकता है, लेकिन होलिका पूजन के दौरान इस मंत्र का जप सकते हैं:

अहकूटा भयत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः, अतस्त्वां पूजयिष्यामि भूति-भूति प्रदायिनीम।

इसी तरह होली की भस्म अपने शरीर पर लगाने के दौरान नीचे दिए गए मंत्र का उच्चारण किया जा सकता है:

वंदितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि मां देवी! भूति भूतिप्रदा भव।।

होलिका दहन का महत्व

आदिकाल में हिरण्यकश्यप नामक राक्षस के घर पर प्रह्लाद का जन्म हुआ था। प्रह्लाद भगवान विष्णु के भक्त थे, जबकि हिरण्यकश्यप खुद को ईश्वर से भी बढ़कर समझता था। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विष्णु भक्ति के मार्ग से हटाने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। हिरण्यकश्यप ने आगबबूला होकर प्रह्लाद को मारने की भी कोशिशें की, लेकिन वह इसमें भी कामयाब नहीं हो सका। इसके बाद उसने अपनी बह होलिका को मदद के लिए बुलाया। होलिका को शिवजी से वरदान मिला था कि उसे अग्नि नहीं जला सकती है। इसके बाद योजना बनाई गई कि प्रह्लाद को होलिका की गोद में बैठाकर आग में जला दिया जाएगा। इसके बाद होलिका प्रह्लाद को लेकर चिता में बैठ गई, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से होलिका जल गई और प्रह्लाद सही सलामत बच गया। इसके बाद से होलिका दहन किया जाता है।

होली पर कर लें तुलसी से जुड़े ये अचूक उपाय कभी खाली नहीं होगी तिजोरी, होगी धनवर्षा!

होली का पर्व सनातन धर्म में बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। यह न केवल रंगों और उमंग का त्योहार है, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से भी इसका विशेष महत्व है। इस वर्ष होली 14 मार्च 2025 को मनाई जाएगी, जबकि होलिका दहन 13 मार्च को होगा। मान्यता है कि होली के दिन कुछ विशेष उपाय करने से जीवन में धन-समृद्धि बनी रहती है और व्यक्ति को कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। खासकर तुलसी से जुड़े कुछ उपाय करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और तिजोरी कभी खाली नहीं होती।

तुलसी का महत्व और विशेष उपाय:

होली सिर्फ रंगों का त्योहार ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिन तुलसी से जुड़े उपाय अपनाने से न सिर्फ आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

यदि आप लंबे समय से आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो इस होली पर तुलसी के इन आसान उपायों को अपनाकर मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करें और अपने जीवन में खुशहाली लाएं। तुलसी को हिंदू धर्म में बहुत ही पवित्र और शुभ माना जाता है।

इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप कहा जाता है। तुलसी की पूजा करने और इसके विशेष उपाय अपनाने से जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है और धन-वैभव का आगमन होता है। होली के दिन तुलसी से जुड़े कुछ आसान उपाय किए जाएं तो व्यक्ति की आर्थिक परेशानियां दूर हो सकती हैं।

तुलसी की मंजरी का उपाय:

होली के दिन सुबह स्नान कर तुलसी माता की पूजा करें और उनकी मंजरी (फूल) को लाल कपड़े में बांधकर अपने पर्स या तिजोरी में रखें। ऐसा करने से पूरे साल पैसों की कमी नहीं रहती और धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

तुलसी पत्र का दान:

होली के दिन तुलसी के पत्तों को गंगाजल में डालकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें। फिर इन पत्तों को किसी गरीब व्यक्ति को दान करें। यह उपाय धन प्राप्ति के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है।

तुलसी दीपक जलाना:

होली के दिन शाम को तुलसी के पास दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और घर में सुख-समृद्धि आती है। घी का दीपक जलाकर 'ॐ महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें, इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुलसी के पौधे में गुड़ और जल अर्पित करें:

इस दिन तुलसी माता को गुड़ और जल चढ़ाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में बरकत बनी रहती है। साथ ही पारिवारिक कलह समाप्त होती है और रिश्तों में मधुरता आती है।

तुलसी की जड़ का उपाय:

होली के दिन तुलसी की जड़ को लाल कपड़े में बांधकर अपने व्यवसाय स्थल या घर की तिजोरी में रखें। इससे व्यापार में बढ़ोतरी होती है और आर्थिक स्थिरता आती है।

तुलसी उपायों से मिलने वाले लाभ:

धन संबंधी समस्याएं समाप्त होती हैं और आय में वृद्धि होती है। मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, जिससे तिजोरी कभी खाली नहीं होती। घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। व्यापार और नौकरी में तरक्की के योग बनते हैं। नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में सकारात्मकता आती है।

घर की इस दिशा में किचन होने से बार-बार बीमार पड़ते हैं लोग

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के खाने के साथ भी एक ऊर्जा जुड़ी होती है। इस ऊर्जा का हमारे तन-मन पर प्रभाव पड़ता है। जैसे, वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आपके घर विशेषकर किचन में नकारात्मक ऊर्जा है, तो इसका प्रभाव आपके खाने पर भी पड़ता है।

किचन में वास्तु दोष होने से लोग बीमार पड़ने लगते हैं या फिर खाना खाने के बाद उनकी मनोस्थिति सही नहीं रहती।

वास्तु शास्त्र के अनुसार किस दिशा में होना चाहिए किचन

वास्तु शास्त्र के अनुसार आग्नेय कोण को रसोईघर के लिए सबसे शुभ माना जाता है। घर की पूर्व और दक्षिण दिशा के बीच के क्षेत्र को आग्नेय कोण कहते हैं। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी हुई है। आग्नेय कोण को अग्नि कोण भी कहा जाता है। अग्नि कोण के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। इस दिशा में रसोईघर होने से घर में सुख-समृद्धि तो बनी ही रहती है। साथ ही घर के लोग भी सेहतमंद रहते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार किस-किस दिशा में नहीं होना चाहिए किचन

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ दिशाओं को किचन बनाने के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। जैसे, उत्तर या ईशान कोण में बना किचन गंभीर रोग का कारण बन सकता है, इसलिए अपने घर में रसोईघर को भूलकर भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में न बनाएं। इसके अलावा पश्चिम दिशा को भी किचन बनाने के लिए सही नहीं माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप घर की पश्चिम दिशा में किचन बनाते हैं, तो इससे गृह क्लेश की संभावना बढ़ जाती है।

आपके रसोईघर अगर गलत दिशा में बन गया है, तो तोड़-फोड़ करने से अच्छा है कि आप किचन में कुछ ऐसे उपाय करें, जिससे कि किचन की ऊर्जा सकारात्मक बनी रह सके। इसके लिए सबसे पहले किचन में सुबह और शाम लोबान का धुआं फैलाएं। इसके अलावा किचन में उत्तर-पूर्व दिशा में सिंदूरी **गणेश जी की तस्वीर लगाएं।**

शुक्र ग्रह के लिए करें ये विशेष उपाय

शुक्र को अग्नि तत्व से जोड़कर देखा जाता है इसलिए शुक्र के लिए आपको शुक्रवार के दिन चावल, खीर या नारियल के लड्डू बनाने चाहिए। शुक्र के लिए रसोईघर में अग्नि तत्व से जुड़ी कोई फोटो भी लगाई जा सकती है।

जब द्रोपदी को लगी प्यास तो भीम ने चट्टान पर लात मार कर निकाला था पानी, आज भी उस जगह से निकलता है पानी!

हाइलाइट्स

भीम ने चट्टान पर लात मारकर कुंड बनाया था

विराटनगर में पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान शरण ली थी

यहां 12 मुख वाला शिवलिंग और भीम-हिडम्बा का मंदिर है

राजधानी जयपुर से 85 किलोमीटर दूर विराटनगर में महाभारत काल के दौरान पांडवों ने कुछ समय यहां पर बिताया था। अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने वेश बदलकर मत्स्य राजा विराट के साम्राज्य में शरण ली थी। यहां पर पांडव आए थे इसके सबूत आज भी यहां पर देखने को मिलते हैं। विराटनगर के पंच खंड पर्वत पर 12 मुख वाला 6 टन वजनी शिवलिंग भी मौजूद है।

इसके अलावा इस जगह पर भीम और उनकी पत्नी हिडम्बा का भी मंदिर मौजूद है। स्थानीय किंवदंती के अनुसार, अज्ञातवास के दौरान अपने अस्त्र पंचखंड पर्वत पर ही छिपाते थे। यहां पर विशालकाय भीम के पैरों के निशान भी बने हुए हैं।

द्रौपदी को परेशान किया तो भीम ने किया वध

स्थानीय किंवदंती के अनुसार के अनुसार जब पांडव अज्ञातवास के दौरान राजा विराट ने उनको शरण दी थी। वह यहां पर भेष बदल कर रहते थे। नगर के लोगों को भी नहीं पता था कि जो यहां पर रह रहे हैं वह पांडव है। ऐसे में राजा विराट जितने अच्छे थे उतना ही खराब उनका साला कीचक था।

उसकी गंदी नजर द्रौपदी पर थी। वह अक्सर उसे परेशान किया करता था। जिसकी जानकारी उसने पांडवों को दी इस पर भीम को बहुत अधिक गुस्सा आया तो, भीम ने कीचक के वध करने की एक रणनीति बनाई। जिसके तहत द्रौपदी ने कीचक को पंच खंड पर्वत पर बुलाया। जैसे ही कीचक वहां पर पहुंचा तो भीम ने उस पर हमला कर दिया कुछ देर युद्ध चलने के बाद भीम ने कीचक का वध कर दिया।

द्रोपदी को लगी प्यास तो भीम ने लात मार कर बना दिया कुंड

इसके अलावा इस जगह से जुड़ी एक और किंवदंती है, बताया जाता है कि जब पांडव और द्रौपदी पर्वत पर रह रहे थे तब द्रोपती को अचानक प्यास लगी आसपास पानी नहीं मिला तो भीम ने चट्टान पर लात मार कर कुंड बना दिया। यह कुंड आज भी मौजूद है। बताया जाता है कि यह कुंड आज तक कभी सूखा नहीं है। अभी तक इसकी गहराई का अनुमान भी नहीं लगाया जा सका है।

संत यहां आकर करते है तपस्या

पंचकंद पर्वत पर स्थित 12 मुखी शिव मंदिर के स्वामी सोमेंद्र महाराज बताते हैं कि यहां अभी भी संत और अघोरी आकर तपस्या करते हैं। समय समय पर यहां कई धार्मिक आयोजन भी होते हैं। इस पर्वत पर शिवरात्रि पर यहां विशेष आयोजन होते हैं। इस ऐतिहासिक जगह को देखने के लिए अनेकों पर्यटक भी आते हैं।

होलाष्टक पर कर लें ये उपाय, जीवनभर के लिए दूर हो जाएगी आर्थिक तंगी, शनि दोष से भी मिलेगी मुक्ति!

होलाष्टक एक विशेष अवधि होती है, जिसका हिंदू धर्म में बहुत अधिक महत्व है। यह होली से पहले आठ दिनों तक चलता है और इस दौरान कोई भी शुभ कार्य करने की मनाही होती है। लेकिन इस समय पूजा-पाठ, दान और उपाय करना बेहद लाभकारी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति इस अवधि में कुछ विशेष उपाय करता है, तो वह आर्थिक तंगी से छुटकारा पा सकता है और शनि दोष के प्रभाव को भी कम कर सकता है।

होलाष्टक एक ऐसा समय होता है, जब ग्रहों की स्थिति और ऊर्जा विशेष रूप से प्रभावित होती है। इस दौरान कोई नया कार्य शुरू करना वर्जित होता है लेकिन पूजा-पाठ और दान करने से जीवन में शुभता आती है। जो लोग आर्थिक तंगी से परेशान हैं, वे मां लक्ष्मी की आराधना करें।

जिनकी कुंडली में शनि दोष है, वे शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए विशेष उपाय करें। इन छोटे-छोटे उपायों को अपनाकर जीवन की कई परेशानियों से मुक्ति पाई जा सकती है और सुख-समृद्धि भी पायी जा सकती है। होलाष्टक फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से शुरू होता है और होलिका दहन तक चलता है। इस साल यह 7 मार्च से शुरू हुआ है।

आर्थिक तंगी दूर करने के उपाय

अगर कोई व्यक्ति धन संबंधी परेशानियों से जूझ रहा है, तो होलाष्टक के दौरान मां लक्ष्मी की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है। खासतौर पर उन्हें कमल के फूल और इत्र चढ़ाने से धन संबंधी कष्ट दूर होते हैं। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हर दिन दीपक जलाना और 'श्री सूक्त' का पाठ करना भी लाभकारी होता है। इसके अलावा, जरूरतमंदों को भोजन दान करने से भी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

शनि दोष से मुक्ति के लिए उपाय

जिन लोगों की कुंडली में शनि दोष है, उनके लिए होलाष्टक का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान शनिदेव की विशेष पूजा करने से उनकी कृपा मिलती है और जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। शनिदेव को काले तिल, लोहे का सामान, काली उड़द की दाल और सरसों का तेल चढ़ाने से कुंडली में शनि दोष का प्रभाव कम होता है। इसके अलावा, शनि मंत्र "ॐ शं शनैश्चराय नमः" का रोज़ जाप करने से भी लाभ मिलता है।

दान और सेवा का महत्व

होलाष्टक के दौरान दान और सेवा का विशेष महत्व है। इस समय जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करने से जीवन में शुभता आती है। इसके अलावा, किसी गरीब व्यक्ति को जूते-चप्पल दान करना भी शनिदेव की कृपा प्राप्त करने का एक अच्छा उपाय माना जाता है। इस अवधि में गौ सेवा, पीपल वृक्ष की पूजा और गरीबों को भोजन कराने से भी विशेष लाभ मिलता है।

होलिका दहन में क्या-क्या चढ़ाएं

नारियल अर्पण का महत्व

नारियल को हिंदू धर्म में शुभ और पवित्र माना जाता है। यह समृद्धि, शुद्धता और उन्नति का प्रतीक होता है। जब इसे होलिका दहन की अग्नि में चढ़ाया जाता है, तो यह हमारे अंदर की नकारात्मकता और बुरी शक्तियों को दूर कर सफलता के मार्ग को प्रशस्त करता है।

पान अर्पण का महत्व

पान का प्रयोग शुभ कार्यों में किया जाता है। यह मां लक्ष्मी और भगवान गणेश को प्रसन्न करने का एक माध्यम माना जाता है। होलिका दहन की अग्नि में पान चढ़ाने से देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक समृद्धि में वृद्धि होती है।

सुपारी अर्पण का महत्व

सुपारी को भगवान गणेश का प्रतीक माना जाता है। इसे अग्नि में अर्पित करने से सभी प्रकार की बाधाएं समाप्त होती हैं और व्यक्ति को अपने कार्यों में सफलता मिलती है। यह न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी व्यक्ति को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प प्रदान करता है।

कैसे करें ये उपाय

होलिका दहन से पहले स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। मन में सफलता प्राप्ति के लिए संकल्प लें। अग्नि जलने के बाद, होलिका की तीन या सात बार परिक्रमा करें और प्रत्येक परिक्रमा के साथ अपनी इच्छाओं को प्रकट करें। पहले नारियल, फिर पान और अंत में सुपारी अग्नि में अर्पित करें और भगवान से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करें।

उपाय से मिलने वाले लाभ

नकारात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों का नाश होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है और मानसिक शांति मिलती है। आर्थिक और व्यावसायिक सफलता प्राप्त होती है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। करियर और शिक्षा में प्रगति होती है।

'सिकंदर' का नये गाने 'बम बम भोले' में रश्मिका-काजल के साथ होली के रंगों में डूबे सलमान खान

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। ऐसे में अब दर्शकों को बेसब्री से फिल्म का इंतजार है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसमें सलमान खान का धांसू अंदाज देखने को मिला। साथ ही फिल्म का पहला गाना 'जोहरा जबीं' रिलीज हो चुका है। वहीं, आज इसका दूसरा गाना भी जारी कर दिया गया है।

सलमान खान और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'सिकंदर' का नया गाना 'बम बम भोले' रिलीज हो गया है। यह गाना जश्न के सभी पलों को बयां करता है। इसमें रैप और डांस के साथ-साथ शानदार विजुअल्स भी हैं, जो रंगों के इस त्यौहार पर फैंस को उत्साहित कर देगा। यह होली स्पेशल गाना है, जिसका लुत्फ फैंस इस साल होली पर भी जमकर उठा सकते हैं।

सलमान खान को होली के गाने में देखना मजेदार ट्रीट है। निर्माता साजिद नाडियाडवाला की ओर से यह दर्शकों के लिए एक शानदार तोहफा है। यह गाना रंगों की बौछार है, जिसमें प्रीतम का जोशीला और शानदार संगीत है। साथ ही शान, देव नेगी और अंतरा मित्रा की आवाजें भी लोगों को थिरकने पर मजबूर कर देगी। शेखस्पीयर, वाई-ऐश और हुसैन (बॉम्बे लोकल) द्वारा लिखित और प्रस्तुत रैप है। इस ट्रैक को किड रैपर भीमराव जोगू, सरफराज शेख और फैजल अंसारी (द धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट) के साथ मिलकर बनाया गया है।

इससे पहले 'जोहरा जबीं' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। अब देखना यह होगा कि 'बम बम भोले' को कितना प्यार मिलेगा। बेहतरीन बीट्स और हाई-एनर्जी वाइब्स से भरपूर इस गाने में सलमान खान के मजेदार सीक्वेंस और इलेक्ट्रिफाइंग डांस मूव्स हैं, जिनके साथ रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी हैं। 'सिकंदर' का यह होली स्पेशल गाना इस बार होली के जश्न में खूब रंग भर देगा। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर सिनेमाघरों में आने वाली है।

इंडस्ट्री में 20 साल पूरे होने पर इम्तिआज अली ने रखी अपनी राय, आलिया पर भी बोले

निर्देशक इम्तिआज अली ने 'सोचा न था' (2005) फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। इस साल इम्तिआज अली ने सिनेमा में 20 साल पूरे कर लिए हैं। उनका ये सफर बहुत शानदार रहा। अपने इस सफर में उन्होने 'जब वी मेट', 'हाइवे' और 'रॉकस्टार' जैसी फिल्में निर्देशित कीं।

जमीन पर सबसे ज्यादा किस्मतवाला इंसान हूं

इम्तिआज अली के हवाले से हिंदुस्तान टाइम्स ने लिखा है 'यह सपने में दौड़ने जैसा है। मैंने यहां पहुंचने की कभी उम्मीद नहीं की थी। मैं अब भी भरोसा नहीं कर पा रहा हूं कि मैं यहां हूं। मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूं और इसके लिए मुझे पैसे मिल रहे हैं। मैं जमीन पर सबसे ज्यादा किस्मतवाला इंसान हूं। क्योंकि मुझे फिल्म इंडस्ट्री में दूसरे लोगों से समर्थन मिला है।'

इस तरह से 'हाइवे' में आलिया को लिया गया

यह दिलचस्प है कि इम्तिआज अली की 'हाइवे' 7 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और आलिया भट्ट हैं। इस पर बात करते हुए इम्तिआज अली ने कहा कि हाइवे में आलिया भट्ट की जगह पर किसी अनुभवी अभिनेत्री को लेने वाला था। लेकिन जब उनसे मिला तो मुझे लगा कि आलिया में इसे करने की काबिलियत है और उन्होंने इसे मजेदार तरीके से किया। मुझे एक ऐसा शख्स मिल रहा था जिसके पास भावनात्मक गहराई है और वह बहुत युवा है। इस तरह कास्टिंग का काम हुआ।

हर किसी ने दिया इम्तिआज अली का साथ

उनके मुताबिक हर कोई उत्साहित था। मैं पहले से ही 'तमाशा' बना रहा था। हालांकि रणबीर कपूर ने मुझसे कहा कि मैं तमाशा से पहले हाइवे बनाउं, क्योंकि मुझे बीच में वक्त मिला था। साजिद नाडियाडवाला जो इस फिल्म के निर्माता हैं उन्होंने भी हमें उत्साहित किया। हर किसी को इस कहानी से लगाव था, हालांकि ये थोड़ी अलग थी। इम्तिआज अली की सबसे आखिरी फिल्म 'अमर सिंह चमलिका' थी। इसमें प्रणति चोपड़ा और दिलजीत दोसांझ हैं। फिल्म को अच्छी कामयाबी मिली है।

विजय पर लगा चेन्नई में आयोजित इफ्तार पार्टी में मुसलमानों का अपमान करने का आरोप

अभिनेता पर केस दर्ज

साउथ सुपरस्टार विजय ने हाल ही में चेन्नई के रॉयपेटा में वाईएमसीए मैदान में एक भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया, जिसे उनके प्रशंसकों ने खूब सराहा। हालांकि, यह आयोजन अब विवाद का केंद्र बन गया है, क्योंकि तमिलनाडु सुन्नत जमात द्वारा अभिनेता के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

विजय पर लगे गंभीर आरोप

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिलनाडु सुन्नत जमात के कोषाध्यक्ष सैयद कौस ने आरोप लगाया है कि इस आयोजन ने मुस्लिम समुदाय की भावनाओं का अनादर किया है। उन्होंने दावा किया कि यह आयोजन खराब तरीके से आयोजित किया गया था और इफ्तार की सच्ची भावना को बनाए रखने में विफल रहा।

सुरक्षाकर्मियों पर भी लगे आरोप

सैयद कौस ने कहा कि ऐसे लोग भी इस समारोह में मौजूद थे, जिनका रोजा या इफ्तार के धार्मिक महत्व से कोई संबंध नहीं था, जिससे यह कार्यक्रम समुदाय का अपमान बन गया। उन्होंने कार्यक्रम में सुरक्षा उपायों की भी आलोचना की, आरोप लगाया कि विजय के विदेशी सुरक्षाकर्मियों ने उपस्थित लोगों के साथ अपमानजनक और गाय जैसा व्यवहार किया।

मुसलमानों के अपमान का आरोप

उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'विजय द्वारा आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में मुसलमानों का अपमान किया गया। हमारा मानना है कि शराबियों और उपद्रवियों की भागीदारी, जिनका उपवास या इफ्तार से कोई लेना-देना नहीं था, उन्होंने मुसलमानों का अपमान किया है।' कोषाध्यक्ष ने अधिकारियों से अभिनेता राजनेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है और इस बात पर जोर दिया है कि शिकायत प्रचार के लिए नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दर्ज की गई है।

विजय ने अदा की थी नमाज

हालांकि, अभिनेता ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 8 मार्च को साउथ सुपरस्टार ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान एक इफ्तार पार्टी होस्ट की थी। उन्हें सिर पर टोपी पहने और शाम की नमाज अदा करते हुए देखा गया था, जबकि रोजा रखने वाले लोग अपना रोजा खोल रहे थे। विजय की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गए। तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) के संस्थापक और प्रमुख विजय को सफेद रंग की पोशाक और सिर पर टोपी पहने देखा गया, जब वे अपने मुस्लिम भाइयों के साथ इफ्तारी में शामिल हुए।

'हमें अलग होना है 25 लाख चाहिए', शादी के 6 महीने में ही पति से अलग होंगी टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा?

टीवी सीरियल 'अपोलिना' फेम एक्ट्रेस अदिति शर्मा अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। उनकी पर्सनल लाइफ में भूचाल आ गया है। उन पर एक्टर अभिनीत कौशिक ने चोरी से शादी फिर तलाक का आरोप लगाया है। अभिनीत का आरोप है कि एक्ट्रेस ने उनसे करीब 6 महीने पहले सीक्रेट तरीक से शादी रचाई थी लेकिन, अब वो तलाक लेने जा रही हैं। साथ ही अभिनीत ने ये भी आरोप लगाया है कि एक्ट्रेस का को-एक्टर के साथ अफेयर था। इस बात की जानकारी अभिनीत ने खुद अपने वकील राकेश शेट्टी को दी है।

एक रिपोर्ट की मानें तो अदिति और अभीनीत 12 नवंबर, 2024 को शादी के बंधन में बंधे थे। इनकी शादी गोरेगांव स्थित घर में हुई थी। इस रिपोर्ट में अभिनीत के हवाले से कहा जा रहा है कि अदिति ने अपनी शादी की खबरों को बाहर इसलिए नहीं आने दिया क्योंकि उनको अपने करियर की चिंता थी। अभिनीत ने अपने कानूनी सलाहकार राकेश से बताया कि अदिति पिछले डेढ़ साल से उनसे शादी करने के लिए कह रही थीं लेकिन, वो तैयार नहीं थे। जब अभिनेत्री ने मनाया तो जाकर वो माने। अभिनीत ने दावा किया कि अदिति ने उनसे कहा कि इस शादी के बारे में किसी को पता ना चल पाए क्योंकि इंडस्ट्री में शादी एक टैबू है।

शादी से पहले लिव इन में रहते थे अभिनीत और अदिति

इसके साथ ही अभिनीत के वकील राकेश ने बताया कि शादी से पहले अभिनीत और अदिति लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। 6 महीने पहले ही दोनों ने 5 बीएचके फ्लैट किराए पर लिया था और नवंबर में शादी के बंधन में बंध गए थे। दोनों के रिश्ते तब बिगड़ने लगे थे जब अभिनीत को अदिति पर शक हुआ और फिर सवाल जवाब किए।

अभिनीत ने अदिति को रंगे हाथ पकड़ा

राकेश शेट्टी ने बताया कि अदिति ने हाल ही में अपने नए शो 'अपोलिना' की शूटिंग शुरू की थी। शो की प्रोड्यूसर करिश्मा को भी पता था कि अदिति शादिशुदा हैं। फिर एक दिन अभिनीत ने अदिति को उनके को-एक्टर समर्थ्य के साथ पकड़ लिया। इस पर जब अभिनीत ने उनसे सफाई मांगी तो एक्ट्रेस ने इस शादी पर ही सवाल उठा दिए। राकेश की मानें तो अदिति ने कहा कि अभिनीत से शादी करना बस एक मॉक ट्रायल था। उनकी शादी लीगल नहीं है। इसके बाद मामला काफी बिगड़ गया और अभिनीत को पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

अदिति के परिवार ने मांग 25 लाख

इसके साथ ही वकील ने दावा किया कि अदिति के परिवार ने सेटलमेंट के लिए 25 लाख मांगे। वो तलाक चाहते हैं। इतना ही नहीं, राकेश शेट्टी ने ये भी दावा किया कि अभिनीत को एक्ट्रेस के पिता ने मारपीट भी की। उन्होंने एक्टर को थप्पड़ मारा और इस हाथापाई में अदिति को चोट भी आई। हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर एक्ट्रेस अदिति की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।बहरहाल, अगर अदिति के प्रोफेशनल फ्रंट की बात की जाए तो वो 'अपोलिना' में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने करियर में 'कलीरें', 'ये जादू है जिन का' और 'रब से है दुआ' जैसे टीवी शोज में काम किया है।

क्या बिजनेसमैन कोठारी को डेट कर रहीं शनाया कपूर?

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। आगामी फिल्म के सात वह अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। सोशल मीडिया के दावों की मानें तो शनाया मुंबई के एक बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं।

इस बिजनेसमैन को डेट करने की अटकलें

दावों के मुताबिक शनाया इन दिनों करण कोठारी को डेट कर रही हैं। दोनों की मुलाकात लॉस एंजिल्स में पढ़ाई के दौरान हुई थी। उस समय करण अपनी एक स्टार्टअप कंपनी चलाते थे। इन अफवाहों को तब और जोर मिला, जब दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव की छुट्टियों से एक जैसी अंडरवॉटर तस्वीरें साझा कीं। इससे लोगों के अटकलें लगाना का सिलसिला और भी ज्यादा बढ़ गया।

कौन हैं करण कोठारी?

करण एक बड़े बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता अविनाश कोठारी 'कोठारी

फाइन ज्वेल्स' नाम की मशहूर ज्वेलरी कंपनी के मालिक हैं। खास बात यह है कि शनाया पहले इस ब्रांड के लिए मॉडलिंग कर चुकी हैं। इससे पता चलता है कि दोनों परिवारों के बीच पहले से अच्छे रिश्ते हैं। करण भले ही लाइमलाइट से दूर रहते हों, लेकिन उन्हें कई बॉलीवुड इवेंट्स में शनाया के साथ देखा गया है।

आरजे महविश संग वायरल हुई युजवेंद्र चहल की तस्वीर तो धनश्री ने साधा निशाना?

कहा 'औरतों को ब्लेम करने का फैशन'

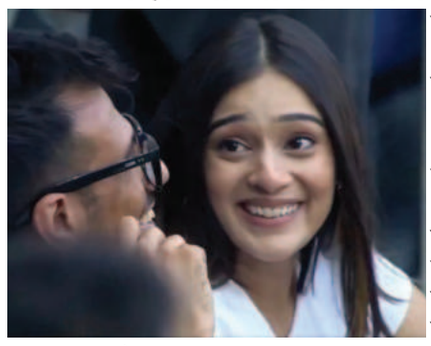

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री और युजवेंद्र चहल कुछ दिनों से अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। दोनों की अलग होने की खबरें मीडिया में खूब छाई रही हैं। दोनों शादी के पांच साल बाद अलग हो गए हैं। तलाक की खबरों के बाद धनश्री को लोगों ने काफी ट्रोल किया कि उन्होंने नेम और फेम पाने के लिए केवल युजवेंद्र का इस्तेमाल किया। जब वो लाइमलाइट में आ गईं तो उन्होंने उन्हें छोड़ दिया। हालांकि, उस समय उन्होंने इन आरोपों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। लेकिन, अब जैसे ही युजवेंद्र की एक लड़की के साथ फोटो वायरल हुई तो इसी के बीच धनश्री ने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की, जिसे युजवेंद्र से जोड़ा जा रहा है।

दरअसल, रविवार को दुबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच खेला गया, जिसमें इंडिया ने जीत दर्ज की। इसी बीच जहां जीत का जश्न मन रहा था वहीं, युजवेंद्र चहल को आरजे महविश के साथ स्पॉट किया गया। दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इनकी तस्वीर सामने आने के बाद लोगों के बीच खलबली मच गई। लोग आरजे को युजवेंद्र की रूमर्ड गर्लफ्रेंड बताने लगे। अब इसी बीच धनश्री ने भी मौका हाथ से जाने नहीं दिया। उन्होंने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर दी।

धनश्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अंग्रेजी में लिखे एक कोटेशन को शेयर किया है। इस कोट में लिखा है, 'औरतों को ब्लेम करना हमेशा से एक फैशन रहा है।' अब धनश्री की पोस्ट और यजुवेंद्र की वायरल फोटो को साथ में जोड़ा जा रहा है। लोगों का मानना है कि धनश्री ने यजुवेंद्र

पर निशाना साधा है और अपने बिगड़े रिश्ते के लिए इशारों-इशारों में क्रिकेटर को जिम्मेदार ठहराया है। लोगों का मानना है कि धनश्री ने अपनी इस पोस्ट से साफ किया है कि सारी गलती उनकी नहीं है।

कौन हैं आरजे महवश?

बहरहाल, अगर आरजे महवश के बारे में बात की जाए तो वो उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। महवश ने अपने करियर की शुरुआत बतौर रेडियो जॉकी की और रेडियो मिर्ची 98.3 रेड एफएम का हिस्सा भी रहीं। उनकी खूबसूरत आवाज की वजह से वो जल्द ही रेडियो की दुनिया में पॉपलुर हो गईं। उनके आज सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं। वो जल्द ही एक अमेज़न मिनी शो में भी नजर आने वाली हैं।

बिग बॉस ओटीटी विनर सना मकबूल लीवर की ऑटोइम्यून बीमारी से लड़ रही हैं जंग, लेना पड़ता है स्टेरॉयड

टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और बिग बॉस ओटीटी 3 की विजेता सना मकबूल ने हाल ही में अपनी सेहत को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस नामक बीमारी से पीड़ित हैं, जो एक गंभीर लीवर से जुड़ी समस्या है। इस बीमारी में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) खुद ही लीवर पर हमला करती है, जिससे कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

2020 में सना को पता चली थी बीमारी

सना मकबूल ने बताया कि यह बीमारी उन्हें 2020 में हुई थी। शुरुआत में इसके कोई खास लक्षण नहीं थे, लेकिन धीरे-धीरे उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। जब जांच कराई गई, तो पता चला कि वे ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस की शिकार हो चुकी हैं। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए बताया, "मेरे शरीर की कोशिकाएं मेरे ही लीवर पर हमला कर रही हैं। कभी-कभी यह बीमारी लुपस जैसी होती है, जो किडनी को प्रभावित कर सकती है या गठिया का कारण बन सकती है। एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु को मायोसाइटिस नाम की मांसपेशियों से जुड़ी बीमारी है, जबकि मेरी समस्या लीवर से जुड़ी है।"

सना ने किया लाइफस्टाइल में बदलाव

सना मकबूल ने बताया कि इस बीमारी से लड़ने के लिए उन्हें कई दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। वे स्टेरॉयड और इम्यूनोसप्रेसेंट्स (रोग प्रतिरोधक क्षमता को दबाने वाली दवाइयां) लेती हैं। यह बीमारी पूरी तरह से ठीक हो पाएगी या नहीं, इस पर डॉक्टरों की राय स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा, "यह एक लाइफस्टाइल डिसऑर्डर है। खासकर ऑटोइम्यून से जुड़ी बीमारियों में लीवर की समस्या बहुत संवेदनशील होती है। मेरी तबीयत लगातार बदलती रहती है, कभी मैं ठीक महसूस करती हूं तो कभी बहुत कमजोर। मुझे नहीं पता कि यह पूरी तरह ठीक हो पाएगी या नहीं।"

विजेता बनने के बाद भी सना की मुश्किलें कम नहीं हुईं

बिग बॉस ओटीटी 3 जीतने के बाद सना मकबूल के करियर को एक नई दिशा मिली। लेकिन इसके बावजूद उनकी निजी जिंदगी में स्वास्थ्य को लेकर संघर्ष जारी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में वेगन डाइट अपनाई है, क्योंकि इससे उनकी सेहत पर सकारात्मक असर पड़ सकता है।

सोशल मीडिया पर गलत जानकारी से होती है परेशानी- सना

भारती सिंह के पॉडकास्ट में सना मकबूल ने यह भी बताया कि कैसे सोशल मीडिया पर हेल्थ से जुड़ी भ्रामक जानकारियां लोगों को भ्रमित कर सकती हैं। उन्होंने कहा, "सोशल मीडिया आपके दिमाग से खेलता है। वहाँ हर कोई अलग-अलग उपाय बताता है, जिससे यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि किस पर भरोसा करें और किस पर नहीं। कभी-कभी यह स्थिति मेरे लिए बहुत निराशाजनक हो जाती है।"

करियर पर पड़ा असर, लेकिन सना ने नहीं मानी हार

बीमारी के बावजूद सना मकबूल ने अपने करियर को रुकने नहीं दिया। बिग बॉस जीतने के बाद उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया। उन्होंने बिग बॉस 18 के विजेता करणवीर मेहरा के साथ एक म्यूजिक वीडियो किया था। हाल ही में, वे अपने सबसे अच्छे दोस्त नैज़ी (Naezy) के साथ 'भमाई' नामक म्यूजिक वीडियो में नजर आईं।

महिलाओं की इन आदतों से आकर्षित होते हैं पुरुष, कई तो हार बैठते हैं दिल

अदाओं का जिक्र हो तो महिलाओं का नाम आना लाजमी है। लेकिन इसी अदा पर फिदा हो जाने वाले पुरुषों का जिक्र भी जरूरी है। यह फिल्मी डायलॉग तो सुना ही होगा?

इसी अदा पर तो दिल हार बैठे हैं...

सवाल है कि आखिर किस अदा पर लोग फिदा हो जाते हैं? हर पुरुष की पसंद अलग-अलग हो सकती है लेकिन महिलाओं की कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो ज्यादातर पुरुषों को आकर्षित करती हैं। महिलाओं की ये आदतें सिर्फ बाहरी सुंदरता से नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, व्यवहार और सोच से जुड़ी होती हैं। बाहरी सुंदरता तो कुछ समय के लिए ही आकर्षित करती हैं लेकिन असली खूबसूरती स्वभाव, आत्मविश्वास और सोच में होती है। आइए जानते हैं महिलाओं की उन आदतों या अदाओं के बारे में जो ज्यादातर पुरुषों को इम्प्रेस करती हैं।

विनम्रता और सकारात्मकता

ऐसी महिलाएं जो दूसरों से अच्छा व्यवहार करती हैं,

मुस्कुराकर बात करती हैं और उनके व्यवहार में विनम्रता का भाव होता है, वह पुरुषों को काफी आकर्षित करती हैं। जीवन को लेकर महिलाओं का सकारात्मक नजरिया, मुश्किल समय में उनका पॉजिटिव अप्रोच और साफ दिल नारी का खूबसूरत गुण होता है, जो अधिकतर पुरुषों को इम्प्रेस करता है।

समझदारी और ज्ञान

सुना ही होगा लेकिन किसी पुरुष को इम्प्रेस करने के लिए सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि दिमाग और समझदारी भी बेहद मायने रखती है। पुरुष ऐसी महिलाओं को पसंद करते हैं जो अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करती हैं। समझदारी से चीजों को संभालती हैं और बुद्धि व विवेक का इस्तेमाल करती हैं। समझदारी से मुश्किलों का हल तलाशने वाली महिलाओं का पुरुष भी सम्मान करते हैं।

आत्मनिर्भरता और सेल्फ केयर

ऐसे महिलाएं जो अपने फैसले लेने में सक्षम हों, दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर निर्भर हों और जीवन को अपने तरीके से जीने में सक्षम हों, वह पुरुषों को पसंद आती हैं। आत्मनिर्भरता एक मजबूत व्यक्तित्व की निशानी है। इसके अलावा जो महिला खुद की केयर करना जानती है, उसे पुरुषों की केयर भी मिलती है। महंगे कपड़े पहनना, घंटों मेकअप करना सेल्फ केयर नहीं, बल्कि खुद को अच्छे से संवारना, फिट रहना और सेहत पर ध्यान देने वाली महिलाएं पुरुषों को इंप्रेस करती हैं।

सपोर्ट करने वाली महिला

पुरुष हमेशा ऐसी महिलाओं से आकर्षित होते हैं जो उन्हें प्रेरित करें। उनके सपनों को समझे और मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाए। दूसरों की मदद करने वाली महिला भी पुरुषों को पसंद होती हैं। दूसरों की केयर करने वाली , परिवार और दोस्तों के प्रति लगाव रखने वाली और जरूरत पर मदद करने वाली महिला हर किसी को प्रभावित करती हैं।

दूसरों की खुशी के लिए खुद से बेईमानी न करें अपने वजूद को बचाएं और अभी बदल लें ये आदतें

कई बार हम दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के चक्कर में खुद को ही भूल जाते हैं। उनकी पसंद-नापसंद के हिसाब से खुद को ढालने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में हम अपनी पहचान और आत्मसम्मान से समझौता कर बैठते हैं। सच तो ये है कि जो लोग आपसे सच में प्यार करते हैं, वे आपको आपके असली रूप में ही स्वीकार करेंगे। इसलिए, अपनी ये अनमोल आदतें कभी न छोड़ें, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

ईमानदारी

ईमानदारी वो गहना है, जो कभी फीका नहीं पड़ता। सच्चाई से बढ़कर कोई ताकत नहीं होती। अगर आप दूसरों को खुश करने के लिए सच बोलने से कतराते हैं या सच को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, तो धीरे-धीरे आप अपनी

आत्मा से ही दूर हो जाएंगे। खुद से झूठ बोलना सबसे बड़ा अपराध होता है। इसलिए, किसी भी स्थिति में अपनी ईमानदारी को बनाए रखें।

स्वाभिमान

स्वाभिमान ही इंसान की असली ताकत है। अगर कोई आपकी इज्जत नहीं करता, तो वहां झुकने की जरूरत नहीं है। सम्मान पाने के लिए दूसरों की शर्तों पर मत चलिए। खुद की इज्जत करना सीखिए, तभी दुनिया आपकी इज्जत करेगी।

अपनी सोच और मूल्य

आपकी सोच और मूल्य आपके व्यक्तित्व की नींव होते हैं। अगर आप दूसरों की राय के अनुसार अपने सिद्धांतों को बदलने लगेंगे, तो अपनी पहचान खो बैठेंगे। अपनी सोच और मूल्यों को बनाए रखें ,चाहे दुनिया कुछ भी कहे।

स्वतंत्रता

आजादी इंसान की सबसे बड़ी पूंजी होती है। किसी भी रिश्ते या परिस्थिति को अपनी आजादी छीनने मत दीजिए। अपनी जिंदगी के फैसले खुद लें और जो सही लगे, वही करें। जो लोग आपसे सच में प्यार करते हैं, वे आपकी स्वतंत्रता का सम्मान करेंगे।

करुणा और दयालुता

दयालुता को कमजोरी समझने की गलती मत कीजिए। यह आपकी ताकत है, कमजोरी नहीं। अगर कोई आपकी भलमनसाहत का गलत फायदा उठाता है, तो ये उसकी गलती है, आपकी नहीं। दयालु बने रहिए , दुनिया में अच्छाई की हमेशा जरूरत होती है।

कपडे पर लग जाए होली का रंग तो घरेलू नुस्खों से आसानी से करें दाग साफ

होली तो 14 को है लेकिन दिनेश के दफ्तर में सहकर्मियों ने आज ही होली खेल ली। एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। होली से पहले प्री होली सेलिब्रेशन में मजा तो बहुत आया लेकिन इन सब चक्करों में दिनेश ने जो सफेद शर्ट पहनी थी, उस पर भी रंग गिर गया। अब होली के रंग से रंगीन हुई नई शर्ट को रिटायर करना पड़ेगा क्या?

एक-दो बार ही तो पहनी थीं, भला इतनी महंगी और नई शर्ट को कैसे हटा सकते हैं। पर रंग लगी शर्ट को दोबारा पहन भी तो नहीं सकते। आप बताइए, दिनेश जैसी स्थिति आपकी होगी तो आप क्या करेंगे, जिससे कपड़ों पर लगे होली के रंग का दाग आसानी से छुड़ाया जा सके और पता भी न चले कि इसी कपड़े को पहनकर होली खेली थी।

नहीं है सुझाव..? कोई बात नहीं, ऐसे वक्त पर ही तो दादी-नानी और उनके नुस्खे याद आते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताए जा रहे हैं जिससे

कपड़ों पर लगा रंग का दाग आसानी से साफ हो जाए।

सिरका और बेकिंग सोडा

होली पर कपड़ों में रंग के पक्के दाग लग गए हों तो इसे साफ करने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा काम आएगा। एक बाल्टी गुनगुने पानी में आधा कप सफेद सिरका और दो चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब दाग लगे कपड़े को इसमें लगभग आधे घंटे तक भिगोकर रख दें। फिर हल्के हाथों से रगड़कर सामान्य डिटर्जेंट से धो लें।

नींबू

होली पर कपड़ों में छोटे-मोटे रंगों के दाग लग जाए तो उसे निकालने के लिए नींबू का रस लगाएं। दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से नींबू का रस लगा लें। इसके बाद कपड़े को गर्म पानी से धो लें। काफी हद तक रंग निकल जाता है। हालांकि अगर रंग पक्के हों तो नींबू के रस वाला नुस्खा काम नहीं आएगा।

डिटर्जेंट और ब्लीच

ये वाला नुस्खा सिर्फ सफेद कपड़ों के लिए ही है। इसके लिए गर्म पानी में ब्लीच मिलाएं और उसमें कपड़ा 30 मिनट तक भिगोकर रखें। फिर साधारण डिटर्जेंट पाउडर से धो लें।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड

अगर कपड़े पर गहरे दाग लगे हों तो उसे साफ करने के लिए दाग पर हाइड्रोजन पेरोक्साइड की कुछ बूंदें डालें और 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के हाथों से रगड़कर ठंडे पानी से धो लें।

इन तीन कारणों से होते हैं सबसे ज्यादा तलाक, शादी बचाने के लिए जान लें कपल

भारतीय समाज में शादी बेहद अहम और खूबसूरत रिश्ता होता है जिसे जन्मों- जन्मों के बंधन के रूप में हमारी संस्कृति में शामिल किया गया है। हालांकि आज के दौर में कपल्स के बीच अलगाव के मामले तेजी से बढ़े हैं। डिवोर्स या तलाक होना सामान्य होता जा रहा है। कई बार कुछ गलतफहमियों, बिगड़ी परिस्थितियों से रिश्ता कमजोर हो जाता है और युगल एक दूसरे से दूर जाने का फैसला ले लेते हैं।

नए युगलों या युवा कपल्स के बीच एक दूसरे को नासमझना आम बात है लेकिन इस दौर में कई ऐसे कपल अलग हो रहे हैं जो कि सालों तक साथ रहे हों। सालों साथ रहने के बाद भी ऐसा क्या है जो उन्हें तलाक लेने के लिए मजबूर कर देता है। यानी शादी न निभा पाने के सबसे सामान्य कारण क्या होते हैं, जिसके कारण पति-पत्नी अपने जन्मों का रिश्ता इसी जन्म में खत्म करके अलग हो जाते हैं। आज के दौर में तलाक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसके पीछे कुछ खास वजहें होती हैं। अगर कपल इन कारणों को पहले से समझ लें और समय रहते इन पर काम करें, तो अपनी शादीशुदा जिंदगी को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं तलाक के तीन सबसे बड़े कारण और उन्हें रोकने के उपाय।

भरोसा और वफादारी की कमी

सबसे अधिक शादी टूटने की वजह बेवफाई होती है। शादी के बाद एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर पति-पत्नी को एक दूसरे से दूर कर सकता है। झूठ बोलना, बातें

छुपाना, सोशल मीडिया और बाहरी लोगों पर ज्यादा ध्यान देने से कपल एक दूसरे पर भरोसा नहीं कर पाते हैं। जहां भरोसा नहीं, वहां रिश्ता कैसे? इसी विचार के साथ लोग अपने पार्टनर से दूरी बनाना ही बेहतर समझते हैं और पहुंच जाते हैं कोर्ट, सात वचनों और फेरों को रिवर्स करने।

अगर आप नहीं चाहते कि आपका रिश्ता तलाक की अर्जियों तक पहुंचे तो अपने रिश्ते और पार्टनर से ईमानदारी बनाए रखें। पार्टनर संग भरोसे को मजबूत बनाने के लिए रिश्ते में पारदर्शिता लाएं। अगर किसी बात से परेशानी है तो उसे खुलकर कहें, छुपाएं नहीं।

आर्थिक परेशानियां

बड़े-बूढ़ों को कहावत है, ना बाप बड़ा ना भैया, सबसे बड़ा रुपया।₹ ये कहावत सिर्फ बाप-भाई पर नहीं, बल्कि पति-पत्नी पर भी लागू होने लगी है। इस दौर में पैसों और आर्थिक परेशानियों को लेकर विवाद तलाक तक पहुंचने लगा है। कपल पैसे को लेकर बहस करते हैं या असहमति जताते हैं। उनकी खर्च करने की आदतों में बड़ा अंतर, या आर्थिक जिम्मेदारियों को ठीक से न निभा पाने के कारण उनके बीच अलगाव की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। पैसों की तंगी अच्छे रिश्ते पर भी दबाव डालती है और शादी में तनाव व दिक्कत शुरू हो जाती हैं।

अब अगर आपको नहीं चाहिए कि पैसा आपके रिश्ते को काला नाग बनकर डसे, तो पार्टनर संग पैसे से जुड़े मामलों पर खुलकर चर्चा करें और मिलकर निर्णय लें। वित्तीय या आर्थिक योजनाएं बनाएं और जरूरतों को प्राथमिकता दें। बजट बनाकर काम करें, बेवजह के ख़र्चों से बचें।

संवाद

किसी भी रिश्ते में अलगाव का सबसे सामान्य कारण संवाद होता है। बातचीत होती ही नहीं तो समस्या का समाधान कैसे निकलेगा। हर रिश्ते में मनमुटाव, समझ की कमी, गलतफहमियां होना स्वाभाविक है लेकिन संवाद के जरिए इन चीजों को दूर किया जा सकता है। लेकिन जब पति-पत्नी खुलकर बातचीत ही नहीं करते तो उनका रिश्ता छोटी सी समस्या आने पर ही डोल जाता है। समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय चुप रहना या झगड़ना दूरियां बढ़ाता है। इसका एक नुकसान ये भी है कि आप अपने पार्टनर की भावनाओं को समझ नहीं पाते और न ही उन्हें आपको समझने का मौका देते हैं।

आपकी चुप्पी रिश्ते में जहर की तरह न खुल जाए, इसके लिए अपने पार्टनर से खुलकर भावनाओं की अभिव्यक्ति करें। झगड़े के दौरान भी संवाद बनाए रखें और एक-दूसरे को सुनें। कोई गलतफहमी है तो उसे बातचीत से हल करें ना कि बातें इग्नोर करें।

अपने लिए कैसे चुनें सही हेलमेट, इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

रफ्तार के शौकीनों के लिए बाइक की सवारी करना जितना रोमांचक होता है, यह उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है। इसलिए बाइक राइडर को किसी दुर्घटना की स्थिति में निपटने के लिए ज्यादा बचाव की जरूरत होती है। आमतौर पर लोग हेलमेट इसलिए पहनते हैं ताकि वो पुलिस की कार्रवाई और चालान से बच सकें। लेकिन यह धारणा गलत है। हेलमेट बाइक राइडर की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। ज्यादातर दुर्घटनाओं में देखा गया है कि हेलमेट नहीं लगाने के नतीजे ज्यादा गंभीर होते हैं। इसलिए सरकार ने बाइक राइडर के साथ पीछे बैठने वाले सवार के लिए भी हेलमेट लगाना अनिवार्य कर रखा है।

ऐसा देखा गया है कि कई बार लोग हेलमेट पहनने में असहज महसूस करते हैं। या उन्हें लगता है कि हेलमेट के साथ वे अच्छे नहीं दिख रहे हैं। अगर आप भी अपने लिए एक हेलमेट की तलाश में है। तो यहां हम आपको

बता रहे हैं, कि हेलमेट खरीदते समय आपको किन जरूरी बातों को ध्यान रखना चाहिए।

हेमलमेट की क्वालिटी चेक करें

नया हेलमेट खरीदते समय सबसे पहले सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए। हेलमेट इस पर ISI मार्क होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हेलमेट अच्छी क्वालिटी का है। हेलमेट खरीदते समय उसकी फिटिंग चेक करना भी बहुत जरूरी है। आपको ऐसा हेलमेट चुनना चाहिए जो आपके सिर पर अच्छी तरह फिट बैठता हो। साथ ही आरामदायक भी हो। हेलमेट में वेंटिलेशन अच्छा होना चाहिए। क्योंकि यह राइडिंग के दौरान आपके सिर को कूल रखेगा।

अच्छी विजिबिलिटी जरूरी

बाइक की सुरक्षित ड्राइविंग के लिए हेलमेट की अच्छी विजिबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके लिए वाइजर अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए। इसका ध्यान रखना चाहिए कि आप काले रंग के वाइजर वाला हेलमेट न खरीदें। दरअसल काले रंग के वाइजर से रात में बाइक चलाने के दौरान काफी दिक्कत हो सकती है। जबकि नॉर्मल वाइजर से किसी भी समय विजिबिलिटी की दिक्कत नहीं होगी। हेलमेट में अगर एंटी-फॉग फीचर हो तो धुंध के समय दोपहिया वाहन चलाना आसान हो जाता है।

हेलमेट वजन में होना चाहिए हल्का

हेलमेट का वजन बहुत मायने रखता है। आपको ऐसा हेलमेट चुनना चाहिए जो आपको पहने के बाद सिर पर ज्यादा भारी न लगे। बाजार में फुल फेस और हाफ फेस हेलमेट दोनों उपलब्ध हैं। कई लोग ज्यादा हवा लगने के लिए हास फेस हेलमेट का चुनाव करते हैं। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से फुल फेस हेलमेट खरीदना ज्यादा सही होता है।

स्पोर्ट्स बाइक के लिए हेलमेट

अगर आप स्पोर्ट्स बाइक चलाने के शौकीन हैं तो आपको इसके लिए ट्रैक डे हेलमेट खरीदना चाहिए। यह आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। ये एक फुल फेस हेलमेट है, जो ज्यादा सुरक्षा देता है। इन हेलमेट में सबसे ऊपर एयर वेंट्स होते हैं, जिनसे हवा को अंदर और बाहर होती है। इसकी कीमत रेगुलर हेलमेट की तुलना से थोड़ी ज्यादा होती है, पर ये हेलमेट बेहतर सुरक्षा देते हैं।

एडवेंचर बाइक राइडिंग के दीवानों के लिए एडीवी हेलमेट एक मॉड्यूलर मोटोक्रॉस हेलमेट बेहतर साबित हो सकता है। इसके आलावा कंफर्ट के लिए कुछ हेलमेट में एक्स्ट्रा पैडिंग भी दी जाती है। दुर्घटना के दौरान इन हेलमेट में आपका सिर सेफ पॉजिशन में रहता है, जो आपको चोट से बचता है। वहीं हल्की प्लास्टिक के वाइजर वाले हेलमेटआपके लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

होली के उत्साह में भूल न जाएं बच्चों का ख्याल इस तरह रखें उनका ध्यान

रंगों के त्योहार होली को धूमधाम और मस्ती के साथ मनाया जाता है लेकिन जरा सी लापरवाही त्योहार के रंग में भंग डाल सकती है। इस दौरान बच्चों पर सबसे अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है। होली खेलते समय बच्चों की सुरक्षा को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इस मौके पर उनकी त्वचा, आंखों और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि आपका बच्चा सुरक्षित और आनंददायक होली मना सके। अगर आपका बच्चा होली में रंग खेलने के लिए घर से बाहर निकल रहा है तो पहले कुछ बातों को सुनिश्चित कर लें ताकि बच्चा सुरक्षित और स्वस्थ रहे और होली का मजा किरकिरा न होने पाए।

रंग हों सुरक्षित

सबसे पहले तो ये सुनिश्चित करें कि बच्चा हर्बल या आर्गेनिक रंगों से ही होली खेलें। इसके लिए प्राकृतिक रंग घर पर ही तैयार करें या बाजार से हर्बल रंग लाएं। कैमिकल युक्त रंग बच्चे की कोमल त्वचा, बाल आदि पर नकारात्मक असर डालते हैं।

त्वचा का कवच

पक्के रंगों या रंग के साइड इफेक्ट से बचने के लिए होली खेलने से पहले ही त्वचा को कवच से ढक लें। इसके लिए नारियल तेल या सरसो का तेल अच्छी तरह से त्वचा या बालों में लगा लें। ऐसा करने से रंग आसानी से छूट जाता है और स्किन को कोई नुकसान नहीं होता।

सही कपड़े भी जरूरी

बच्चा रंग खेलने जा रहा है तो पहले उसे पूरी बाजू के कपड़े पहनाएं। इस तरह के कपड़े त्वचा को रंगों के संपर्क में आने से बचाते हैं। इसके अलावा सिंथेटिक कपड़ों के बचाए हल्के सूती कपड़ों का चयन करें। होली में इस तरह का फैब्रिक सहज, त्वचा पर आरामदायक और पानी वाले रंगों से खेलने पर कपड़े को जल्दी सुखाने में मदद करता है।

आंखों की सुरक्षा

त्वचा और बालों के साथ ही सबसे जरूरी है आंखों की सुरक्षा करना। इसके लिए सनग्लासेस या गॉगल्स से आंखों को कवर कर लें। इससे रंग आपकी आंखों में नहीं जाएगा। अगर रंग गलती से आंखों में चला जाए तो पानी की छीटों से आंख धोएं। अधिक दर्द होने पर तुरंत चिकित्सीय सलाह लें।

ट्रंप और मस्क ने मुकेश अंबानी के लिए कैसे खड़ा किया खतरा?

किले में सेंध लगाने की तैयारी, संकेत समझिए

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियां उनके कारोबार के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। अंबानी ने भारत के 1.4 अरब उपभोक्ताओं की नब्ज टटोलते हुए बहुत बड़ा निवेश किया है। लेकिन, ट्रंप की नीतियां उनकी योजनाओं को बिगाड़ सकती हैं। भारत सरकार को चिंता है कि अमेरिका सिर्फ भारत के शुल्कों पर ही नहीं, बल्कि और भी कई मुद्दों पर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी कंपनियां भारत में 'बहुत कम कारोबार' करती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रिटेल और डिजिटल सेवाओं में भारी निवेश किया है। लेकिन, अमेरिका से ट्रेड वॉर का खतरा और एलन मस्क के स्टारलिंक का आना अंबानी के लिए चिंता का विषय है। साथ ही, अमेरिकी कंपनियों जैसे अमेजन और वॉलमार्ट को भारत में व्यापार करने में जो दिक्कतें आती हैं, उनमें बदलाव भी अंबानी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। मुकेश अंबानी के लिए यह समय काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने भारत के विशाल बाजार पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बहुत मेहनत की है। लेकिन, अब डोनाल्ड ट्रंप की वजह से चीजें तेजी से बदल रही हैं। ट्रंप ने भारत के ऊंचे टैरिफ को लेकर चिंता जताई है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां भारत में बहुत कम व्यापार करती हैं। भारत सरकार को डर है कि अमेरिका सिर्फ टैरिफ के मुद्दे पर ही नहीं, बल्कि और भी कई मामलों में जवाबी कार्रवाई कर सकता है।भारतीय कंपनियों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से अलग-अलग स्तर की सुरक्षा मिली हुई है। ट्रेड वॉर टालने के लिए अगर कोई रियायतें दी जाती हैं तो लगभग सभी कंपनियों पर इसका असर पड़ेगा। लेकिन, अंबानी को ज्यादा नुकसान होने के आसार हैं। रिटेल और डिजिटल सेवाओं में 2020 से अब तक 50 अरब डॉलर का निवेश किया गया है। ये दोनों ही कारोबार आरआईएल का हिस्सा हैं। इनकी मार्केट वैल्यू 200 अरब डॉलर है। ब्लूमबर्ग न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, रिटेल बिजनेस में बदलाव किए जा रहे हैं क्योंकि विश्लेषकों ने इसकी वैल्यू का अनुमान कम कर दिया है। इस नाजुक मोड़ पर एलन मस्क का स्टारलिंक के साथ बाजार में आना और अमेरिका की ओर से घरेलू नीतियों में बदलाव की मांग, अंबानी के लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। ये नीतियां ही अमेजन और वॉलमार्ट को भारत में कारोबार करने में दिक्कतें पैदा करती रही हैं। अंबानी के जियो प्लेटफॉर्म्स के लगभग 50 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। जियो ने स्टारलिंक का विरोध करने के लिए दूसरे टेलीकॉम कंपनियों के साथ हाथ मिला लिया है। मस्क की सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस को शायद बिना स्पेक्ट्रम की नीलामी में हिस्सा लिए ही भारत में एंट्री मिल जाएगी। अगर जियो के हाई-पेइंग कस्टमर्स कम रेगुलेटरी कॉस्ट वाली नई कंपनी की तरफ चले गए तो जियो को अपनी कीमतें कम करनी पड़ सकती हैं।पिछले एक साल में जियो का औसत रेवेन्यू प्रति यूजर 12% बढ़ा है। जियो को आधार बनाकर मुकेश अंबानी ने बड़ा मीडिया साम्राज्य खड़ा किया है। उनका ऑनलाइन स्ट्रीमिंग ऐप जियोहॉटस्टार डेटा कस्टमर्स को हॉलीवुड फिल्में, एचबीओ शो और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ऑफर करता है। क्रिकेट के दीवाने भारत में यह आकर्षक ऑफर है, जिसकी कीमत सिर्फ 1 डॉलर से थोड़ी ज्यादा है। दर्शकों को अपनी तरफ खींचने का यह एक महंगा तरीका है और अंबानी नहीं चाहेंगे कि उनके इस किले में कोई सेंध लगाए।कैरिज और कंटेंट के अलावा अंबानी को कॉमर्स की भी चिंता है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने से पहले वॉलमार्ट के सीईओ डग मैकमिलन से मुलाकात की थी।

सोना 209 रुपए गिरकर 85,723 रुपए पर आया

चांदी 95,875 रुपए प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 209 रुपए गिरकर 85,723 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 85,932 रुपए पर था।

19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। एक किलो चांदी की कीमत आज 759 रुपए कम होकर 95,875 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,634 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,640 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,490 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 80,200 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 87,490रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,490 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,540 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 87,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 80,200 रुपये है।

इंडसइंड के झटके से उबरकर सपाट बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 13 अंक टूटा, निफ्टी हरे निशान पर

नई दिल्ली, 11 मार्ट (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक मंगलवार को सपाट बंद हुए। इंडसबैंक में भारी बिकवाली के कारण शुरुआती दौर में कमजोर पड़ा सेंसेक्स आखिरी सत्र में रिकवर करने में सफल रहा। सेंसेक्स में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर 27 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। इंफोसिस के शेयर भी दो फीसदी तक टूट गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.85 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 74,102.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 451.57 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 73,663.60 अंक के निचले स्तर पर आ गया। हालांकि, निफ्टी 37.60 अंक या 0.17 प्रतिशत बढ़कर 22,497.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बेंचमार्क 61.8 अंक या 0.27 प्रतिशत बढ़कर 22,522.10 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर सबसे ज्यादा टूटे। दूसरी ओर, सन फार्मास्यूटिकल्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मारुति सुजुकी इंडिया, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक और टाइटन के शेयरों में लाभ रहा। बाजार के जानकारों के अनुसार चल रहे व्यापार युद्ध के कारण आर्थिक मंदी की चिंताओं से प्रेरित अमेरिका और अन्य एशियाई बाजारों में भारी बिकवाली के बावजूद, घरेलू बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिख रहे हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, इसकी अपेक्षाकृत कम अस्थिरता का कारण हाल के सुधारों के बाद मूल्यांकन में नरमी, साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर सूचकांक में नरमी और घरेलू आय में सुधार की उम्मीद जैसे सहायक कारक हैं। नायर ने कहा कि आगामी खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित है, जो संभावित ब्याज दरों में कटौती के बारे में जानकारी दे सकता है। एशियाई बाजारों में टोक्यो और सियोल में गिरावट रही, जबकि हांगकांग में कोई बदलाव नहीं हुआ। शंघाई शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सोमवार को अमेरिकी बाजार में चार फीसदी तक की गिरावट दिखी। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत बढ़कर 69.77 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 485.41 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने सोमवार को 263.51 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 217.41 अंक गिरकर 74,115.17 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 92.20 अंक गिरकर 22,460.30 अंक पर बंद हुआ।

कौन कहता है भगवान पर नहीं लगता टैक्स? हर साल दे रहे हैं जीएसटी

नई दिल्ली, 11 मार्ट (एजेंसियां)। आमतौर पर चाय की दुकान पर मंदिर की आमदनी और उनकी संपत्ति पर होने वाली चर्चा में आखिर में निष्कर्ष निकलता है कि, मंदिर और मठों पर कोई टैक्स नहीं लगता और इनकी आमदनी टैक्स फ्री होती है. लेकिन ऐसा नहीं है। जब तो बिलकुल नहीं है कि मंदिरों को जीएसटी भुगतान के नोटिस भेजे जा रहे हो. मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का सबसे अमीर ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में अपनी 4,774 करोड़ रुपए की वार्षिक आय पर 1.5 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करेगा.

मंदिरों पर जीएसटी लगाने के दावों पर विवाद छिड़ गया है, विपक्षी पार्टी कांग्रेस भाजपा पर हमलावर हो गई है और दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. बीते हफ्ते कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक तमिल दैनिक में छपी खबर की ओर इशारा किया, जिसमें दावा किया गया था कि मंदिरों से जीएसटी का भुगतान करने के लिए कहा जा रहा है.वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता अमित मालवीय ने उन पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि मंदिर और धार्मिक स्थलों को व्यापक छूट मिली हुई है और जीएसटी केवल व्यावसायिक गतिविधियों पर लागू होता है, धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों पर नहीं. नवंबर 2024 में, देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक तिरुवनंतपुरम के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को पेंडिंग टैक्स के पेमेंट को लेकर नोटिस

भेजा गया. मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि सात साल की अवधि के लिए 1.57 करोड़ रुपए जीएसटी टैक्स की मांग की गई थी, जबकि मंदिर ने अकेले 2014 में 700 करोड़ रुपए कमाए हैं.जम्मू के कटरा में वैष्णो देवी, एक और समृद्ध मंदिर, ने वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए कमाए, जिसमें से 255 करोड़ रुपए चढ़ावे से आए, जो कर-मुक्त हैं और 133.3 करोड़ रुपए ब्याज से आए. टीटीडी के मामले में, 4,800 करोड़ रुपए की कमाई में से एक तिहाई से ज़्यादा हुंडी संग्रह से आए. जीएसटी के संदर्भ में कर देयता, वित्त वर्ष 21 से पांच वर्षों में लगभग 130 करोड़ रुपये रही है.मंदिर कितना कमाते हैं? जबकि मंदिरों के विस्तृत खाते उपलब्ध नहीं हैं, भारत के दो सबसे बड़े मंदिर ट्रस्टों की कमाई पिछले सात वर्षों में दोगुनी हो गई है. तिरुपति ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार, वित्त वर्ष 2017 में इसका बजट 2,678 करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 5,145 करोड़ रुपए हो गया. वैष्णो देवी ट्रस्ट की आय वित्त वर्ष 2017 में 380 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए हो गई है.

महज 50 दिन में गिर गई क्रिटोकरेंसी की साख

एक बिटकॉइन पर गंवा दिए 28 लाख

नई दिल्ली, 11 मार्ट (एजेंसियां)। शेयर बाजार की तरह ही क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट भी लगातार धराशाई हो रहा है. अगर बात दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी की करें तो बिटकॉइन की कीमत में 50 दिनों में करीब 32,500 डॉलर यानी 30 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. अगर इस नुकसान को रुपयों में कैलकुलेट करें तो एक बिटकॉइन पर निवेशकों को 50 दिनों में 28 लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है.अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि जिस डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के दिन बिटकॉइन 1.09 लाख डॉलर के पार चला गया था, वो मौजूदा समय में 76 हजार डॉलर के लेवल पर कैसे पहुंच गया? बिटकॉइन डोनाल्ड ट्रंप की जिस साख और रसूख को साथ लेकर चल रहा था, वो लगातार क्यों गिरती जा रही है? आइए आंकड़ों से समझने कोशिश करते हैं कि आखिर बिटकॉइन और दुनिया की बाकी क्रिप्टोकरेंसी में किस तरह की गिरावट देखने को मिल रही है?दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में बिटकॉइन की साख में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है. आंकड़ों को देखें तो 20 जनवरी यानी अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के दिन बिटकॉइन की कीमत 1,09,114.88 डॉलर के साथ रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था. जिसके बाद बिटकॉइन की कीमत में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है. तब से अब तक बिटकॉइन की कीमत में करीब 32,500 यानी 30 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. जानकारों की मानें तो बिटकॉइन की कीमत में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है.20 जनवरी 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ली थी. उस दिन बिटकॉइन के दाम 1,09,114.88 डॉलर पर पहुंच गए थे. जबकि 11 मार्च को बिटकॉइन की कीमत 76,624.25 डॉलर पर देखने को मिली. इसका मतलब है कि बिटकॉइन के दाम 5 महीने के लोअर लेवल पर पहुंच गया. तब से अब तक बिटकॉइन के दाम में 32,490.63 डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है. अगर इसके भारत रुपयों में कैलकुलेट करें तो निवेशकों को एक बिटकॉइन पर 50 दिनों में 28,36,772.20 रुपए का नुकसान हो चुका है. वैसे मौजूदा समय यानी दोपहर 1 बजकर 40 मिनट पर बिटकॉइन करीब दो फीसदी की गिरावट के साथ 80,489.46 डॉलर पर कारोबार कर रहा है.रिस्की इंवेस्टमेंट स्थिरता को खतरे में डालने वाली व्यापक आर्थिक चुनौतियों का सामना करते समय, डोनाल्ड ट्रम्प के "क्रिप्टो-फ्रेंडली" रुख का क्रिप्टो के प्रति बाजार की भावना पर बहुत कम प्रभाव पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार फेडरल जॉब्स में कटौती से अमेरिकी इकोनॉमी में टैरिफ-वॉर के बढ़ते तनाव और अनिश्चितताओं ने क्रिप्टोकरेंसी जैसी हाई रिस्क असेट्स को हिला दिया है।

दालों की सप्लाई सुचारु करने की कवायद

सरकार ने पीली मटर और उड़द के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली, 11 मार्ट (एजेंसियां)। सरकार ने पीली मटर और उड़द के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि बढ़ा दी है। इस कदम से व्यापारियों के लिए इन दालों को देश में लाना आसान हो गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में क्या कहा गया है, आइए जानते हैं।अधिसूचना के अनुसार, आईटीसी (एचएस) कोड 07131010 के तहत पीली मटर के आयात को अब पहले से लागू न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) शर्त या किसी भी बंदरगाह प्रतिबंध से मुक्त कर दिया गया है। अब इसे मुफ्त के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। पीली मटर के मामले में मुफ्त आयात नीति को तीन महीने के लिए बढ़ाया गया है। हालांकि, व्यापारियों को अपने आयात को ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत पंजीकृत करना होगा। यह नया नियम उन सभी शिपमेंट पर तत्काल लागू होगा जहां बिल ऑफ लैडिंग (शिप ऑन बोर्ड) 31 मई, 2025 को या उससे पहले के लिए जारी किया गया है। इससे पहले, पीली मटर के लिए मुफ्त आयात नीति 28 फरवरी, 2025 को समाप्त हो गई थी। अब सरकार के फैसले के बाद पीली मटर का स्वतंत्र रूप से आयात करने के लिए व्यापारियों के पास 31 मई, 2025 तक यानी तीन महीने का अतिरिक्त समय है। अधिसूचना में कहा गया है कि पहले की सरकारी अधिसूचनाओं के अन्य नियम और शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगा।उड़द आयात नीति मार्च 2026 तक बढ़ाई गई सरकार ने उड़द दाल के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि भी बढ़ा दी है। संशोधित नियमों के तहत, व्यापारी 31 मार्च, 2026 तक उड़द का स्वतंत्र रूप से उड़द दाल का आयात करना जारी रख सकते हैं। इसकी समयसीमा 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाली थी। पीली मटर और उड़द दोनों के लिए आयात नीति का विस्तार करने के निर्णय से कीमतों में स्थिरता आने और घरेलू बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। दालें भारत की खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और सरकार मांग और आपूर्ति को संतुलित करने के लिए अक्सर आयात नीतियों में बदलाव करती है।

4 महीने के लो पर खाने के तेल की कीमतें, क्या अब और बढ़ेगी महंगाई

नई दिल्ली, 11 मार्ट (एजेंसियां)। देश में जल्द ही खाने के तेल की कीमत बढ़ने वाली हैं. अगर ऐसा सच हुआ तो आने वाले दिनों में और महंगाई बढ़ना तय है. बीते कुछ महीनों में देश में सोया तेल और सूरजमुखी के तेल के इंपोर्ट में गिरावट आई है, जिससे इन तेलों का स्टॉक तीन साल के निचले स्तर पर आ गया है. आपको बता दें फरवरी में भारत ने बीते चार साल में सबसे कम खाद्य तेल आयात किया है. वहीं मार्च के महीने में लगातार दूसरे महीने वनस्पति तेल का आयात सबसे कम हुआ है. इस वजह से दुनिया के सबसे बड़ी वनस्पति तेल का स्टॉक रखने वाले देश भारत में स्टॉक सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है. अगर आगे भी ऐसी स्थिति रही तो आने वाले महीनों में

खरीदारी बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा, जिससे मलेशियाई पाम तेल और अमेरिकी सोया तेल की कीमत बढ़ सकती हैं.सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एक रिपोर्ट में बताया है कि पिछले महीने देश का पाम तेल का आयात जनवरी से 35.7% बढ़कर 373,549 मीट्रिक टन हो गया. एसईए के अनुसार, अक्टूबर 2024 में समाप्त होने वाले मार्केटिंग ईयर में भारत ने हर महीने औसतन 750,000 टन से अधिक पाम तेल का आयात किया.एसईए ने कहा कि फरवरी में सोया तेल का आयात 36% घटकर 283,737 टन रह गया और सूरजमुखी तेल का आयात 20.8% घटकर 228,275 टन रह गया. एसईए ने कहा कि सोया तेल और सूरजमुखी तेल की कम खेप ने पिछले महीने देश के कुल वनस्पति तेल आयात को 12% घटाकर 899,565 टन कर दिया, जो फरवरी 2021 के बाद सबसे कम है.भारत में खाद्य तेल का स्टॉक एक महीने पहले की तुलना में 14% घटकर 1 मार्च को 1.87 मिलियन टन रह गया, जो तीन साल से अधिक समय में सबसे कम है. भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड से पाम तेल खरीदता है, जबकि वह अर्जेंटीना, ब्राजील, रूस और यूक्रेन से सोया तेल और सूरजमुखी तेल का आयात करता है.

जल्द बढ़ेगा वनस्पति तेल का इंपोर्ट

खाद्य तेल व्यापारी जीजीएन रिसर्च के प्रबंध भागीदार राजेश पटेल ने कहा कि मार्च में पाम तेल और सोया तेल के आयात में सुधार होने की संभावना है, क्योंकि उद्योग स्टॉक बनाने की कोशिश कर रहा है. एसईए ने कहा कि चालू विपणन वर्ष (जो अक्टूबर 2025 में समाप्त होगा) के पहले चार महीनों में कुल वनस्पति तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी घटकर 43% रह गई, जो एक साल पहले 66% थी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-30
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18-21
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 09-11 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - फाल्गुन शुक्ल , बुधवार 12 March
नक्षत्र - मघा 04-05 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - सुकर्मा 12-59 तक उप धृति
करण- तैतिल 09-11 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-00 बजे
चंद्र-	सिंह मे	मीन....	06-38 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष....	08-14 बजे
बुध-	मीन मे	वृष....	09-58 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	11-58 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-11 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह....	16-24 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	18-30 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	20-36 बजे
		वृश्चिक...	22-45 बजे
		धनु.....	00-59 बजे
		मकर...	03-08 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:26 से 13:55 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:30 - 07:57 शुभ	उत्पात	18:21 - 19:55 अशुभ
अमृत	07:57 - 09:27 शुभ	शुभ	19:55 - 21:25 शुभ
काल.	09:27 - 10:56 अशुभ	अमृत	21:25 - 22:55 शुभ
शुभ	10:56 - 12:26 शुभ	चंचल	22:55 - 00:25 शुभ
रोग	12:26 - 13:55 अशुभ	रोग	00:25 - 01:56 अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:25 अशुभ	काल.	01:56 - 03:26 अशुभ
चंचल.	15:25 - 16:55 शुभ	लाभ.	03:26 - 04:56 शुभ
लाभ	16:55 - 18:21 शुभ	उत्पात	04:56 - 06:30 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी भलाई इसी में है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है । आपके व्यय अब नियंत्रण में है जिसके लिए आप लंबे समय से तरस रहे थे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है ।अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

कन्या टो पा पी यू ष ण ठ पे पो

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बघेल के घर छापे के बाद थाने पहुंची ईडी

पथराव की शिकायत पर सन्नी अग्रवाल समेत 25 पर एफआईआर, कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। आज कांग्रेस प्रदेशभर में ईडी की कार्रवाई के विरोध में भाजपा और ईडी का पुतला दहन करेगी। सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल के घर ईडी ने छापेमारी की। यह जांच करीब 10 घंटे तक चली। टीम के जाने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि, 32-33 लाख रुपए और दस्तावेज टीम ले गई है। इसमें मंतूराम केस की पेनड्राइव भी है।

करीब सुबह 8 बजे भूपेश और उनके बेटे चैतन्य के भिलाई-3 पदुमनगर स्थित घर पर चार गाड़ियों में ईडी की टीम पहुंची थी। दोपहर में कार्रवाई के बीच नोट गिनने और सोना जांचने की मशीनें भी मंगाई गई। इस बीच ईडी की कार पर बाहर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस की झड़प भी हुई।

इस घटना के कुछ घंटे बाद रात 10 बजे ईडी के अधिकारी सुरक्षा कर्मी को लेकर पुरानी भिलाई थाने पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। इस पर कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील उर्फ सन्नी अग्रवाल समेत 25 और लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा

डालने, रास्ता रोकने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में एफआईआर हुई है।

भूपेश बघेल ने सिलसिलेवार बताया क्या हुआ-

मैं अखबार पढ़ रहा था और चाय पी रहा था, तभी ईडी की टीम आई। मैंने उनसे कहा कि, उनका स्वागत है। मैं तो महीनों और सालों से उनका इंतजार कर रहा था। मेरी पत्नी, तीन बेटियां, बेटा, बहू, पोते और पोतियां यहां रहते हैं। हम खेती करते हैं।

इस संयुक्त परिवार में हम 140 एकड़ जमीन पर खेती करते हैं। हमारे पास वही था जो हमने घोषित किया था। उन्होंने इसकी जांच की। अलग-अलग लोगों से 33 लाख रुपए नकद मिले, मेरी पत्नी, बेटे, बहू और बेटियों से। हम खेती भी करते हैं और डेयरी भी चलाते हैं। इसमें स्त्रीधन भी शामिल है। ऐसा माहौल बनाया गया कि नोट गिनने वाली मशीनें लाई गई, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ी रकम है। यह साफ है कि अब विधानसभा में सवाल पूछना अपराध हो गया है। कवासी लखमा ने सवाल पूछे और ईडी 8 बजे के भीतर उनके आवास पर थी 8 दिन में ही जेल हो गई। मैंने विजय शर्मा से गरीबों के लिए आवास के बारे में पूछा। चौथे दिन वे (ईडी) मेरे आवास पर आ गए।

जांच के दौरान भिलाई के पदुमनगर स्थित भूपेश बघेल के घर के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मुताबिक प्रदेश के गृहमंत्री सवालों से घिरे हुए हैं, विधानसभा में सवालों का कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए भूपेश बघेल के खिलाफ ईडी का दुरुपयोग कर रहे हैं। भूपेश बघेल समर्थकों को लेकर कहा कि, यहां पहुंचे और मेरा समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद। मलकीत गैदू से जब पूछताछ हो रही थी तब मैंने कहा था कि, अगला घर किसी का भी हो सकता है, देखिए अगला नंबर मेरा ही हो गया। ऐसे में सभी को एकजुट होकर ही ये लड़ाई लड़नी है।

हिंदू संगठन से झड़प करने वाले कोनी टीआई निलंबित

अवैध शराब मामले में आरोपियों के पुराने केस को जांच में नहीं जोड़ा, एसपी ने लिया एक्शन

बिलासपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हिंदूवादी संगठन से झड़प और अवैध शराब मामले में कोनी टीआई नवीन देवांगन को निलंबित कर दिया गया है। टीआई ने अवैध शराब के साथ गिरफ्तार आरोपियों के पुराने मामलों की जानकारी कोर्ट में पेश नहीं किया था। जिस कारण आरोपियों को न्यायालय से जमानत मिल गई।

दरअसल, कोनी के लोफंदी गांव में कुछ दिनों पहले महुआ शराब पीने से 9 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद एसपी रजनेश सिंह ने अवैध शराब बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। तब पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों के पुराने मामलों की जानकारी अपनी जांच में शामिल नहीं किया।

इधर, आरोपियों ने न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन लगाया। इसकी सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सभी को जमानत दे दी।

एनकाउंटर में मारा गया गैंगस्टर अमन साहू

कल झारखंड पुलिस रायपुर से रांची लेकर निकली थी, 148 दिन से सेंट्रल जेल में था

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। गैंगस्टर अमन साहू (साव) को एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया है। कल देर शाम 8.11 बजे रायपुर से उसे रांची ले जाने के लिए झारखंड पुलिस रवाना हुई थी। पुलिस का दावा है कि, इसी दौरान गाड़ी का पलामू के पास एक्सीडेंट हुआ। जिसके बाद गैंगस्टर अमन पुलिस का हथियार छीनकर भागने लगा। बताया जा रहा है कि उसने पुलिस पर फायरिंग भी की। जिसके बाद पुलिस की टीम ने जवाबी फायरिंग में उसे मार गिराया। अमन को 14 अक्टूबर को कारोबारी पर फायरिंग मामले में रायपुर लाया गया था। इसके बाद से 148 दिन तक वह रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद था।

रांची के बरियातू थाना इलाके के गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के पास 7 मार्च को कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा की कार पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। विपिन मिश्रा और उसके ड्राइवर को भी गोली लगी है। कोयला कारोबारी के बॉडीगार्ड ने भी जब जवाबी

फायरिंग की तो हमलावर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, ये फायरिंग का काम जेल में बंद अमन साव के निर्देश पर उसके गुर्गे कर रहे हैं। इसी केस की पूछताछ के लिए झारखंड पुलिस गैंगस्टर अमन साव को लेने रायपुर पहुंची थी।

गैंगस्टर अमन को जिस गाड़ी से ले जाया जा रहा था उस गाड़ी में हाई सिक्योरिटी और हथियार से पुलिस की टीम लैस थी। पहले साव को गाड़ी में बैठाया गया फिर दोनों ओर बंदूक लेकर पुलिस की टीम बैठी।

झारखंड पुलिस की एक और टीम सामने एक और गाड़ी में चल रही थी। अमन साहू (साव) पर 50 से अधिक मामले रांची सहित राज्य के अगल-अलग थानों में दर्ज हैं। अमन का गिरोह रांची के अलावा रामगढ़, चतरा, धनबाद, हजारीबाग, पलामू, लातेहार और बोकारो में रंगदारी मांगने के लिए सक्रिय है। गिरोह कोल माइनिंग कंपनियों, कोयला व्यवसायी और ट्रांसपोर्टर, बिल्डर, ठेकेदार और कारोबारियों को रंगदारी के लिए टारगेट कर रहा है। अगर इन्हें रंगदारी नहीं मिलती है तो गिरोह के गुर्गे या तो उन कारोबारियों के दफ्तर पर फायरिंग कर धमका रहे हैं या फिर उन्हें ही गोली मार रहे हैं। पिछले 6 माह में रंगदारी मांगने और गोली चलाने के आधा दर्जन से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। गैंगस्टर अमन गिरोह के खौफ से कई कारोबारियों ने अब घर से निकलना भी कम कर दिया है। उन्हें डर लगा रहता है कि कहीं उन पर कोई रंगदारी नहीं देने को लेकर फायरिंग ना कर दे।

चार जिलों में हुआ नए महिला थाने का शुभारंभ

840 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र, पुलिस को लेकर क्या बोले सीएम

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी में उप निरीक्षक संवर्ग के 840 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान सीएम ने कहा- राज्य में पुलिस बल की क्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। पुलिस का कार्य केवल अपराधियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण निर्मित हो, यह सुनिश्चित करना भी पुलिस विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का कार्य लोगों के बीच शांति, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देना भी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। तकनीकी संसाधनों के समावेश से पुलिस बल को अधिक दक्ष और प्रभावी बनाया जा रहा है। इस मौके पर राज्य के गृह और डेप्युटी सीएम विजय शर्मा भी मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में पुलिस बल के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्दी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि समाज की सेवा और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने नव नियुक्त पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे अपनी वर्दी का सम्मान करें और इसे हमेशा गर्व से धारण करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने जशपुर, रायगढ़, जगदलपुर और दंतेवाड़ा में नए महिला थानों का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि इन थानों के माध्यम से महिलाओं को अधिक सुरक्षित वातावरण और त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार पुलिस बल को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नई योजनाओं पर विचार कर रही है।

चोरी की 45 बाइक बरामद

अवैध कोयला ढुलाई में करते थे बाइक का इस्तेमाल, दो वाहन चोर गिरफ्तार

बोकारो, 11 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया है। एसपी मनोज स्वर्गीयारी के निर्देश पर डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार अपराधियों में मो. परवेज और मो. मासूम अंसारी शामिल हैं। इन दोनों ने बोकारो और आसपास के क्षेत्रों से बाइक चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से विभिन्न कंपनियों की 45 चोरी की बाइक बरामद की हैं। चोर इन बाइक को कथारा, तेनुघाट, गोमिया और पेटरवार थाना क्षेत्रों में छिपाकर रखते थे।

चोरी के बाद इन वाहनों का इस्तेमाल अवैध कोयला ढुलाई और अन्य गैरकानूनी कार्यों में किया जाता था। पुलिस ने लोगों से वाहनों की सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी सुझाव दिए हैं। वाहनों को सुरक्षित स्थान पर पार्क करें।

धनबाद जेल में बड़ा खुलासा

गैंग्स ऑफ वासेपुर कनेक्शन आया सामने

धनबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। अभी हाल में ही झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने हजारीबाग के एनटीपीसी के डीजीएम की हत्या पर गहरी चिंता जताते हुए कहा था कि जेल से माफिया अपराध को अंजाम दे रहे हैं। यह बात धनबाद जेल में छापेमारी के बाद कुछ हद तक सत्य प्रतीत होता दिख रहा है। धनबाद जेल के बंदी मोबाइल फोन का धड़ल्ले से प्रयोग कर रहे है। इसका पर्दाफाश सोमवार रात को तब हुआ, जब जेल में जिला प्रशासन की टीम ने छापेमारी की।

धनबाद जेल में सोमवार देर रात को जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने डीसी माधवी मिश्रा और एसएसपी एचपी जनार्दनन के नेतृत्व में जेल में छापेमारी की। इस दौरान गैंग्स ऑफ वासेपुर के प्रिंस खान के भाइयों के वार्ड से तीन मोबाइल फोन और दो चार्जर बरामद किए गए। उस वार्ड में प्रिंस खान का भाई - गोडविन और बंटी खान समेत प्रिंस खान के कई

गुर्गे बंद हैं। माना जा रहा है कि मोबाइल फोन का प्रयोग प्रिंस गैंग के गुर्गे ही कर रहे थे। छापेमारी के बाद धनबाद मीडिया से बात करते हुए एसएसपी एचपी जनार्दनन ने जेल में मोबाइल मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मोबाइल में मिले सिमकार्ड और इसके काल डिटेल्स के आधार पर इसका इस्तेमाल करने वालों पर प्राथमिकी की जाएगी। दरअसल, पुलिस को इस बाबत सूचना मिली थी कि जेल के अंदर मोबाइल फोन का प्रयोग किया जा रहा है। इसके बाद सोमवार आधी रात को जिला प्रशासन की टीम जेल पहुंची। टीम का नेतृत्व उपायुक्त माधवी मिश्रा और एसएसपी एचपी जनार्दनन कर रहे थे। टीम में एसडीएम, एडीएम समेत कई डीएसपी और थानेदार शामिल थे। इस दौरान जेल के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। घंटो चली छापेमारी के दौरान प्रिंस खान के भाइयों के वार्ड से मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके अलावा जेल में खैनी, गुटखा और बीड़ी भी मिला। आधी रात के बाद प्रशासन की टीम जांच पड़ताल कर बाहर निकली।

धनबाद वासेपुर के गैंगस्टर प्रिंस खान पिछले कई सालों धनबाद ही नहीं धनबाद के आसपास के कई जिलों के व्यवसायियों और पुलिस के लिए सिर दर्द बना हुआ है। बताया जाता है कि प्रिंस खान मिडिल ईस्ट के किसी देश में बैठा है, लेकिन इसके गुर्गे धनबाद और आसपास के जिलों की व्यवसायियों को प्रिंस खान के नाम से धमकता है फिर उनसे रंगदारी की मांग करते हैं।

रंगदारी की रकम अगर मिल जाती तो सब कुछ ठीक रहता है और नहीं तो फिर व्यवसायियों पर गोली चला दी जाती है । यह लंबे समय से चला आ रहा है। अब तक यही माना जाता रहा है कि यह सारा नेटवर्क जेल से ही ऑपरेट किया जाता है। हालांकि इसका पुख्ता सबूत अब तक पुलिस को नहीं मिली है। लेकिन धनबाद जेल में सोमवार की देर रात हुई छापेमारी में प्रिंस खान के भाइयों के जेल वार्ड से मिले मोबाइल से कई अहम जानकारी मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। फिलहाल धनबाद पुलिस जब्त मोबाइल के कॉल डिटेल के अलावा कई तरह की जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि जेल से मोबाइल का इस्तेमाल किस कार्य के लिए किया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ के मंत्री को बीजेपी ने कारण बताओ नोटिस दिया

कोरबा निगम मामले में बयान देने पर मांगा जवाब, 3 सदस्यीय जांच कमेटी भी गठन किया

कोरबा/रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा नगर निगम के नवनिर्वाचित सभापति नूतन सिंह ठाकुर को बीजेपी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। साथ ही मंत्री लखनलाल देवांगन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नूतन सिंह ने पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल के खिलाफ बागी होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। इस मामले की जांच के लिए भाजपा ने 3 सदस्यीय टीम का गठन किया है। 7 दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है। बीजेपी की जांच कमेटी में पूर्व विधायक गौरीशंकर अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा रजनीश सिंह और श्रीनिवास राव को सदस्य बनाया गया है।

दरअसल, 8 मार्च को हुए निगम सभापति चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल, बागी प्रत्याशी नूतन सिंह ठाकुर और निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रहमान मैदान में थे। जिसमें नूतन सिंह ठाकुर को 33 पार्षदों ने वोट देकर सभापति बनाया था।

कोरबा में सभापति चुनाव के दौरान मंत्री लखनलाल देवांगन ने मीडिया में बयान दिया था। उन्होंने बागी नूतन सिंह को बधाई देते हुए कहा था कि, पार्टी ने हितानंद अग्रवाल को घोषित किया था। सभी पार्षद एक जुट होकर नूतन सिंह को समर्थन दिया। सबका फैसला मान्य है और हमारा उनको सहयोग रहेगा।

इस बयान को बीजेपी ने अनुशासन भंग करने की श्रेणी में पाया। साथ ही नोटिस में लिखा कि, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश पर आप अपना पक्ष 48 घंटे के अंदर प्रस्तुत करें।

सभापति चुनाव के लिए बीजेपी ने रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा को पर्यवेक्षक बनाया था। पुरंदर मिश्रा के नेतृत्व में बंद कमरे में लंबी बैठक हुई। पार्षदों को मनाने का प्रयास किया गया। हालांकि बताया जा रहा है कि, पार्षद नूतन के ही पक्ष में थे। इसके बाद भी संगठन ने हितानंद अग्रवाल के नाम पर सहमति जताई और उन्हें सभापति का आधिकारिक प्रत्याशी बनाया।

मीटिंग में पुरंदर मिश्रा के अलावा श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, विकास महतो, शहर जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा के अलावा कई भाजपा के दिग्गज नेता मौजूद थे। इस दौरान नूतन सिंह ठाकुर को भी मनाने की कोशिश की गई।

सूत्रों के मुताबिक, हितानंद को आधिकारिक प्रत्याशी बनाने के बीच नूतन वॉशरूम जाने के बहाने मीटिंग से निकल गए और सभागार चले गए। यहां सभापति के लिए उन्होंने नामांकन भी दाखिल कर दिया। जब चुनाव हुआ तो बीजेपी के ही पार्षदों ने नूतन सिंह को वोट दिया।

माओवादियों को हथियार मुहैया कराने वाले डीलर को 15 साल की सजा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) को हथियार मुहैया कराने वाले डीलर को विशेष अदालत ने 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी लंबे फरार समय से फरार है। एनआईए की विशेष अदालत ने बिहार औरंगाबाद के मंटू शर्मा के खिलाफ यह आदेश पारित किया। मंटू शर्मा को विभिन्न मामलों में दोषी पाया गया है। एनआईए ने कहा कि जांच में सामने आया कि मंटू शर्मा अवैध रूप से सीपीआई (एम) के सदस्यों को हथियार और गोला बारूद बेचने में शामिल है। एनआईए लंबे समय से उसे पकड़ने का प्रयास कर रही है।

एनआईए के प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की

लंबे समय से फरार

हथियार और गोला-बारूद आपूर्ति इकाई के सदस्य प्रफुल्ल कुमार मालाकार को गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक यूएसए निर्मित एम-16 राइफल, 14 जिंदा राउंड, दो सेलफोन और एक बुलेट प्रूफ जैकेट जब्त किया गया था। मालाकार से पूछताछ के बाद अन्य आरोपी अनिल कुमार यादव और एक समूह के बारे में जानकारी मिली। एनआईए ने अनिल कुमार यादव को गिरफ्तार किया। उसके पास एक 9एमएम पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस, 9 लाख रुपये नकद और दो सेलफोन पाए गए। मंटू, यादव और मालाकार के करीबी संपर्क में था।

एनआई के प्रवक्ता ने कहा कि सीपीआई (माओवादी) का जोनल कमांडर यादव मालाकार से हथियार खरीदने जा रहा था, तभी उसे पकड़ लिया गया। एनआईए ने 2014 और 2017 के बीच मालाकार, यादव और मंटू के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इसके बाद मालाकार और यादव को दिसंबर 2024 में एनआईए विशेष अदालत ने दोषी ठहराया और 15 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

इसके बाद विशेष अदालत ने 10 मार्च को फरार चल रहे मंटू के खिलाफ कठोर कारावास और जुर्माने की कई सजा सुनाई। उसे विभिन्न आरोपों में तीन से 15 साल तक सजा सुनाई गई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। झारखंड पुलिस ने अगस्त 2012 में सिलोदर वन क्षेत्र में छापेमारी के दौरान सीपीआई (माओवादी) मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था।

बस्तर जिले में तैनात आरक्षक ने किया सुसाइड

टाकरागुड़ा जंगल में मिला शव, बड़ाजी थाने में था पदस्थ

जगदलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। बस्तर जिले के बड़ाजी थाने में पदस्थ एक आरक्षक ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली है, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी है।

मामले की जानकारी देते हुए बताया जा रहा है कि बड़ाजी थाने में पदस्थ आरक्षक नवलेश कश्यप 25 वर्ष ने मंगलवार की सुबह अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित तकरागुड़ा के जंगल में आत्महत्या कर ली।

ऐसा बताया जा रहा है कि मृतक आरक्षक पहले डीआरजी में था, उसके बाद उसकी पदस्थापना बड़ाजी थाने में कर दिया गया। वहीं मृतक लोहंडीगुड़ा का ही निवासी बताया जा रहा है। मृतक आरक्षक कुछ दिनों से डिप्रेशन में चल रहा था। लेकिन कारणों का पता नही चल पाया है। वहीं इस संबंध में उनके परिजनों से लेकर दोस्तों तक को इस मामले की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

मामले की जानकारी लगते ही एक टीम को घटनास्थल भेज दिया गया। जहां शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। वहीं इस घटना के संबंध में पुलिस की ओर से कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। आखिर आरक्षक ने सुसाइड क्यों किया है।

फिलहाल शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। वही परिजनों के अलावा दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है कि आखिर आरक्षक ने सुसाइड क्यों किया।

शराब की कीमत पर अवैध वसूली जारी

धनबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में शराब दुकानों पर अवैध वसूली का खेल जारी है। दुकानदार एमआरपी से 10 से 40 रुपए तक ज्यादा वसूल रहे हैं। यह स्थिति शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक की है। रांगाटॉड, जोराफाटक और चोरागोड़ा क्षेत्र की शराब दुकानों में यह अवैध वसूली रोज की बात हो गई है। ग्राहक एमआरपी पर शराब मांगे तो उसे बिना शराब के लौटना पड़ता है। वहीं, दुकानदारों का दावा है कि अतिरिक्त राशि ऊपर तक जाती है। यह स्थिति तब है जब दुकानें सरकारी व्यवस्था के अधीन हैं। निजी दुकानों के समय में भी इतनी अधिक वसूली नहीं होती थी। विभागीय अधिकारी इस मामले में कुछ भी बोलने से बचते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी खराब है।

सूर्यकांत समेत 5 आरोपियों की 19 मार्च तक बढ़ी न्यायिक-रिमांड

डीएमएफ घोटाला मामले में रानू-सौम्या ने लगाई जमानत याचिका, 17 मार्च को होगी सुनवाई

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हुए डीएमएफ घोटाला मामले में 1 दिन की न्यायिक रिमांड खत्म होने के बाद 5 आरोपियों को आज एसीबी-ईओडब्ल्यू कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सौम्या चौरसिया, निलंबित आईएएस रानू साहू और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, माया वारियर और मनोज द्विवेदी को 19 मार्च तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इसके अलावा, सौम्या चौरसिया और रानू साहू ने स्पेशल कोर्ट में जमानत याचिका भी लगाई है। जिस पर 17 मार्च की दोनों के जमानत आवेदन पर सुनवाई होगी। 3 मार्च सोमवार को कोल घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी समेत 12 लोगों को को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम

जमानत दी थी। लेकिन जमानत मिलने से पहले ही ईओडब्ल्यू ने डीएमएफ मामले में प्रोडक्शन वारंट में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। ऐसे में अंतरिम राहत मिलने के बाद भी तीनों की रिहाई नहीं हो पाई है।

अवैध कोल परिवहन केस में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत के बाद खनिज अधिकारी शिवशंकर नाग समेत 6 आरोपी रायपुर केंद्रीय जेल से बाहर आ गए हैं। 4 मार्च देर शाम सभी को छोड़ दिया गया है। पिछले ढाई साल से नाग जेल में बंद थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई। उनके साथ रोशन सिंह, हेमंत जायसवाल, चंद्रप्रकाश जायसवाल और मोइनुद्दीन कुरैशी भी जेल से छूट गए हैं। इस मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया और कारोबारी सूर्यकांत को अंतरिम राहत मिली है, लेकिन तीनों को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार डीएमएफ मामले में गिरफ्तार किया है। ऐसे में उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई है। प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। केस में यह तथ्य निकाल कर सामने आए हैं कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितता पाई गई।

गैंगस्टर प्रिंस के भाई के वार्ड से मिले 3 मोबाइल

छापेमारी में खुलासा, टॉयलेट में छिपाकर रखा था

धनबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद जेल में सोमवार की रात हुई औचक छापेमारी में 3 मोबाइल, एक एयर पॉड के अलावा एक मोबाइल-चार्जर मिला है। तीनों मोबाइल जेल में गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई गॉडविन खान और बंटी खान के वार्ड से मिले हैं। ये चीजें वार्ड के शौचालय में पॉलीथिन में छिपा कर रखी गई थीं। होली के मद्देनजर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए सतर्कता बरत रही है। पुलिस प्रशासन को जेल में मोबाइल होने का इनपुट मिला था। इसके बाद सोमवार रात डीसी माधवी मिश्रा और एसएसपी एचपी जनार्दनन के नेतृत्व में टीम जेल में छापेमारी करने पहुंची। टीम में सिटी एसपी अजीत कुमार के साथ डीएसपी, थानेदार, जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस लाइन से महिला और पुरुष बल शामिल थे।

छापेमारी के दौरान टीम गॉडविन और बंटी के वार्ड में पहुंची। वार्ड में टीम को कुछ नहीं मिला। वहीं, टॉयलेट की जांच की तो मोबाइल बरामद हुए। यह पहला मौका है जब छापेमारी के दौरान टीम को मोबाइल मिला।

इसके पहले अमन की हत्या के बाद हुई छापेमारी में 8 मोबाइल मिले थे। इसके बाद की छापेमारियों में खैनी, सिगरेट और चार्जर ही मिलते रहे हैं। अमन सिंह की 3 दिसंबर 2023 को जेल में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। छापेमारी कर जेल से बाहर निकली डीसी माधवी मिश्रा ने बताया कि जेल से 3 मोबाइल, एक एयर पॉड और एक चार्जर मिला है। बरामदगी को लेकर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

भारत के हथियार करेंगे हमारी हिफाजत

आर्मेनियाई विदेश मंत्री ने मेड इन इंडिया पर जताया भरोसा, जयशंकर से मिलकर कही बड़ी बात

येरेवन, 11 मार्च (एजेंसियां)। आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयन ने भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि भारत में बने हथियार उनके देश की सुरक्षा को बेहतर करने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। मिर्जोयन ने आर्मेनिया के डिफेंस की मजबूती के लिए भारत में बने रक्षा उपकरण खरीदने में रुचि दिखाई है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत के साथ उनका सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है। भारत दौरे पर आए मिर्जोयन ने सोमवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की है।

मिर्जोयन ने कहा कि वह आर्मेनिया के रक्षा क्षेत्र में सुधार और आधुनिकीकरण करना चाहते हैं, इसमें भारत अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, 'हम अपने रक्षा क्षेत्र में सुधार और अपनी सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में हैं।

इसके लिए भारत में बने रक्षा उपकरणों में हमारी दिलचस्पी है। भारत से हथियार खरीद आर्मेनियाई रक्षा प्रणाली में सुधार के लिए है।'

कश्मीर पर भारत के रुख का समर्थन

मिर्जोयन ने चाबहार बंदरगाह का इस्तेमाल करते हुए भारत से आर्थिक सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई है। उन्होंने ईरान के साथ भी अच्छे संबंध बनाए रखने की बात कही है। मिर्जोयन ने कहा कि उनके देश की वैश्विक शांति के लिए प्रतिबद्धता है। आर्मेनिया के विदेश मंत्री ने अपने बयान में जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख का समर्थन किया। साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन किया, जिसकी मांग भारत भी लंबे समय से कर रहा है। उन्होंने भारत और आर्मेनिया के बीच सदियों पुराने संबंधों का भी जिक्र करते हुए भारतीय छात्रों को आर्मेनिया में पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने येरेवन और दिल्ली के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की भी उम्मीद जताई। अजरबैजान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आर्मेनिया का इरादा सिर्फ अपनी रक्षा क्षमता को बढ़ाना है। आर्मेनिया किसी भी देश के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई नहीं करना चाहता।

आर्मेनिया को मिलते रहे हैं भारत से हथियार

अजरबैजान के साथ लंबे समय से संघर्ष के में उलझे आर्मेनिया को हालिया वर्षों में भारत से हथियार मिले हैं। आर्मेनिया को भारत से उसने रॉकेट-लांचर, तोपखाने बंदूकें, गोला-बारूद, स्नाइपर राइफलें, एंटी-टैंक मिसाइलें खरीदी हैं। भारत के लिए आर्मेनिया रक्षा भागीदार के अलावा राजनीतिक भागीदार भी है।

ऐसे में एक बार फिर आर्मेनिया ने भारत से हथियार खरीद की इच्छा जताई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो बोले- यूक्रेन को जमीन छोड़नी होगी

कहा– जंग का समाधान चाहिए तो ये करना होगा, बातचीत के लिए सऊदी पहुंचे

जेद्दाह, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अगर यूक्रेन जंग का समाधान चाहता है तो उसे अपनी जमीन छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। सोमवार के दिए बयान के मुताबिक 2014 से रूस के कब्जे वाले इलाके पर यूक्रेन को रियायत देने होगी यानी छोड़ना होगा।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को यह समझने की जरूरत है कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। रूस पूरे यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर सकता है और यूक्रेन के लिए भी यह बेहद कठिन होगा कि वह रूस को 2014 से पहले की स्थिति में वापस धकेल सके।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी सोमवार को सऊदी अरब पहुंचे। हालांकि, जेलेंस्की अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो के साथ बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी टीम इस बैठक में मौजूद रहेगी।

इस बैठक का मकसद 27 फरवरी को ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस की भरपाई करना है। इसमें यूक्रेन को मिलने वाली अमेरिकी सैन्य मदद और खुफिया जानकारी पर भी चर्चा होगी। जेलेंस्की और रुबियो

सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों के बीच आपस में कोई मुलाकात नहीं होगी।

अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद पर रोक लगा दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था।

ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है, जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

अमेरिका ने 5 मार्च से यूक्रेन के साथ सीक्रेट जानकारी शेयर करके पर रोक लगाई। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज का कहना है कि हमने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के मामले में एक कदम पीछे ले लिया है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और इसकी समीक्षा कर रहे हैं। वाल्ट्ज ने यूक्रेन के एनएसए से फोन पर बात की।

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है।

कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा।

अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड भारत आएंगी

इंडो-पैसिफिक दौरे पर रवाना हुई

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड भारत आएंगी। उन्होंने सोमवार को बताया कि वे इंडो-पैसिफिक देशों के दौरे पर निकली है। इस दौरान वे जापान, थाईलैंड और भारत का दौरा करेंगी। गबार्ड की भारत यात्रा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने तुलसी गबार्ड से मुलाकात की थी। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत प्रशांत महासागर में मौजूद अमेरिकी द्वीप हवाई की राजधानी होनोलुलू से की। यहां वे इंटेलिजेंस कम्युनिटी के लोगों, इंडो-पैसिफिक कमांड के लीडर्स और ट्रेनिंग ले रहे सैनिकों से मुलाकात करेंगी।

जर्मनी में कर्मचारी हड़ताल, 13 एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द

5 लाख यात्री प्रभावित, सैलरी बढ़ाने की मांग कर रहे 25 लाख वर्कर्स

बर्लिन, 11 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स के कर्मचारियों ने एक दिन की हड़ताल बुलाई है। इसकी वजह से सोमवार (भारतीय समयानुसार) को पूरे देश की हवाई यात्रा ठप हो गई है।

हड़ताल से पूरे देश में 13 प्रमुख एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द की गईं , जिनमें फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे प्रमुख एयरपोर्ट्स भी शामिल हैं। इसके चलते 5 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए हैं।

देश की 25 लाख सरकारी कर्मचारियों वाली वेरडी यूनियन ने सैलरी बढ़ाने की मांग लेकर इस हड़ताल का ऐलान किया था। जर्मनी के समय के मुताबिक ये हड़ताल सोमवार से शुरू होनी थी, लेकिन इसे तय समय से एक दिन पहले रविवार को ही शुरू कर दिया गया।

इस हड़ताल में पब्लिक डिपार्टमेंट के वर्कर्स, ग्राउंड स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड्स शामिल हैं। इसकी वजह से ज्यादातर जर्मन एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही रुक गई।

वर्कर्स यूनियन की मांग- सैलरी में 8% इजाफा किया जाए

वर्कर्स यूनियन एयरपोर्ट के कर्मचारियों के लिए 8% सैलरी वृद्धि या फिर सैलरी में कम से कम 34 हजार रुपए (350 यूरो) प्रति माह बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पिछले कई महीनों से वर्कर्स यूनियन कर्मचारियों के लिए एक नए समझौते पर बात कर रहा था। इस समझौते के तहत मांग की जा रही थी कि कॉर्पोरेट वर्कर्स की हेल्थ और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार किया जाए, ज्यादा छुट्टियां दी जाएं, सालाना बोनस में 50% की वृद्धि की जाए और कर्मचारियों के रेगुलर और अनिवार्य मेडिकल टेस्ट के लिए डॉक्टर चुनने की स्वतंत्रता दी जाए।

छुट्टियों की वजह से पैसेंजर्स को ज्यादा दिक्कत

हैम्बर्ग एयरपोर्ट की प्रवक्ता कैटजा ब्रोम ने कहा- ट्रेड यूनियन का व्यवहार बेईमानी भरा है। सोमवार को एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली 143 फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया है। बिना किसी सूचना के यह हड़ताल शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि इस समय देश में छुट्टियों का मौसम चल रहा है, जिस वजह से लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद है अब सोमवार शाम से ही एयरपोर्ट पर नॉर्मल ऑपरेशन शुरू होगा।

ब्रोम ने कहा कि रविवार का विरोध प्रदर्शन उन हजारों पैसेंजर्स को परेशान करने वाला है जिनका इस पूरे मामले से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं, वेरडी यूनियन के प्रवक्ता ने कहा कि हम ये मानते हैं इस हड़ताल से काफी लोग प्रभावित होंगे, लेकिन सरकार से बेहतर ऑफर पाने के लिए हमें ये परेशानी खड़ी करनी पड़ी।

ग्रीन कार्ड चाहने वाले भारतीयों के लिए बैड न्यूज लाया अमेरिकी वीजा बुलेटिन

ईबी-5 कैटेगरी में हुई तेज गिरावट

वॉशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अप्रैल 2025 का वीजा बुलेटिन जारी कर दिया है। इसमें रोजगार आधारित (ईबी) इमिग्रेंट वीजा कैटेगरी के लिए महत्वपूर्ण अपडेट की घोषणा की गई है। भारत को ईबी-5 अनरिजर्व्ड कैटेगरी में तीव्र गिरावट का सामना करना पड़ा है, जो दो साल से ज्यादा पीछे जाकर 1 नवंबर 2019 तक पहुंच गई है। चीन लगभग ढाई साल पीछे जाकर 22 जनवरी 2014 तक पहुंच गया है। अन्य सभी देशों के लिए ईबी-5 अनरिजर्व्ड कैटेगरी 'करंट' बनी हुई है। भारत के लिए ईबी-1, ईबी-2 और ईबी-3 कैटेगरी में थोड़ी प्रगति हुई है, जबकि ईबी-4 कैटेगरी वित्त वर्ष 2025 के अंत तक सभी देशों के लिए अनुपलब्ध रहेगी, क्योंकि वार्षिक सीमा पूरी हो चुकी है।

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते गिरफ्तार

आईसीसी के वारंट पर हुई कार्रवाई

मनीला, 11 मार्च (एजेंसियां)। फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते को मंगलवार को मनीला इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। दरअसल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने दुतेर्ते के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। दुतेर्ते मंगलवार को हॉन्ग-कॉन्ग से फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे थे, जहां एयरपोर्ट पर ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

पूर्व राष्ट्रपति पर हैं ये आरोप

दुतेर्ते पर आरोप है कि उनके मेयर कार्यकाल के दौरान ड्रग्स के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिसमें बड़े पैमाने पर लोगों की हत्याएं हुईं। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने

1 नवंबर 2011 को दुतेर्ते के खिलाफ जांच शुरू की। उस वक्त दुर्तेते फिलीपींस के दावाओ शहर के मेयर थे। आईसीसी की जांच 16 मार्च 2019 तक चली। दुतेर्ते के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान आईसीसी की जांच को निरस्त कराने की कोशिश की गई। हालांकि आईसीसी ने दुतेर्ते की मांग खारिज कर दी। दुतेर्ते साल 2022 में फिलीपींस की सत्ता से हटे थे।

दुर्तेते के प्रशासन ने साल 2021 के आखिर में वैश्विक न्यायालय की जांच को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा था। प्रशासन ने दलील दी थी कि उनके देश के अधिकारी पहले से आरोपों की जांच कर रहे हैं। दुर्तेते के प्रशासन ने कहा था कि ये मामला अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। हालांकि, साल 2023 के जुलाई महीने में न्यायालय ने दुर्तेते प्रशासन की आपत्ति को खारिज कर दिया और फैसला दिया था कि जांच फिर से शुरू हो सकती है।

सिकुड़ती हड्डियां, कमजोर मांशपेशियां स्पेस में लंबे समय तक रहने से क्या होता है?

धरती पर आने जा रहीं सुनीता विलियम्स के लिए टेंशन

वॉशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के धरती पर लौटने का रास्ता साफ हो गया है। जून 2024 से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में फंसे सुनीता और बुच की स्पेसएक्स ड्रैगन से अगले हफ्ते वापसी हो सकती है। दोनों का ये मिशन सिर्फ आठ दिन का था लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में खराबी के चलते उनको नौ महीने स्पेस से रहना पड़ रहा है। इतने लंबी समय अंतरिक्ष में रहने से उनके स्वास्थ्य, खासकर विकिरण से होने वाले प्रभाव को लेकर चिंता है। 59 साल की सुनीता विलियम्स एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। इससे पहले अपने दो अभियानों में वह 322 दिन स्पेस में बिता चुकी है। सुनीता 2006-2007 में 195 दिन और 2012 में 128 दिन स्पेस में रही हैं। वह

महिला अंतरिक्ष यात्रियों में सबसे ज्यादा स्पेसवॉक करने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उनके पास 50 घंटे 40 मिनट का स्पेसवॉक अनुभव है। हालांकि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के चलते सुनीता की सेहत को लेकर कई चिंताए हैं। अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने से मानव शरीर पर कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं। इसमें हड्डियों का घनत्व कम होना (सिकुड़ना) और मांसपेशियों का कमजोर होना शामिल है। शरीर में तरल पदार्थों का बंटवारा भी स्पेस में ज्यादा समय रहने से प्रभावित होता है। इनमें से कई प्रभाव समय के साथ ठीक हो जाते हैं लेकिन कुछ जारी रह सकते है।

अंतरिक्ष में विकिरण का जोखिम सबसे बड़ी चिंता का सबब होता है। दरअसल धरती पर चुंबकीय क्षेत्र (मेग्नेटिक फील्ड) इंसान के शरीर को विकिरण से बचाता है लेकिन अंतरिक्ष में ऐसा नहीं है। आईएसएस में इससे बचाव के लिए कई उपाय किए जाते हैं। इसके बावजूद जोखिम बना रहता है। ऐसे अध्ययन सामने आए हैं, जो बता हैं कि अंतरिक्ष यात्री 150 से 6,000 एक्सरे के बराबर विकिरण के संपर्क में आते हैं। भारतीय खगोल वैज्ञानिक डॉक्टर पी श्रीकुमार का कहना है कि सामान्य विकिरण का प्रभाव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

दक्षिण अफ्रीका में बड़ा हादसा

राजमार्ग पर बस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग, 11 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां राजमार्ग पर एक बस के पलट जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 45 लोग घायल बताए जा रहे हैं। शहर के एकुरहुलेनी आपातकालीन प्रबंधन के प्रवक्ता विलियम नथलाडी ने बताया कि आपातकालीन दल ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। वह बस को सीधा करने की कोशिश में जुटे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि क्या कोई और पीड़ित बस के नीचे फंसा हुआ है। दुर्घटना जोहान्सबर्ग के मुख्य ओआर टैम्बो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक राजमार्ग पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि बस राजमार्ग के किनारे पर पलटी हुई थी। यह जोहान्सबर्ग के पूर्व में स्थित टाउनशिप या कैटलहोंग से लोगों को ले जा रही थी।

ब्लड मून के दौरान चंद्र मिशन पर खतरा

पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान क्या मर जाएगा नासा और चीन का चंद्रयान?

वॉशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के खगोलविज्ञानी और अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए गुरुवार-शुक्रवार (13-14 मार्च) की रात अंतरिक्ष में ब्लड मून का अनोखा नजारा होगा। इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी की छाया में रहेगा, जिसे पूर्ण चंद्रग्रहण दिखाई देगा। लेकिन जब ये घटना हो रही होगी, ठीक उसी समय अंतरिक्ष में चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे अंतरिक्ष यान के लिए खतरा पैदा होने जाएगा। नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) के लिए यह समय खुद को बचाने की चुनौती लेकर आएगा, जो साल 2009 से चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा है।

चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले ऑर्बिटर सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं, लेकिन चंद्रग्रहण के दौरान चांद पृथ्वी की छाया में चला जाता है और यह सूर्य से कट जाता है। ऐसे में इसके संचालन के लिए समस्या उत्पन्न होने लगती है।

स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में एलआरओ मिशन के प्रोजेक्ट साइंटिस्ट नोआ पेट्रो के हवाले से बताया गया कि पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्र अंतरिक्ष यान के ऐसे उपकरण जो आवश्यक नहीं है, उन्हें बंद रखा जाएगा। ग्रहण के दौरान एलआरओ की बैटरी को खतरा है। अंतरिक्ष यान सौर ऊर्जा से चलता है और चंद्रमा के चारों ओर अपनी लगभग दो घंटे की कक्षा के दिन के उजाले वाले हिस्से को अपनी ऑनबोर्ड बैटरी को चार्ज करने के लिए इस्तेमाल करता है। इस चार्जिंग पर वह रात वाले हिस्से में निर्भर करता है। हालांकि, नासा ने बताया है कि 2018 तक लगातार चार्जिंग के चलते एलआरओ की बैटरी की दक्षता पहले ही 70 फीसदी तक कम हो गई थी। 13-14 मार्च को पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान नासा का एलआरओ 5 घंटे 48 मिनट तक अंधेरे में रहेगा। यह अपेक्षाकृत लंबा समय है, लेकिन पेट्रो को भरोसा है कि एलआरओ की बैटरी अंतरिक्ष यान को चालू रख सकती है। पेट्रो ने कहा कि ग्रहण में प्रवेश करने से पहले बैटरी को अधिकतम क्षमता तक चार्ज कर लिया जाएगा। इसकी शक्ति को बहुत अधिक कम होने से बचाने के लिए अंतरिक्ष यान पर मौजूद हर वैज्ञानिक उपकरण को बंद किया जा रहा है। ग्रहण के दौरान अंतरिक्ष यान के अंदर का तापमान माइनस 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। पेट्रो ने कहा, अंधेरे में रहने से उपग्रह भी ठंडा हो जाता है, इसलि हम ग्रहण से पहले उपकरणों और अंतरिक्ष यान को गर्म कर देंगे। इससे ग्रहण के दौरान हीटरों से न्यूनतम अतिरिक्त बिजली खपत सुनिश्चित होती है।

नेपाल फिर बनेगा हिंदू राष्ट्र ?

राजशाही की वापसी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी जनता

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में इस रविवार को हुए घटनाक्रम से सियासी हलचल बढ़ गई है। रविवार को काठमांडू में नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे। ज्ञानेंद्र शाह के समर्थकों ने नेपाल में राजशाही की बहाली और हिंदू धर्म को फिर से राजकीय धर्म बनाने की मांग की है। ज्ञानेंद्र शाह पश्चिमी नेपाल के दौरे से लौट रहे थे तो काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर करीब दस हजार लोगों की भीड़ जुटी। इस दौरान भीड़ ने 'राजा के लिए राजमहल खाली करो', राजा वापस आओ, देश बचाओ। हम क्या चाहते- राजशाही और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाओ जैसे नारे लगाए।

साल 2006 में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद ज्ञानेंद्र के हाथ से सत्ता निकल गई थी। इसके दो साल बाद संसद ने राजशाही को खत्म किया था। इसके बाद नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता रही है। 2008 में राजशाही खत्म होने के बाद से नेपाल में 13 सरकारें बन चुकी हैं। बीते कुछ वर्षों में नेपाल की अर्थव्यवस्था भी गिरी है। ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में जुटे लोगों ने इसका जिक्र करते हुए कहा कि देश को बचाने के लिए वे बदलाव चाहते हैं। सीएनएन से बात करते हुए 72 वर्षीय थिर बहादुर भंडारी ने कहा कि हम नेपाल को बचाने और राजा को फिर से राजगद्दी पर बिठाने के लिए आए हैं।

ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में आए 50 वर्षीय कुलराज श्रेष्ठ ने 2006 में राजशाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। अब वह सड़क पर राजा का समर्थन कर रहे हैं। श्रेष्ठ ने कहा, 'देश में सबसे बुरी चीज बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। सत्ता में बैठे सभी नेता देश के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। मैं उन विरोध प्रदर्शनों में शामिल था, जिन्होंने राजशाही को हटाया। मुझे उम्मीद थी कि बेहतरी आएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजशाही जाने के बाद राष्ट्र और नीचे गिर गया है। इसलिए मैंने अपना मन बदला है।'

ज्ञानेंद्र को मिले समर्थन के बावजूद फिलहाल उनके सत्ता में लौटने की संभावना कम है। वह साल 2002 में नेपाल के राजा बने थे और 2005 तक बिना किसी राजनीतिक शक्ति के संवैधानिक राष्ट्राध्यक्ष थे। इसके बाद उन्होंने सरकार और संसद को भंग करते हुए पूरी सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने आपातकाल की घोषणा करते हुए देश पर शासन करने के लिए सेना का इस्तेमाल किया था। इसके बाद देशभर में उनके खिलाफ गुस्सा देखा गया था। इसे बहुत से लोग अभी भूले नहीं हैं। ऐसे में ज्ञानेंद्र के सत्ता में वापस आने की राह बहुत आसान नहीं है।

हड़ताल के बाद काम पर न लौटने वाले 2,000 जेल प्रहरियों पर सख्ती

नौकरी से निकाला गया

न्यूयॉर्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में सप्ताह भर चली हड़ताल के बाद काम पर वापस नहीं लौटने पर प्रशासन ने सोमवार को 2,000 से अधिक जेल प्रहरियों को नौकरी से निकाल दिया है। प्रशासन ने कहा कि हड़ताल को समाप्त घोषित करने के लिए पर्याप्त अधिकारी काम पर वापस आ गए हैं। कमिश्नर डैनियल मार्टुसेलो ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, '22 दिनों की अवैध हड़ताल के बाद, गवर्नर और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हड़ताल समाप्त हो गई है।'

राज्य और जेल के प्रहरियों की यूनियन ने इस सप्ताहांत हड़ताल समाप्त करने के लिए एक नया समझौता किया, लेकिन यह सोमवार की सुबह तक कम से कम 85 फीसदी कर्मचारियों के काम पर लौटने पर निर्भर था। यह संख्या समझौते को गति देने के लिए आवश्यक 85 फीसदी के लक्ष्य से कम थी।

मार्टुसेलो ने कहा कि राज्य समझौते के ओवरटाइम और कुछ अन्य प्रावधानों का सम्मान करेगा। उन्होंने कहा कि नेशनल गार्ड जेलों में सहायक पद पर रहेंगे, जबकि विभाग अतिरिक्त कर्मचारियों के लिए तेजी से भर्ती अभियान चलाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य भर की जेलों में काम करने के लिए लगभग 10,000 सुरक्षा कर्मचारी उपलब्ध हैं, जबकि हड़ताल से पहले यह संख्या लगभग 13,500 थी।

2000 कर्मचारियों को भेजा गया बर्खास्तगी पत्र

उन्होंने कहा, 'हड़ताल कर रहे 2,000 से ज़्यादा अधिकारियों को बर्खास्तगी पत्र भेजे गए हैं। जिन अधिकारियों और सार्जेंटों के पास पहले से स्वीकृत चिकित्सा अवकाश नहीं था और जो आज सुबह 6:45 बजे तक वापस नहीं आए, उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है।' प्रहरियों की यूनियन 'न्यूयॉर्क स्टेट करेक्शनल ऑफिसर्स एंड पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन' को प्रतिक्रिया के लिए एक ईमेल भेजा गया था। काम करने की स्थितियों पर असंतोष जताते हुए कई जेल प्रहरियों ने 17 फरवरी को हड़ताल शुरू कर दी, जिससे गवर्नर कैथी होचुल को संचालन बनाए रखने के लिए नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजना पड़ा।

1 जुलाई से सरकार लागू करेगी नया नियम

खनन माफियाओं पर कसा जाएगा शिकंजा

धौलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। धौलपुर के सरमथुरा में खनन माफिया पर शिकंजा कसने के लिए सरकार जीपीएस का सहारा लेगी। जीपीएस एवं टैग लगे वाहन ही बजरी व अन्य खनिज का परिवहन कर सकेंगे। साथ ही बिना व्हीकल लोकेशन डिवाइस व रेडियो फ्रिक्वेंशी आइडेंटिफिकेशन (आरएफ आइडी) सिस्टम के वाहनों का ई-रवन्ना नहीं कटेगा। खान विभाग के अतिरिक्त निदेशक पुष्कर राज आमेटा ने समस्त अभियंताओं को परिवहन में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेकिंग सिस्टम (ईटीएस) से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की लोकेशन खान विभाग को मिलती रहेगी।

वहीं, खनिज अधिकारियों की जानकारी में रहेगा कि खनिज किसी लीज एरिया से भरा गया है या नहीं। वाहन की लोकेशन के बिना रवन्ना जारी नहीं होगा। आरएफआइडी से कांटे पर गाड़ी नंबर ट्रेस हो जाएंगे। इसके अलावा किस रूट से खनिज ले जाया जा रहा है यह देखा जा सकेगा। खनिज परिवहन रजिस्टर्ड वाहनों से ही किया जा सकेगा। इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित होंगे।

बिना ई-वे बिल खनिज का परिवहन, अवैध खनन मिला बढ़ावा

सरकार ने खनिज परिवहन के लिए ट्रांजिट पास (टीपी) को बंद कर ई-वे बिल लागू कर दिया है। सरकार के ई-वे बिल की नई व्यवस्था लागू करने के बाद अवैध खनन और ओवरलोडिंग को जमकर बढ़ावा मिलने लगा है। खनिज माफियाओं के सक्रिय होने के कारण बिना ई-वे बिल धड़ल्ले से खनिज का परिवहन किया जा रहा है। वहीं वाहन व खनिज से संबंधित डाटा से विभाग अछूता है, जबकि पूर्व में टीपी कंफर्म होने पर गाडी फोटो, वाहन में भरा खनिज और उसका भार, कांटे का नाम सहित पूरा डाटा विभाग को पोर्टल पर मिल जाता था लेकिन ई-वे बिल में यह व्यवस्था नहीं होने के कारण डीलर, वाहन मालिक इसका जमकर फायदा उठाने में लगे हैं जिससे अब रॉयल्टी चोरी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

धर्मकांटा पर वाहन में भरे खनिज की वैध स्थिति स्पष्ट होने पर ही वाहन का रवन्ना कन्फर्म हो सकेगा। धर्मकांटा व खनिज परिवहन करने वाले वाहनों को मिनरल ट्रेकिंग सिस्टम सॉटवेयर से जोड़ा जाएगा। जिससे वाहन में खनिज भरने से लेकर गंतव्य तक पहुंचने तक की पूरी अवधि व मार्ग की ऑनलाइन निगरानी होगी। सरकार ने खनिज का अवैध परिवहन रोकने के लिए वाहनों पर जीपीएस सिस्टम एवं टैग लगाने के निर्देश दिए हैं। इस व्यवस्था से खनिज का अवैध परिवहन करने वाले वाहन शीघ्रता से पकड़ में आएंगे। संबंधित लीज से ही ई-रवन्ना कटेगा, 1 जुलाई से नई व्यवस्था प्रभावी हो जाएगी।- पुष्पेन्द्र मीणा, खनिज अभियंता, धौलपुर

वाहनों का डेटा रहेगा उपलब्ध

जानकारी के अनुसार धर्मकांटा को भी खान विभाग के ई-रवन्ना पोर्टल से जोड़ा जाएगा। इससे विभाग के पास सभी वाहनों का डेटा उपलब्ध रहेगा। बिना वैध ई-रवन्ना और तय मार्ग से अन्यत्र मार्ग पर चलने वाले वाहनों को अवैध माना जाएगा। जिन वाहनों में जीपीएस नहीं लगा होगा और आगे-पीछे स्पष्ट नंबर नहीं होंगे। उन्हें खनिज देने वाले स्टोन केशर, स्क्रीनिंग प्लांट, रिटेल भंडारकर्ता व अनुज्ञाधारक के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

जेडीए अधिकारी की 253% से ज्यादा काली कमाई का भंडाफोड़

एसीबी ने अधिकारी के ठिकानों पर मारा छापा

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जयपुर विकास प्राधिकरण में अधीक्षण अभियंता अविनाश शर्मा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति का खुलासा हुआ, जिसमें 6.25 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति और नकदी बरामद की गई है। यह उनकी वैध आय से 253% अधिक बताई जा रही है। मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस बैंक लॉकरों सहित अन्य संपत्तियों की छानबीन में जुटी है।

एसीबी के एडिशनल एसपी ज्ञानप्रकाश नवल और उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अविनाश शर्मा ने अपने सरकारी कार्यकाल के दौरान आय से कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में यह खुलासा हुआ कि उन्होंने सरकारी सेवा में रहते हुए विभिन्न स्रोतों से करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति बनाई। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी शर्मा की संपत्तियों की परतें खुलती गईं और भ्रष्टाचार का बड़ा जाल सामने आया।

एसीबी जांच में पता चला कि अविनाश शर्मा ने जेडीए में रहते हुए बिल्डर्स और प्राइवेट कॉलोनाइजर्स को फायदा पहुंचाया। इसके बदले में उन्होंने कई भूखंड बेहद कम कीमतों पर खरीदे, जबकि कुछ उन्हें तोहफे के रूप में भी मिले। जयपुर के गोपालपुरा मोड़, मानसरोवर, सांगानेर, पृथ्वीराज नगर, जगतपुरा, प्रतापनगर और रिंग रोड के आसपास 25 से अधिक कॉलोनियों में 50 से ज्यादा प्लॉट और अन्य संपत्तियां उनके नाम पर पाई गईं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। एसीबी को उनके सात बैंक खातों में कुल 30 लाख रुपये जमा होने की जानकारी मिली। इसके अलावा बेटियों की पढ़ाई पर करीब 50 लाख रुपये खर्च किए गए, जिसमें मणिपाल यूनिवर्सिटी और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में दी गई शिक्षा शामिल है। करीब 90 लाख रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश किए गए, जबकि 25 लाख रुपये गाड़ियों की खरीद और संचालन पर खर्च होने के प्रमाण मिले हैं।

एसीबी की टीम ने जयपुर के गोपालपुरा मोड़, हिम्मत नगर, कीर्ति सागर, इनकम टैक्स कॉलोनी, मांगियावास, मालवीय नगर और राठी नगर सहित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। इन ठिकानों में मकान, प्लॉट और कार्यालय शामिल हैं, जहां से महत्वपूर्ण दस्तावेज और संपत्तियों के रिकॉर्ड बरामद किए गए हैं।

एसीबी की जांच में यह भी सामने आया कि जेडीए में पदस्थापन के दौरान अविनाश शर्मा ने जिन 25 कॉलोनियों और स्कीमों का नियमन किया, उनमें निजी बिल्डरों और डेवलपर्स को सीधा लाभ पहुंचाया गया। इस मामले में अलग से जांच की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि कितनी कॉलोनियों को गलत तरीके से मंजूरी दी गई और कितने भूखंड अवैध रूप से अर्जित किए गए।

अब तक 6.25 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति का खुलासा हो चुका है, लेकिन एसीबी अधिकारियों का मानना है कि असली आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। बैंक लॉकरों, अन्य वित्तीय लेन-देन और निवेश की गहन जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले में आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

विधानसभा में दिया कुमारी पर भड़के कांग्रेस विधायक

आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना का उठाया मुद्दा; बोले- 'एक भी पैसा खर्च नहीं किया'

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने प्रदेश में नवीन आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना को लेकर सवाल पूछा। जिसके जवाब में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के खोलने के मापदंडों की जानकारी दी। कांग्रेस विधायक बोहरा ने सही जवाब नहीं मिलने पर आपत्ति जाहिर की।

दरअसल, विधायक बोहरा ने सदन में आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना पर बजट खर्च करने को लेकर सवाल पूछा। जिस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने इसे मूल प्रश्न से अलग बताते हुए कहा कि इस संबंध में अलग से जानकारी दी जा सकती है। जिस पर रोहित बोहरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि आपने एक भी पैसा खर्च नहीं किया है।

बजट हेतु अधिकारियों के मांगी रिपोर्ट

दिया कुमारी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार ने 365 आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इन आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए उक्त उपनिदेशकों से आवश्यक बजट हेतु रिपोर्ट मांगी है, जिससे वित्त विभाग को भेजी जा सके।

कृपलानी ने नंदीशालाओं से जुड़ा सवाल पूछा

विधायक श्रीचंद कृपलानी ने चित्तौड़गढ़ जिले में नंदीशालाओं के लिए बजट आवंटन को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि चित्तौड़गढ़ के नंदीशालाओं से जुड़े आवेदनों की स्थिति क्या है? जिस पर मंत्री जोराराम कुमावत ने जवाब देते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ जिले में कई आवेदकों के मापदंड पूरे नहीं होने के कारण उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए हैं।

नागौर में दो बड़े सड़क हादसे

सात लोगों की मौत, कई घायल

नागौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार रात व सुबह दो बड़े एक्सीडेंट होने से सात लोगों की मौत हो गई। साथ ही कई जने घायल हो गए। पहला एक्सीडेंट सोमवार रात करीब डेढ़ बजे बीकानेर रोड पर बाराणी के पास हुआ, जिसमें कार पलटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो जने गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद दूसरा हादसा डेह के आगे लाडनूं रोड पर हुआ, जहां एक स्लीपर बस पलट गई। जिसमें तीन लोगों के मरने की सूचना है, जबकि कई घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उपचार करवाया जा रहा है। नागौर के जेएलएन अस्पताल चौकी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार रात बाराणी के पास हुए एक्सीडेंट में कार सवार बाराणी निवासी 30 वर्षीय सुशील जाट, 25 वर्षीय मेहराम जाट, रेवंतराम व पुत्र पदमाराम व 32 वर्षीय महेन्द्र पुत्र डालूराम जाट की मौत हो गई। इस दुर्घटना में बाराणी के ही 25 वर्षीय महेन्द्र पुत्र नेनाराम व 25 वर्षीय दिनेश पुत्र मांगीलाल गंभीर घायल हो गए, जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया। डेह से आगे लालदास जी महाराज की धाम के पास मंगलवार सुबह-सुबह एक वोल्वो बस पलटी खा गई, जिससे तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक घायल हो गए। बस पलटने से चीख पुकार मच गई। मरने वालों की पहचान जोधपुर निवासी हर्षित, आरुषि व आरव के रूप में हुई है, ये सभी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी बताए जा रहे हैं। जबकि घायलों को डेह में प्राथमिक उपचार के बाद नागौर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया। नागौर लाए गए घायलों में भानु, साक्षी, मोहम्मद, वेद, वासुदेव, वृंद्धा आदि शामिल हैं।

विधानसभा में उठा पीएम सम्मान निधि में घोटाले का मुद्दा

13 हजार अपात्र लोगों ने उठा ली करोड़ों की राशि

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि में घपले का मामला उठा। मारवाड़ जंक्शन से विधायक केसाराम चौधरी ने सवाल करते पूछा कि क्या विधानसभा क्षेत्र मारवाड़ जंक्शन में भूमिहीन 13,860 व्यक्तियों द्वारा फर्जी तरीके से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि उठायी गई।

जिसके जवाब में मंत्री ने स्वीकार करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय में मारवाड़ जंक्शन में 13,858 अपत्र आवेदन पंजीकृत हुए। इनमें से 13,720 उन गांवों के निवासी ही नहीं है। इन अपात्र व्यक्तियों को 8 करोड़ 26 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। यह मामले 2019 से 2023 तक के है, सरकार दोषी को नहीं बख्शेगी।

मामले में जांच करवाने के लिए पाली कलेक्टर को निर्देशित किया गया है।

विधायक का प्रश्न– क्या विधानसभा क्षेत्र मारवाड़ जंक्शन में भूमिहीन 13,860 व्यक्तियों द्वारा फ़र्ज़ी तरीक़े से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि उठायी गयी है? यदि हां, तो कितने वर्षों से व उनके खातों में कितनी राशि जमा संख्यात्मक विवरण सदन की मेज़ पर रखें।

मंत्री का उत्तर– विधानसभा क्षेत्र मारवाड़ जंक्शन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत कुल 13858 अपात्र व्यक्तियों के आवेदन पंजीकृत हैं, जिन्हें योजना के तहत विभिन्न किश्तों के माध्यम से 826.66 लाख राशि का लाभ प्राप्त हुआ है।

प्रश्न– इन व्यक्तियों में से ऐसे कितने व्यक्ति हैं, जो उन गांवों के निवासी नहीं है? क्या सरकार उनकी जांच करवाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

उत्तर– योजनान्तर्गत 13858 अपात्र व्यक्तियों में से 13720 व्यक्तियों के नाम ऐसे हैं जो उन गांवों के निवासी नहीं हैं। प्रकरण में जांच करवाने हेतु जिला कलेक्टर, पाली को निर्देशित किया गया है।

पाकिस्तान के हैदराबाद में बनेगा राधा-कृष्ण का भव्य मंदिर, जयपुर में तैयार हो रही हैं मूर्तियां

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में भगवान राधा-कृष्ण का भव्य मंदिर बनाया जा रहा है, जहां स्थापित होने वाली काले पत्थर से बनी श्रीकृष्ण की मूर्ति जयपुर के प्रसिद्ध पांडे मूर्ति भंडार में तैयार की जा रही है। इस मूर्ति का निर्माण अनुभवी मूर्तिकार प्रशांत पांडे और उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। मंदिर निर्माण वहां के स्थानीय हिंदू संगठनों की पहल पर किया जा रहा है, जो हिंदू समुदाय के लिए श्रद्धा और आस्था का केंद्र बनेगा।

पांडे मूर्ति भंडार पहले भी कई महत्वपूर्ण मंदिरों के लिए भव्य मूर्तियां तैयार कर चुका है। खासतौर पर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए भगवान रामलला की सफेद पत्थर से बनी प्रतिमा भी यहीं तैयार की गई थी। अब राम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित होने वाले राम दरबार की मूर्तियों का निर्माण भी इसी भंडार में हो रहा है।

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना होगी, जिसमें भगवान श्रीराम, माता सीता, भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और भक्त हनुमान की भव्य मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। यह कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरा हो जाएगा। इसके अलावा मंदिर में 19 अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी स्थापित की जाएंगी, जिनमें सूर्य भगवान, सप्त ऋषि, गणेश जी, दुर्गा माता और अन्य प्रमुख देवताओं की मूर्तियां शामिल हैं। इन मूर्तियों को विशेष धार्मिक परंपराओं और सुरक्षा कारणों से गुप्त रूप से तैयार किया जा रहा है। जब निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा तब इनकी भव्य प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। जानकारी के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना करेंगे। इस आयोजन की विशेष तैयारियां चल रही हैं।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और पाकिस्तान के हैदराबाद में राधा-कृष्ण मंदिर की स्थापना हिंदू समुदाय के लिए धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण कार्य है। इन मंदिरों की स्थापना से धार्मिक आस्था को बल मिलेगा और यह भारतीय एवं वैश्विक हिंदू समाज के लिए गौरव का विषय होगा। जल्द ही दोनों मंदिरों में देव प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा कर श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त होगा।

गलती से चली एयर गन

गोली का छर्रा सिर में लगने से एक व्यक्ति की मौत, जांच में जुटी पुलिस

उदयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। घंटाघर थाना इलाके में दर्दनाक हादसे में 53 वर्षीय अरविंद पालीवाल की मौत हो गई। घर में एयर गन लेकर बैठे अरविंद से गलती से फायर हो गया, जिससे गोली का छर्रा सीधे उनके सिर में जा लगा। घायल अवस्था में उन्हें एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद परिवार के लोग उन्हें आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए अरविंद को आईसीयू में भर्ती किया, लेकिन लगातार इलाज के बावजूद सोमवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि यह हादसा वास्तव में गलती से हुआ या इसके पीछे कोई और वजह थी। साथ ही एयर गन की खरीद, लाइसेंस और इस्तेमाल को लेकर भी जांच जारी है।

'दुष्कर्मियों को नपुंसक बनाने का बने कानून

छेड़छाड़ करने वालों की पिटाई हो', राज्यपाल बागडे का बयान

भरतपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में गर्भवती महिला के साथ रेप कांड का मामला गरमाया हुआ है। जयपुर में एक कॉन्स्टेबल ने गर्भवती महिला के साथ होटल में रेप कर दिया। सोमवार को विधानसभा में इस मामले पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि हमारी सरकार अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शने वाली नहीं है। कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस रेप कांड की चर्चा के बीच राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने महिला अत्याचार पर बड़ा बयान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि दुष्कर्म करने वालों के खिलाफ ऐसा कानून होना चाहिए कि आरोपी को पकड़कर नपुंसक बना देना चाहिए।

राज्यपाल हरिभाऊ सोमवार को भरतपुर दौरे थे, जहां उन्होंने महात्मा गांधी पशु चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला बार संघ के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान राज्यपाल ने महिला अत्याचार को लेकर लेकर कहा कि जहां महिला अत्याचार होता है, वहां लोग उसकी मदद करने के बजाय उसका वीडियो बनाते हैं, लेकिन लोगों को वीडियो बनाने के बजाय उसकी मदद के लिए आगे आना चाहिए जिससे और भी लोग आगे आएं।

उन्होंने कहा कि जो अपराध करता है, वह अकेला रहता है और आप जब मदद करेंगे तो आप तीन-चार लोग होंगे। जब तक यह मानसिकता हमारे मन में नहीं आएंगे, तब तक दुष्कर्म नहीं रुकने वाले। रेपिस्ट को नपुंसक बनाने का हो कानून राज्यपाल ने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे महाराष्ट्र में 1 ग्राम पंचायत थी, जहां कुत्ते बहुत हो गए थे। उनका बधियाकरण कर दिया गया, यानि उन्हें नपुंसक बना दिया गया। इसी तरह जो व्यक्ति महिला और बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देता है और उसके खिलाफ भी ऐसा कानून होना चाहिए और आरोपी को तुरंत पकड़कर नपुंसक बना देना चाहिए।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे राजस्थान के छात्र की गुजरात में मौत

बीजेपी विधायक के बेटे पर लगे आरोप; हनुमान बेनीवाल ने की सीबीआई जांच की मांग

भीलवाड़ा, 11 मार्च (एजेंसियां)। यूपीएससी की तैयारी कर रहे राजस्थान के छात्र की गुजरात में संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। इस मामले में मृतक राजकुमार जाट के पिता ने गुजरात के एक बीजेपी विधायक के बेटे पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

बता दें कि राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के जबरकिया निवासी रतनलाल जाट करीब 30 साल से परिवार के साथ गुजरात में राजकोट जिले के गोंडल में रह रहे है। यहां उनका बेटा राजकुमार जाट यूपीएससी की तैयारी कर रहा था, जो 3 मार्च को लापता हो गया था। जिसका शव 9 मार्च को मिलने के बाद हडकंप मच गया।

मृतक के पिता रतनलाल जाट ने बीजेपी विधायक के बेटे पर हत्या का आरोप लगाया है। पीड़ित परिजनों ने पुलिस थाने शिकायत दर्ज करवाई कि 2 मार्च की शाम बेटा मंदिर गया था। इसके बाद रतनलाल अपने बेटे के साथ मंदिर से घर लौट रहे थे। रास्ते में बीजेपी की महिला विधायक के लोगों ने गाड़ी को रुकवाया और बेटे को एक मकान में ले गए। जहां पर एक युवक ने बेटे की पिटाई भी की। इसके बाद बेटे के साथ घर आ गए।

अगले दिन बेटा को पीटना शुरू कर दिया। इसमें विधायक जडेजा का बेटा भी शामिल था। कुछ देर बाद पिता-पुत्र बाइक से घर आ गए। इसे बाद बेटा कमरे में पढ़ने चला गया। लेकिन, सुबह कमरे में नहीं मिला। जब थाने में विधायक बेटे के खिलाफ मामला दर्ज करवाने पहुंचे तो पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की।

बीजेएस में देर रात हुई फायरिंग

जमानत पर छूटे युवक पर दोस्त ने चलाई गोली, आरोपी फरार

जोधपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शहर के बीजेएस इलाके में स्थित हनुमंत हॉस्टल के सामने सोमवार देर रात एक युवक पर उसी के साथी ने फायरिंग कर दी। गोली युवक के कंधे और गर्दन के बीच से छूकर निकल गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल युवक को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फायरिंग की यह घटना एसीपी ऑफिस (पूर्व) के पास हुई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। महामंदिर थाना अधिकारी देवेंद्र सिंह पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे छात्र नेता जेठू सिंह और ओम सिंह मुंजासर गुट के बीच रंजिश का नतीजा मान रही है। जानकारी के अनुसार घायल युवक दिगंबर सिंह हाल ही में मारपीट के एक केस में जमानत पर छूटा था। सोमवार रात भमसा नामक युवक ने उसे फोन कर मिलने के लिए बुलाया। दिगंबर अपनी कार लेकर उससे मिलने पहुंचा, जिसके बाद दोनों कार में बैठकर हनुमंत हॉस्टल के पास गए।

अवैध विस्फोटक सामग्री ले जाते आरोपी गिरफ्तार

बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद

करौली, 11 मार्च (एजेंसियां)। जिले के लांगरा थाना पुलिस ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध विस्फोटक सामग्री ले जाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है, जिसे अवैध खनन कार्य में उपयोग किए जाने की आशंका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लांगरा थाना अधिकारी वासुदेव बैसवाल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में अवैध खनन और विस्फोटक तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री लेकर जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने बुगडार मोड़ पर नाकाबंदी कर वाहन की तलाशी ली और आरोपी को गिरफ्तार किया। इस मामले में गहलोत पुत्र नथुआ मीणा (40) निवासी ससेड़ी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई, जिसमें 5 नग गुल्ले, 90 छड़ हाई-एक्सप्लोसिव राजजैल, 53 फुट डेटोनेटर वायर, 10 फुट नीली बत्ती फ्यूज शामिल हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी इस विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल अवैध खनन कार्यों में करने के लिए ले जा रहा था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं और क्या आरोपी का संबंध किसी बड़े खनन माफिया से है।

सच्ची और स्थायी प्रगति स्थानीय लोगों की भागीदारी से ही संभव : राज्यपाल

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि आज इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपके सामने खड़े होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। आज हम मुलुगु जिले के कोंडापर्थी गांव के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं, जो एक आदिवासी गांव है जिसे बायो-विलेज के रूप में परिवर्तित किया जाना है।

यह पहल बुनियादी ढांचे और आजीविका से परे है- यह 370 व्यक्तियों वाले 79 परिवारों को एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है। पंचायती राज मंत्री सीतक्का के साथ राज्यपाल ने कोंडापर्थी गांव का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के उपमुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने त्रिपुरा में दासपारा गांव को गोद लिया और बायो-विलेज 2.0 मॉडल बनाया। तब से वह गांव स्थायी ग्रामीण प्रथाओं और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा है।

बढ़ी हुई कृषि उत्पादकता, स्वच्छ ऊर्जा समाधान और समुदाय के नेतृत्व वाले विकास के माध्यम से, दासपारा भारत के हरित भविष्य का मार्ग दिखा रहा है। बायो-विलेज मॉडल के पीछे की दृष्टि सरल और गहन दोनों है। यह पारिस्थितिक संतुलन, आर्थिक प्रगति और सामाजिक कल्याण को एक एकल, सुसंगत ढांचे में एकीकृत करता है। यह दृष्टिकोण पुष्टि करता है कि सच्चा विकास समावेशी, टिकाऊ और समुदाय द्वारा संचालित होना चाहिए। इस मॉडल के तहत कोंडापर्थी को अपनाकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि परंपरा और तकनीक साथ-साथ चलें। आधुनिक उपकरण और वैज्ञानिक ज्ञान स्थानीय ज्ञान को समृद्ध करेंगे, जबकि गांव की संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि स्थायी कृषि में, हमारा ध्यान जैविक खेती और जल संरक्षण को बढ़ावा देने पर होगा। जलवायु-अनुकूल फसलें और प्राकृतिक खेती के तरीके पैदावार को बढ़ाते हुए मिट्टी की रक्षा करेंगे। हम आजीविका के नए अवसर पैदा करने के लिए कृषि-प्रसंस्करण, सिलाई और मसाला बनाने का प्रशिक्षण शुरू कर रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में, हमारा लक्ष्य आने वाले दिनों में गांव को सौर पैनलों, बायोगैस इकाइयों और ऊर्जा-कुशल उपकरणों से बिजली देना है। वनीकरण और जल प्रबंधन जैसे प्रयास पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने और क्षरण को रोकने में मदद करेंगे। स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता शिक्षा और पोषण जागरूकता एक स्वस्थ समुदाय की नींव रखते हैं। शिक्षा में, हमने डिजिटल कक्षा शुरू करके स्कूल के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। कृषि में कौशल विकास, उद्यमिता युवाओं को एक उज्जवल, अधिक जुड़े हुए भविष्य के लिए तैयार करेगी।महिलाओं को सशक्त बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। स्वयं सहायता समूहों, उद्यमिता प्रशिक्षण के माध्यम से हमारा उद्देश्य महिलाओं में आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्व को बढ़ावा देना है। महिलाओं की समानता और गांव के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि सच्ची और स्थायी प्रगति केवल बाहरी सहायता से नहीं बल्कि स्थानीय लोगों की भागीदारी से ही संभव है। कोंडापर्थी का परिवर्तन उसके अपने समुदाय द्वारा किया जाएगा, जिसे सरकार, गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग द्वारा समर्थन दिया जाएगा। अब तक मैंने अपने विवेकाधीन अनुदानों के तहत 1.40 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी दी है, जिन्हें वर्तमान में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस परिवर्तन योजना के तहत विभिन्न पहलों को लागू करने के लिए गैर सरकारी संगठनों को भी शामिल किया जाएगा। हमने आदिवासी सांस्कृतिक विरासत और इसके संरक्षण का जश्न मनाने के हिस्से के रूप में दो महान आदिवासी प्रतीकों श्री बिरसा मुंडा और श्री कोमराम भीम की प्रतिमाएँ बनाई हैं और आज उनका अनावरण किया है।

हमने आदिवासी कल्याण प्राथमिक विद्यालय को मॉडल डिजिटल क्लास रूम के साथ अपग्रेड किया है। जैविक खेती को समर्थन देने के लिए सिंचाई बोरवेल प्रदान किए जा रहे हैं। सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण के लिए एक प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र की स्थापना की जा रही है, साथ ही महिला उद्यमियों के लिए मसाला बनाने की इकाई भी स्थापित की जा रही है, ताकि उनकी आजीविका में वृद्धि हो सके। आज, जब हम इस यात्रा पर विचार कर रहे हैं, तो मैं सभी हितधारकों से प्रतिबद्धता, रचनात्मकता और साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने का आग्रह करता हूं। मुझे यकीन है कि कोंडापर्थी ग्रामीण परिवर्तन के लिए एक मॉडल बनेगा, जो तेलंगाना और उसके बाहर भी इसी तरह के मॉडल को प्रेरित करेगा। मैं इस नेक प्रयास में योगदान देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं।

भारी मात्रा गांजा के साथ अंतरराज्यीय तीन तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद ने हुसैनी आलम पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ मिलकर हुसैनी आलम पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मुर्गीचौक में एक घर पर छापा मारा। इस दौरान अंतरराज्यीय गांजा ट्रांसपोर्टर को पकड़ा, जिनके पास से 30.70 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद यासीन उर्फ महमूद यासीन, निवासी मुर्गीचौक, हुसैनी आलम, हैदराबाद, गोपाल खरा उर्फ गोपाल, निवासी पोट्टांगी, कोरापुट, ओडिशा, उत्तम तामेल, निवासी लेंजीगुडा, पट्टांगी, पोट्टांगी, कोरापुट, ओडिशा शामिल हैं। पूछताछ करने पर पता चला कि, मोहम्मद यासीन उर्फ महमूद यासीन उत्तर प्रदेश के रामपुर का मूल निवासी है। वह पेशे से नाई है और गांजा परिवहन का आदी है। जनवरी- 2023 के महीने में, उसे विशाखापट्टनम-IV टाउन पुलिस ने गांजा ले जाते समय पकड़ लिया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया, और विशाखापट्टनम के केंद्रीय कारागार में बंद कर दिया। वर्ष 2024 में, वह जेल से रिहा हुआ और हैदराबाद आ गया और मुर्गीचौक, हुसैनी आलम, हैदराबाद में रहने लगा।

उसने एक सैलून किराए पर लिया और अपनी आजीविका चला रहा था। उसे मिलने वाली आय पर्याप्त नहीं थी, इसलिए उसने फिर से गांजा की आपूर्ति शुरू कर दी। वह अपने सहयोगियों गोपाल और उत्तम निवासी ओडिशा के साथ मिलकर गांजा ले जाता था और मंगलहाट क्षेत्र में अपने ग्राहकों को बेचता था। कुछ दिन पहले आरोपी यासीन ओडिशा गया, जहां उसकी मुलाकात अपने सहयोगियों गोपाल और उत्तम से हुई और विक्की निवासी रायगडा, पुकाली (एम) ओडिशा से लगभग 30 किलोग्राम गांजा खरीदा और उनके साथ हैदराबाद लौटा। इसी बीच पुलिस टास्क फोर्स ने हुसैनआलम पुलिस के साथ मिलकर प्रतिबंधित सामग्री के साथ उसे गिरफ्तार कर लिया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी, शब्बीर अली ने मुख्यमंत्री के इफ्तार के प्रबंधों की समीक्षा की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को प्रजा भवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के इफ्तार के प्रबंधों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी, अल्पसंख्यक कल्याण के विशेष सचिव तफसीर इकबाल और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक यास्मीन बाशा भी शामिल हुईं। बैठक के दौरान 21 या 22 मार्च को एलबी स्टेडियम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा आयोजित 'दावत-ए-इफ्तार' कार्यक्रम की योजनाओं को अंतिम रूप दिया गया। उच्चस्तरीय समिति ने राज्य भर के इमामों और मुअज्जिनों के तीन महीने के लंबित वेतन के लिए 21 करोड़ रुपये तत्काल जारी करने का भी निर्णय लिया। शब्बीर अली ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के लिए समय पर भुगतान और कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान। बैठक में हैदराबाद सहित तेलंगाना भर में 815 मस्जिदों में भव्य इफ़्तार व्यवस्था को भी मंजूरी दी गई। प्रत्येक मस्जिद को इफ़्तार सभाओं के आयोजन के लिए 1 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे व्यापक भागीदारी और सामुदायिक जुड़ाव सुनिश्चित होगा।

स्कूटर और लैपटॉप की मांग को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन

नलगोंडा, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए वादों को पूरा करने की मांग को लेकर छात्रों ने मंगलवार को तुंगतुर्थी में विरोध प्रदर्शन किया। क्रियान्वयन के लिए प्रतीक्षारत वादों में स्कूटर, लैपटॉप, 5 लाख शिक्षा आश्वासन कार्ड और गुरुकुल स्कूलों में बेहतर सुविधाएं शामिल हैं। कांग्रेस सरकार के 16 महीने सत्ता में रहने के बावजूद इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है, जिससे छात्रों में निराशा है। कई छात्रों ने अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि सरकार ने उनसे किये गये किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है।

छह सदस्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह को किया गिरफ्तार

आदिलाबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है जो पुराने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर देशभर में साइबर अपराध की योजना बना रहे थे। आरोपियों को मंगलवार को यहां मीडियाकर्मियों के सामने पेश किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2,125 डिस्कॉर्डेड मोबाइल फोन, 107 सिम कार्ड, 600 मोबाइल बैटरियां और पांच दोपहिया वाहन जब्त किए हैं।

गिरफ्तारियों का ब्यौरा देते हुए पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि गिरोह का सरगना थबारक और उसके पांच साथी मोहम्मद मेरुजल, महबूब आलम, मोहम्मद जमाल, मोहम्मद उजिर और अब्दुल्ला हैं, जो सभी बिहार के कटिहार जिले के दालान के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान, थबाराक ने पांच सदस्यों के साथ एक गिरोह बनाकर अपराध करने की बात कबूल की। उसने पुलिस को बताया कि पांचों लोग ग्रामीण लोगों से प्लास्टिक के घरेलू उपकरणों के बदले पुराने मोबाइल फोन इकट्ठा करते थे। उसने खुलासा किया कि बाद में वे बैंक के अधिकारी बनकर फ़िशिंग के ज़रिए लोगों से बड़ी रकम लूटकर ठगी करने के लिए फोन का इस्तेमाल करते थे।

एसपी ने बताया कि थबाराक ने पिछले दिनों कर्नाटक से 12,000 मोबाइल फोन खरीदने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि गिरोह ने इन फोन का इस्तेमाल करके देश भर में भोले-भाले लोगों को ठगने की बड़ी साजिश रची थी।

उन्होंने बताया कि अपराधी आसानी से कानून से बच निकलते हैं क्योंकि फोन और सिम कार्ड निर्दोष लोगों के नाम पर रजिस्टर्ड होते हैं। अखिल ने छह लोगों को पकड़कर साजिश को नाकाम करने के लिए साइबर क्राइम डीएसपी हसीबुल्लाह, आदिलाबाद डीएसपी जीवन रेड्डी, द्वितीय नगर इंस्पेक्टर करुणाकर राव और सीसीएस इंस्पेक्टर चंद्रशेखर की सराहना की।

नदी में मिला नवजात शिशु का शव

आदिलाबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को गुडीहाथनूर मंडल के गुरजा गांव के बाहरी इलाके में एक नवजात शिशु का शव मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्रामीणों को नदी में एक बच्चे का शव मिला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स-आदिलाबाद भेज दिया। पुलिस को संदेह है कि या तो किसी अविवाहित महिला ने बच्चे को जन्म दिया होगा और फिर उसे छोड़ दिया होगा, या फिर किसी विवाहित महिला ने बच्चे को छोड़ दिया होगा, अगर वह किसी कमी के साथ पैदा हुआ था। जांच जारी है।

सीपी दत्त ने खम्मम में घायल कांस्टेबल से की मुलाकात

खम्मम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने कांस्टेबल मल्लेला नरेश से मुलाकात की, जिनका सथुपल्ली में एक चोर द्वारा चाकू से घायल किए जाने के बाद खम्मम के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस आयुक्त ने अस्पताल के डॉक्टरों से कांस्टेबल की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बात की और उसे बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को समर्थन और हिम्मत की बातें बताईं और स्थानीय पुलिस को उनके लिए उपलब्ध रहने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि सोमवार देर रात को सथुपल्ली पुलिस स्टेशन में कार्यरत ब्लू कोल्ट्स कांस्टेबल नरेश पर एक अंतरराज्यीय चोर ने हमला कर दिया था, जब उसने चोर को पकड़ने की कोशिश की थी। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया, बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए खम्मम ले जाया गया।

सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से विकास निधि पर चर्चा की

पेद्दापल्ली/आसिफाबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में तेलंगाना के राज्य मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, चामला किरण और रघुराम रेड्डी ने भी भाग लिया। राज्य के विकास और पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आवश्यक केंद्रीय धन के आवंटन पर व्यापक चर्चा हुई। सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा ने केंद्रीय मंत्री से तेलंगाना राज्य को अधिक धनराशि आवंटित करने का अनुरोध किया है, विशेष रूप से पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। सड़क विस्तार, रेलवे विकास, औद्योगिक विकास और शैक्षिक बुनियादी ढांचे के विस्तार जैसे मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। केंद्र सरकार की मदद से पेद्दापल्ली के विकास के लिए और अधिक समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय राजमार्गों, ग्रामीण सड़कों के विकास और नई परिवहन परियोजनाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर मंत्री के साथ चर्चा हुई।

जल मेला-2025 का आयोजन

> तकनीकों के महत्व पर डाला गया प्रकाश

कोत्तागुडेम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटीसी मिशन सुनहरा कल (एमएसके) द्वारा आयोजित 'जल मेला-2025' में वर्षा जल संचयन, कुशल सिंचाई और टिकाऊ कृषि तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम मैसूर पुनर्वास एवं विकास एजेंसी (एमवायआरएडीए) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की जल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य (डब्ल्यूएएसएच) पहल के सहयोग से जिले के बुर्गमपाडु में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में सरकारी विभागों, उद्योगों और स्थानीय समुदायों के प्रमुख हितधारकों को पानी की सकारात्मकता और स्थिरता प्राप्त करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया। विशेषज्ञों ने सीधे बीज वाले चावल (डीएसआर) और वैकल्पिक गीला और सुखाने (एडब्ल्यूडी) तकनीक के माध्यम से धान की खेती में पानी के

उपयोग को कम करने पर जोर दिया, जो पानी की खपत और खेती की लागत को कम करने में मदद करता है।

इस कार्यक्रम में घरेलू और सामुदायिक शौचालय, हाथ धोने के प्लेटफॉर्म और स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में चलने वाले पानी के कनेक्शन सहित डब्ल्यूएएसएच पहलों में आईटीसी एमएसके के प्रयासों को भी प्रदर्शित किया गया। भूजल पुनर्भरण और पर्यावरणीय स्थिरता में उनकी भूमिका के लिए सोखने वाले गड्ढों और रसोई उद्यानों जैसे तरल अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों पर प्रकाश डाला गया।आईटीसी के मुख्य प्रबंधक (एचआर) चेंगल राव ने सतत जल प्रबंधन में सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जल प्रबंधन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के लिए आईटीसी एमएसके की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस कार्यक्रम में भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित करने के लिए उद्योगों, किसानों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता एचवी रामप्रसाद, कृषि सहायक निदेशक टाटा राव, केवीके कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मी नारायणम्मा, सीडीपीओ, आईसीडीएस के रेवती, आईटीसी अधिकारी फणी और जयप्रकाश रामासामी के अलावा 200 स्थानीय किसान शामिल हुए।

मंदिर से मूर्ति चोरी के मामले में दो महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर पुलिस स्टेशन की पुलिस ने मंदिर से मूर्ति चोरी के मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। श्री विनायक मंदिर, गुरुमूर्ति नगर, एसआर नगर से दो पंचधातु मूर्तियों की चोरी की सूचना मिली थी। और चोरी की गई संपत्ति के साथ दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार बीते 8 मार्च को श्री विनायक मंदिर के बंदोबस्ती विभाग के कार्यकारी अधिकारी सलीमदुगु नरेंद्र रेड्डी द्वारा मूर्तियों के गायब होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। तेजी से कार्रवाई करते हुए, एसआर नगर पुलिस ने गहन जांच शुरू की। सावधानीपूर्वक प्रयासों के माध्यम से, दो संदिग्धों की पहचान की गई और उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों की पहचान आदिदला स्वर्ण लता, निवासी एनबीटी नगर, रोड नंबर 1, बंजारा हिल्स, जे पावनी, निवासी एनबीटी नगर, रोड नंबर 1, बंजारा हिल्स के रूप में हुई। जांच के दौरान, आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मूर्तियां बरामद की गईं।

लिफ्ट दुर्घटना में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विशेष पुलिस 17वीं बटालियन के प्रभारी कमांडेंट गंगाराम (55) की सिरसिल्ला शहर में लिफ्ट शाफ्ट में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गंगाराम सोमवार रात अपने बैचमेट और सिरसिला डीएसपी चंद्रशेखर रेड्डी से मिलने उनके नए बस स्टैंड के पास स्थित आवास पर गया था। लौटते समय उसने तीसरी मंजिल पर स्थित लिफ्ट का बटन दबाया ताकि वह नीचे ग्राउंड फ्लोर पर आ सके। लेकिन, बताया जाता है कि लिफ्ट तीसरी मंजिल पर पहुंचने से पहले ही लिफ्ट का दरवाजा खुल गया। इस बात का ध्यान न देते हुए वह लिफ्ट में चढ़ गया और शाफ्ट में गिर गया। डीएसपी और अन्य पुलिसकर्मियों ने गंभीर रूप से घायल गंगाराम को सिरसिला सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

खम्मम में सथुपल्ली उप-जेल से भाग गया रिमांड कैदी

खम्मम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सथुपल्ली उप-जेल से मंगलवार को एक रिमांड कैदी कथित तौर पर फरार हो गया। सूत्रों के अनुसार, कैदी रमेश जेल परिसर में झाड़ू लगाते समय जेल से भाग गया। बताया जा रहा है कि वह जेल के पीछे बने पार्क से भागा है। जेल कर्मचारियों ने भगोड़े को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। उसे हत्या के प्रयास के एक मामले में रिमांड पर लिया गया था, जिसमें उसने 3 फरवरी को अपनी पत्नी की हत्या की कोशिश की थी। उसकी पत्नी की शिकायत के आधार पर रमेश पर धारा 85 (पति के रिश्तेदारों द्वारा महिलाओं के साथ क्रूरता करना) और धारा 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अत्तापुर की सूरजगढ़ निशान शोभा यात्रा में उमडी श्रद्धालुओं की भीड

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की ओर से इस वर्ष भी प्रातः 6:00 बजे से रामबाग राम मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के पश्चात 251 श्री श्याम निशान यात्रियों का दल पैदल चलते हुए काचीगुड़ा स्थित श्याम मंदिर पहुंचा। मंडल के संरक्षक एवं निशान यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया ने बताया कि यात्रा के दौरान अनेक धार्मिक संस्थाओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा निशान यात्रियों के जलपान की व्यवस्था की। अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल एवं मंत्री अशोक शर्मा ने मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल बलदवा, अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के अध्यक्ष बद्री प्रसाद सरायवाला, राजेंद्र नगर भाजपा प्रभारी टोकला श्रीनिवास, अत्तापुर इंस्पेक्टर वेंकटेश्वर राव, श्री राजस्थानी नव जागृति मंच के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सब इंस्पेक्टर श्रीनिवास एसबीआई रवि कुमार, बालू सुब्रमण्यम, बीजेपी प्रेसिडेंट वेंकटेश बाबू, एमआईएम नेता प्रवीण नावनदर, दायमा समाज के प्रेसिडेंट सुरेश गांधी, वनम श्री राम रेड्डी, छत्रपति शिवाजी युवा समिति के दत्तात्रेय, डॉक्टर प्रेम प्रकाश प्लॉड, बेगम बाजार व्यापार मंडल के मनीष भाटी एवं बजरंग भाटी, श्याम डालिया, पंकज अग्रवाल का मंडल की ओर से सम्मान किया गया। निशान यात्रा का मुख्य आकर्षण सूरजगढ़ का प्राचीन श्री श्याम निशान को हजारों श्याम भक्तों ने मौली बांधकर एवं मौजूद मोरछड़ी का झाड़ा लगवाया तथा साथ में अनेक महिलाओं के सर पर रखकर लाई जा रही श्री श्याम ज्योत मनोकामना सिगड़ी को नमन किया। मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया ने निशान यात्रा के सफल आयोजन में निशान यात्रा में विभिन्न तरह की सेवा देने वाले श्याम प्रेमी कार्यकर्ताओं, राजेंद्र नगर से काचीगुड़ा तक लगने वाले विभिन्न थानों के पुलिस अधिकारियों, यात्रा के दौरान जुलूस का स्वागत करने वाली सभी धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं एवं श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

भाजपा नेता एवं जामबाग पार्षद राकेश सवाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हिंदी नगर के खेल परिसर में सफाई कर्मचारियों के पैर धोए और बाद में उन्हें शॉल, फूल, मिठाई और टिफिन बॉक्स देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अमर सिंह, श्रीनिवास यादव, रघु, रेणुका, काजल, रामकृष्ण, विजय और भाजपा के वरिष्ठ नेतागण मौजूद थे।

एसीबी ने मेदक में राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते पकड़ा

मेदक, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने मेदक नगरपालिका के राजस्व निरीक्षक जनैया को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह कस्बे के एक घर से कथित तौर पर 12,000 रुपये की रिश्वत ले रहे थे। जनैया नगर निगम में कर संग्रह विभाग में कार्यरत थे। चूंकि उन्होंने एक नागरिक से रिश्वत मांगी थी, इसलिए उन्होंने एसीबी अधिकारियों से संपर्क किया।

बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज एलबीनगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं द्वारा होली पर आयोजित रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पंवार, छोगालाल गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सहसचिव मोहनलाल चोयल, सहकोषाध्यक्ष स्वरुपराम पंवार, खंगारराम सेपटा, डायाराम सोलंकी, चेनाराम काग, मांगीलाल चोयल व समाज बन्धु।

केएल राहुल ने ठुकराया कप्तानी का ऑफर

चैंपियंस ट्रॉफी से लौटते ही लिया बड़ा फैसला

मुंबई,, 11 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी से लौटते ही केएल राहुल ने कप्तानी को लेकर एक बड़ा फैसला किया है. राहुल का ये फैसला IPL कप्तानी से जुड़ा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल ने IPL 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तानी करने का ऑफर ठुकरा दिया है. रिपोर्ट में कहा गया कि दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने राहुल के सामने कप्तानी करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे मानने से उन्होंने इनकार कर दिया.

केएल राहुल का इनकार, क्या अक्षर बनेंगे कप्तान?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केएल राहुल ने कप्तानी का प्रस्ताव ठुकराते हुए कहा कि वो ज्यादा से ज्यादा बतौर खिलाड़ी टीम के लिए अपना योगदान देना चाहते हैं. केएल राहुल के कप्तानी से इनकार करने के बाद अब ऐसे कयास लग रहे हैं कि अक्षर पटेल दिल्ली फ्रेंचाइजी की कमान संभाल सकते हैं. क्योंकि, कप्तानी को लेकर असली जद्दोजहद इन्हीं दो नामों के बीच थी.

दिल्ली से राहुल के जुड़ते ही लगे थे कप्तान बनने के कयास

दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में 14 करोड़ रुपये की बोली लगाकर खरीदा था. चूंकि राहुल के पास IPL में पहले कप्तानी करने का अनुभव रहा है. 2020-21 में वो पंजाब किंग्स और 2022 से 2024 तक वो लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान रहे थे. ऐसे में जब वो दिल्ली से जुड़े तो कप्तानी की रेस में उनका नाम सबसे आगे चला.

बतौर खिलाड़ी बन सकते हैं दिल्ली के ट्रंप कार्ड

लेकिन, अब जैसा कि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वो सिर्फ बतौर खिलाड़ी ही खेलना चाहते हैं, राहुल का ये फैसला भी दिल्ली के लिए काम कर सकता है. आईपीएल में राहुल सबसे कंसिस्टेंट परफॉर्मेन्स करने वाले खिलाड़ियों में एक रहे हैं. उन्होंने 2018 से 2024 तक खेले आईपीएल के 7 सीजंस में से 6 में 500 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं.

राहुल कप्तान नहीं होंगे तो अक्षर का कप्तान बनना तय लग रहा है. मगर समस्या ये है कि उनके पास पहले आईपीएल में राहुल के जैसे कप्तानी का अनुभव नहीं रहा है. एक खिलाड़ी के तौर पर तो गेंद और बल्ले से उन्होंने खुद को कई बार साबित किया है. मगर बतौर कप्तान अभी उन्हें खुद को साबित करना होगा.

एबी डीविलियर्स ने तेज शतक कभी नहीं लगाया

रिटायरमेंट के बाद खेले पहले मैच में मचाया गर्दा

खेल डेस्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। उम्र 41 की मगर खेल बिल्कुल 21 साल के लड़के वाला. ये एबी डीविलियर्स लेटेस्ट स्टोरी है. दुनिया जिसे मिस्टर 360 डिग्री कहती है, उसने 360 की स्ट्राइक रेट से 10 मार्च को खेले एक टी20 मैच में इतना तूफानी सैंकड़ा जड़ा कि वैसा उनके बल्ले से पहले कभी देखने को ही नहीं मिला. एबी डीविलियर्स ने छक्कों की बारिश कर दी. अंदाजा इसी से लगा लीजिए चौके उनकी पारी में देखने मिले ही नहीं. डीविलियर्स के बल्ले से निकला शतक इतना तेज रहा कि 90 रन सिर्फ जो छक्के बरसाए, उसी से बन गए. सीधे शब्दों में कहें एबी डीविलियर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से किनारा भले ही कर लिया हो मगर क्रिकेट के मैदान पर बल्ला लेकर उतर जाएं तो आग अब भी वैसी ही दिखती है.

15 छक्के, 28 गेंदों में शतक

अब आप सोच रहे होंगे कि एबी डीविलियर्स ने आतिशी शतक लगाया कहां? ऐसा देखने को मिला सीएसए लीग में, जहां उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में शतक ठोका. 360 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में डीविलियर्स ने बाउंड्रीज के नाम पर सिर्फ और सिर्फ 15 छक्के जड़े. उनके इस तूफानी शतक की बदौलत लीग में खेल रही उनकी टीम टाइटन लेजेंड्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 278 रन बनाए. जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुल्स लेजेंड्स की टीम बारिश से मैच रुकने तक 14 ओवर में 8 विकेट पर सिर्फ 125 रन ही बना सकी.

डीविलियर्स ने इतना तेज शतक पहले नहीं लगाया

एबी डीविलियर्स ने 2021 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था. उन्होंने अपना आखिरी मैच आरसीबी के लिए बेंगलुरु के मैदान पर खेला था. उसके बाद ये पहली बार था, जब वो क्रिकेट फील्ड पर उतरे थे. लेकिन रिटायरमेंट के बाद पहला मैच खेलते हुए भी डीविलियर्स ने बता दिया कि उनमें अब भी वैसी ही आग है.

41 साल के डीविलियर्स ने इतना धुआंधार शतक लगाया, जितना उन्होंने अपने पूरे करियर में नहीं जड़ा था. टी20 क्रिकेट में डीविलियर्स ने जो सबसे तेज शतक जड़ा था वो 41 गेंदों पर था. लेकिन, सीएसए लीग में उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में ही शतक जड़ दिया. अगर रिकॉर्ड बुक के हिसाब से देखा जाए तो ये टी20 क्रिकेट में लगे दूसरे सबसे तेज शतक की बराबरी है. सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड 27 गेंदों का है.

आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में रोहित का नाम नहीं

मिचेल सैंटनर को कप्तान बनाया; कोहली समेत भारत के 5 प्लेयर शामिल

खेल डेस्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। अआ ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की बेस्ट टीम में भारत के कप्तान रोहित शर्मा को नहीं रखा। न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर को कप्तान बनाया गया, उनकी टीम के 4 प्लेयर्स को प्लेइंग-11 में जगह मिली। भारत से विराट कोहली समेत 5 प्लेयर्स को शामिल किया गया। वहीं अक्षर पटेल को 12वां खिलाड़ी बनाया गया। अफगानिस्तान से भी 2 प्लेयर्स को जगह मिली। मेजबान पाकिस्तान समेत बाकी 5 देशों के एक भी प्लेयर को टीम में जगह नहीं मिली।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा टूर्नामेंट के शुरुआती 4 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। उन्होंने फाइनल में हिसाब बराबर किया और 252 रन के टारगेट के सामने 76 रन की पारी खेल दी। उनकी पारी ने टीम को जीत के करीब पहुंचाया। रोहित की कप्तानी में टीम अजेय रहते हुए चैंपियन बनी। रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ 41, पाकिस्तान के खिलाफ 20, न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 28 रन बनाए। टूर्नामेंट के 5 मैचों में उनके नाम 36 की औसत से 180 रन रहे। उन्होंने टूर्नामेंट का इकलौता कैच फाइनल में डेरिल मिचेल का पकड़ा।

रोहित की जगह रवींद्र, 3 और कीवी प्लेयर्स

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 11 में रोहित की ओपनिंग पोजिशन पर न्यूजीलैंड के लेफ्ट हैंड बैटिंग ऑलराउंडर रचिन रवींद्र को रखा गया है। उनके अलावा कीवी टीम से ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स, कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज मैट हेनरी को भी शामिल किया गया।

रचिन ने टूर्नामेंट के 4 मैचों में 2 शतक लगाकर 263 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुने गए। फिलिप्स ने 59 की औसत से 177 रन बनाए, उन्होंने 2 विकेट लिए और 5 कैच भी पकड़े। सैंटनर ने 4.80 की इकोनॉमी से 9 विकेट लिए। वहीं हेनरी 4 मैचों में 10 विकेट लेकर टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने।

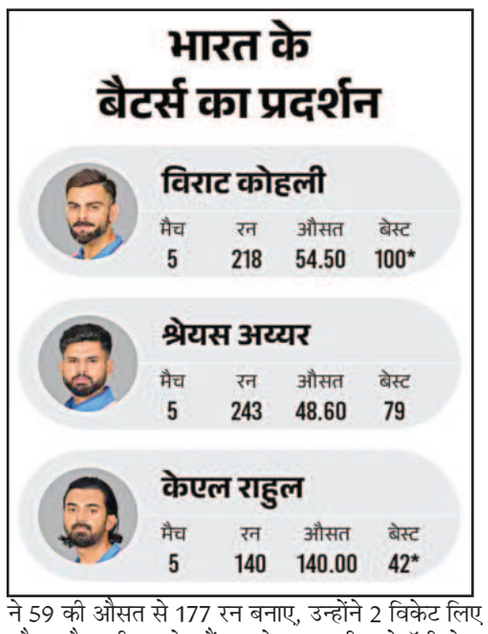

अफगानिस्तान के 2 प्लेयर्स

अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान भी बेस्ट प्लेइंग-11 का हिस्सा बनने में कामयाब रहे।

उन्होंने 1 शतक लगाकर 216 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ उनके बनाए 177 रन टूर्नामेंट का हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर भी रहा।

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई भी टीम में शामिल हुए। उन्होंने 3 मैचों में 42 की औसत से 126 रन बनाए और 7 विकेट भी लिए। उन्होंने ही इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई थी।

कोहली, वरुण समेत 5 इंडियन प्लेयर

भारत से 5 प्लेयर्स को प्लेइंग-11 में जगह मिली। इनमें 2 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, विकेटकीपर केएल राहुल, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी शामिल रहे।

कोहली ने करीब 55 की औसत से 218 रन बनाए, वे पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच बने। श्रेयस ने 2 फिफ्टी लगाकर 243 रन बनाए, वे टूर्नामेंट के सेकेंड टॉप स्कोरर रहे। राहुल ने 140 की औसत से 140 रन बनाए, उन्होंने ही सेमीफाइनल और फाइनल में नॉटआउट रहते हुए टीम को जीत के पार पहुंचाया। चक्रवर्ती टूर्नामेंट में 3 ही मैच खेल सके, लेकिन उन्होंने इनमें 9 विकेट अपने नाम कर लिए। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मैचों में 7 और सेमीफाइनल में 2 विकेट लिए। शमी ने 5 मैचों में 9 विकेट लिए, उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही मैच में 5 विकेट लिए थे।

अक्षर पटेल बने 12वें खिलाड़ी

भारत के ही अक्षर पटेल को 12वें खिलाड़ी के रूप में टीम का हिस्सा बनाया गया। उन्होंने गेंदबाजी में महज 4.35 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 5 विकेट लिए। फिर बैटिंग में नंबर-5 पर उतरते हुए अहम 109 रन बनाए। उन्होंने फाइनल में 29 रन की पारी भी खेली। फील्डिंग में उन्होंने 2 कैच पकड़े और 1 रनआउट किया।

स्पेनिश पैरा बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

सुकांत-नितेश ने जीते स्वर्ण पदक

विटोरिया, 11 मार्च (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक के चैंपियन खिलाड़ी कुमार नितेश और सुकांत कदम ने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टू में शानदार प्रदर्शन किया और क्रमशः एसएल3 तथा एसएल4 वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। यह टूर्नामेंट स्पेन के विटोरिया में आयोजित हो रहा है। नितेश ने एसएल3 वर्ग के फाइनल में जापान के डेसुके फुजिहारा पर 21-19, 21-19 से जीत दर्ज की। वहीं, सुकांत ने एसएल4 वर्ग में हमवतन तरुण को 21-13, 21-10 से हराया। एसएच6 वर्ग में नित्याश्रे ने पोलैंड के स्जमिगेल को फाइनल में हराकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

पुरुष युगल में नितेश कुमार और तरुण ने भारत के जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को 21-14, 23-25, 22-20 से हराया। मिश्रित युगल स्पर्धाओं में भी भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया। कृष्णा नागर और नित्याश्रे ने इंग्लैंड के शेफर्ड और चूंग को 21-14, 21-11 से हराकर एसएच6 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। नितेश कुमार ने मनीषा रामदास के साथ मिलकर एसएल3-एसयू5 श्रेणी में भारत के खाते में एक और स्वर्ण पदक डाला। उन्होंने स्वीडन के रिकड निल्सन और डेनमार्क की हेलो सोफी सागोय को 21-9, 21-15 से हराया। अल्फिया जेम्स ने महिला एकल फाइनल में स्विट्जरलैंड की इलारिया ओलियायाती को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

केकेआर को चैंपियन बनाने के बाद भी नहीं मिली पहचान

श्रेयस अय्यर का सामने आया बड़ा बयान

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाने में श्रेयस अय्यर ने अहम भूमिका निभाई है। अय्यर ने इस टूर्नामेंट के हर मैच में टीम इंडिया के लिए जरूरी रन बनाए थे। साल 2024 अय्यर के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा था, उनको बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से भी बाहर कर दिया गया था। वहीं आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए श्रेयस अय्यर ने टीम को तीसरी बार चैंपियन बनाया था। हालांकि इसके बाद भी अय्यर को कोई खास पहचान नहीं मिली थी, जिसको लेकर अब कहीं न कहीं दर्द छलका है। अय्यर नंबर-4 पर टीम इंडिया के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज साबित हो रहे हैं, इसको लेकर खुद कप्तान रोहित शर्मा ने अय्यर को चैंपियंस ट्रॉफी का साइलेंट हीरो बताया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत करते हुए श्रेयस अय्यर ने बताया कि ईमानदारी से कहूं तो यह एक सफर रहा है और मैंने अपने जीवन के इस चरण में बहुत कुछ सीखा है, जहां मैं 2023 वनडे विश्व कप खेलने के बाद सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर हो गया। मैंने फिर से आकलन किया कि मैंने कहां गलती की, मुझे क्या करना चाहिए, मुझे अपनी फिटनेस पर कितना ध्यान देने की जरूरत है। मैंने खुद से ये सभी सवाल पूछे, एक रूटीन तैयार किया और अपनी ट्रेनिंग और अपने कौशल पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया।"

आगे अय्यर ने बताया कि "जब मुझे घरेलू क्रिकेट में लगातार मैच खेलने का मौका मिला, तो मुझे पता चला कि मेरे लिए फिटनेस कितनी महत्वपूर्ण है, खासकर तब जब मैंने साल की शुरुआत में अपनी चिंताएं जाहिर की थीं। कुल मिलाकर मैं खुद से बेहद खुश हूं, जिस तरह से मैं इससे बाहर आया, जिस तरह से मैंने स्थिति को संभाला और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे खुद पर विश्वास था।"

आईपीएल में केकेआर को चैंपियन बनाने के बाद अय्यर को खास पहचान नहीं मिली थी, जिसको लेकर उन्होंने कहा "निराशा तो नहीं थी क्योंकि मैं आईपीएल खेल रहा था। मेरा मुख्य ध्यान आईपीएल जीतने पर था और शुक्र है कि मैं इसे जीत गया। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगा कि आईपीएल जीतने के बाद मुझे वह पहचान नहीं मिली जो मैं चाहता था।"

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऐसा रहा प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में श्रेयस अय्यर ने टीम इंडिया के लिए नंबर-4 पर कमाल की बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। इस टूर्नामेंट में अय्यर ने 5 मैचों में बल्लेबाजी करते हुए 243 रन बनाए थे। जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 79 रन का रहा था, जो उन्होंने लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। फाइनल मैच में अय्यर के बल्ले से 48 रन बनाए थे। जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे अय्यर

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके अलावा पंजाब किंग्स अय्यर को कप्तान भी बना चुकी है। अब सीजन-18 में अय्यर पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे।

आईपीएल 2025: देश नहीं, पैसा है जरूरी!

5 स्टार खिलाड़ियों ने लिया चौंकाने वाला फैसला

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट फैंस को अब आईपीएल 2025 का बेसब्री से इंतजार है. लीग का 18वां सीजन 22 मार्च से खेला जाएगा, जो 25 मई तक चलते. आईपीएल दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग है. इस लीग में खिलाड़ी जमकर कमाई करते हैं, जिसके चलते दुनिया के सभी बड़े खिलाड़ी भारत खेलने आते हैं. ऐसे में आईपीएल 2025 को देखते हुए 5 स्टार खिलाड़ियों ने बड़ा फैसला लिया है. ये सभी खिलाड़ी आईपीएल 2025 से पहले खेली जाने वाली एक इंटरनेशनल सीरीज में अपने देश की टीम के लिए नहीं खेलेंगे.

आईपीएल के आगामी सीरीज के लिए सभी खिलाड़ी अपनी टीमों के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं. जिसके चलते न्यूजीलैंड के पांच स्टार खिलाड़ियों ने आईपीएल 2025 में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से बाहर रहने का फैसला किया है. ये खिलाड़ी डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और मिशेल सेंटनर हैं. इन पांचों खिलाड़ियों का आईपीएल में भाग लेने से पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज पर असर पड़ेगा. आईपीएल का आकर्षण दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, और इस टूर्नामेंट के जरिए खिलाड़ियों को न केवल बड़ी रकम मिलती है, बल्कि यह उनके क्रिकेट करियर को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाता है. न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही इस बारे में जानकारी दी थी कि ये खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि आईपीएल का आयोजन पाकिस्तान सीरीज के साथ मेल खाता है. इसके अलावा, यह निर्णय खिलाड़ियों की भलाई और उनके मनोबल को भी ध्यान में रखते हुए लिया गया है.

आईपीएल में इन टीमों से जुड़ेंगे ये खिलाड़ी

डेवोन कॉनवे आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ने जा रहे हैं. वहीं, रचिन रवींद्र भी आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का ही हिस्सा हैं. लॉकी फर्ग्यूसन की बात की जाए तो वह इस बार पंजाब किंग्स की टीम के लिए खेलेंगे. दूसरी ओर ग्लेन फिलिप्स इस बार शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम के लिए खेलेंगे.

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पर डे-नाइट मैच होगा

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड मैच होस्ट करेगा मेलबर्न; मार्च-2027 में खेला जाएगा मुकाबला

मेलबर्न, 11 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे पुराने क्रिकेट प्लेइंग नेशन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच टेस्ट के 150 साल पूरा होने पर खेले जाने वाला मैच डे-नाइट होगा। यह एकमात्र टेस्ट 11 से 15 मार्च 2027 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के ऐतिहासिक मैदान में खेला जाएगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एनाउंस किया मेंस टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पर टेस्ट मैच पिंक बॉल से खेला जाएगा।1877 का पहला टेस्ट और टेस्ट क्रिकेट में 100 साल पूरे होने पर 1977 का टेस्ट लाल गेंद से एमसीजी में खेला गया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'यह अवसर खेल के विकास को बढ़ावा देगा। एमसीजी में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होंगे। डे-नाइट टेस्ट इसका रोमांच और बढ़ा देगा।'

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होगा, लेकिन यह 2027 सेशन के 12 टेस्ट मैचों में से एक होगा, जिसमें श्रीलंका में 3, न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और भारत में 5 टेस्ट शामिल होंगे। इस साल ऑस्ट्रेलिया की टीम एशेज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेगी।

7 महीने पहले सितंबर में यह जानकारी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पूर्व CEO निक हॉकले ने दी थी। उन्होंने कहा था, 'मार्च-2027 में एमसीजी में 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट दुनिया के महान खेल में से एक क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ फॉर्मेट का उत्सव होगा। हम उस ऐतिहासिक अवसर पर इंग्लैंड की मेजबानी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'

हॉकले ने कहा- 'हमें लॉन्ग टर्म मेजबानी का ऐलान करते हुए खुशी हो रही है, जो अगले 7 साल में कुछ शानदार क्रिकेट मैचों के स्थान निश्चित करते हैं। यह शेड्यूल तय करता है कि देश भर में सही समय पर बेस्ट प्लेस में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला जाएगा।'

टेस्ट के 100 साल पूरा होने पर भी इन दोनों टीमों के बीच इसी मैदान पर टेस्ट मैच खेला गया था। 1977 में खेले गए उस मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था। 1877 में हुए पहले टेस्ट मैच को भी ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

2030-31 सीजन तक हुए इस समझौते के अनुसार, अगले 7 साल तक बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न में होगा। इतना ही नहीं नए साल का टेस्ट सिडनी में ही खेला जाएगा। क्रिसमस से तुरंत पहले का टेस्ट ऐडिलेड, जबकि सीजन का पहला टेस्ट पर्थ में आयोजित होगा, हालांकि पर्थ ने सिर्फ अगले 3 साल के लिए ही क़रार किया था।

इसका मतलब यह भी है कि अगले साल का एशेज पारंपरिक गाबा, ब्रिस्बेन की मैदान की जगह पर्थ में आयोजित होगा। 2032 के ओलिंपिक को देखते हुए गाबा के स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा है और इस दौरान वहां बहुत कम टेस्ट होंगे।

केटीआर को सार्वजनिक चर्चा में गरिमा बनाए रखनी चाहिए : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल वार्ड कार्यालय में आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि केटीआर को बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। दस साल तक मंत्री रहने के बाद उन्हें सार्वजनिक चर्चा में गरिमा बनाए रखनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया तो उनकी विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति आपके फैसले का सीधा नतीजा है।

टीडीआर (विकास अधिकारों के हस्तांतरण) के बारे में हमारे खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उनके कार्यकाल के दौरान ही अनियमितताएं हुई थीं- क्या वे इसे आसानी से भूल गए हैं? हम विकास और कल्याण के बीच संतुलन बनाते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था को बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो संकट में फंस गई थी। हम किसी भी ऐसे व्यक्ति के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं जो वास्तव में राज्य की प्रगति में योगदान देता है। हमारा दृष्टिकोण पारदर्शी और निष्पक्ष है। हम एक रचनात्मक विधानसभा सत्र के लिए पूरी तरह तैयार हैं। विपक्षी नेताओं को भाग लेना चाहिए और राज्य के विकास के लिए अपनी अंतर्दृष्टि प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम उनका ईमानदारी से स्वागत करेंगे। जीएचएमसी को एक भी रुपया आवंटित किए बिना वित्तीय बर्बादी की ओर धकेल दिया गया। हम मेट्रो नेटवर्क के विस्तार सहित भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए हैदराबाद के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उप्पल और घाटकेसर के बीच एक आईटी कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना को जिम्मेदारी से पूरा किया जाएगा, ताकि वंचित समुदायों को कोई नुकसान या विस्थापन न हो। तकनीकी चुनौतियों को पार करते हुए उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए उप्पल में एक कौशल विकास केंद्र स्थापित किया जाएगा। गर्मियों के दौरान हैदराबाद में पीने के पानी की कमी को रोकने के लिए एक सक्रिय कार्य योजना तैयार की गई है। प्रदूषण को रोकने और दिल्ली जैसे संकट को रोकने के लिए, आरटीसी बसों को चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक बसों से बदला जाएगा।

तेलंगाना में 15 मार्च से आधे दिन खुलेंगे स्कूल

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में स्कूली छात्रों को कुछ राहत की उम्मीद है। 15 मार्च से स्कूल आधे दिन खुलेंगे, क्योंकि स्कूल शिक्षा विभाग ने आधे दिन के स्कूल खोलने की घोषणा की है। सभी प्रबंधनों के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालय, यानी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी, सुबह 8 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होंगे। सरकारी संस्थानों में दोपहर का भोजन दोपहर 12.30 बजे दिया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अंतिम कार्य दिवस 23 अप्रैल है। स्कूल 24 अप्रैल से 11 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद रहेंगे और वे 12 जून को नए शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से खुलेंगे।

सिंचाई परियोजनाओं को छोड़ने से संकट में किसान : केटीआर

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना अब कांग्रेस सरकार द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई सिंचाई परियोजनाओं को छोड़ने के कारण सूखे खेतों और संघर्षरत किसानों को देख रहा है। रामाराव ने कांग्रेस की चुप्पी को जिम्मेदार ठहराया, जबकि तेलंगाना के किसानों के लिए पानी को आंध्र प्रदेश में भेज दिया गया, जिससे फसलें सूख गईं।

उन्होंने कहा कि बीआरएस के तहत झीलों और अन्य जल निकायों में सबसे सूखे महीनों में भी पानी रहता था और नहरों से साल में दो फसलों के लिए पर्याप्त पानी मिलता था। आज कांग्रेस ने किसानों को निराशा में छोड़ दिया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 15 महीनों में स्थिति बहुत खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि किसानों के पास अब सिंचाई के लिए पानी, मुफ्त बिजली, गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक तक पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसान फसल उगाने में कामयाब भी हो जाते हैं, तो भी सरकार उनकी उपज खरीदने में विफल हो रही है, जिससे वे वित्तीय रूप से बर्बाद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि जो कभी चंद्रशेखर राव की किसान-हितैषी नीतियों के तहत उत्सव थी, अब कांग्रेस के शासन में संकट में बदल गई है। उन्होंने तेलंगाना में सूखे और संकट के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। रामाराव ने चेतावनी दी कि राज्य भर में कृषि संकट में है- आलमपुर से लेकर आदिलाबाद और अश्वारावपेट से लेकर जहीराबाद तक। उन्होंने खोखले वादों के साथ तेलंगाना के किसानों को धोखा देने के लिए कांग्रेस शासन की आलोचना की।

विपक्षी दलों की गलत सूचनाओं का मुकाबला करें : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने नव मनोनीत एमएलसी से विपक्षी दलों द्वारा फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को चुनौती देने और लोगों के बीच सरकार की विकास और कल्याणकारी पहलों की सक्रिय रूप से वकालत करने का आग्रह किया है। कांग्रेस पार्टी के नव मनोनीत एमएलसी-अद्दांकी दयाकर, शंकर नाइक और विजय शांति-सीपीआई एमएलसी नेल्लिकंती सत्यम के साथ मंगलवार को विधायकों के कैंप कार्यालय में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से मिले। इस बैठक के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने एमएलसी उम्मीदवारों को सरकारी कार्यक्रमों के बारे में लोगों से लगातार जुड़ने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि वे उनके बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखें। उन्होंने सीपीआई एमएलसी उम्मीदवार को पार्टी की सहयोगी भागीदारी का भरोसा दिलाया और इस सहयोग को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। टीपीसीसी प्रमुख ने नवनियुक्त एमएलसी का औपचारिक स्वागत भी किया।

जीडीमेटला में प्लास्टिक ट्रे निर्माण इकाई में भीषण आग

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जीडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र के सुभाष नगर में एक प्लास्टिक ट्रे निर्माण इकाई में मंगलवार को भीषण आग लग गई। पुलिस ने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है तथा आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, यूनिट के कर्मचारियों ने आग को देखा और सुरक्षित बाहर निकल आए। स्थानीय निवासियों ने अग्निशमन विभाग और पुलिस कर्मियों को सूचित किया। आग ने गोदाम में रखे प्लास्टिक, फाइबर और अन्य ज्वलनशील पदार्थों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप काला धुआं निकलने लगा और लपटें पूरे गोदाम में फैल गईं। पुलिस, अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर जल्द से जल्द काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

राज्यपाल शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) 15 मार्च को हैदराबाद के एक होटल में चुनौतीपूर्ण समय के दौरान जीएसटी को आकार देने में कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका पर एक दिवसीय शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मुख्य अतिथि होंगे और इसका उद्घाटन करेंगे। न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी, न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और वी. श्रीधरन, सह-संस्थापक, लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन वरिष्ठ अधिवक्ता, बॉम्बे उच्च न्यायालय मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य कार्यपालिका, न्यायपालिका और उद्योग जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों को एक साथ लाना है, ताकि वे माल और सेवा कर (जीएसटी) ढांचे को आकार देने में शासन के इन स्तंभों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श कर सकें, खासकर आर्थिक और नियामक चुनौतियों के समय में। जीएसटी शिखर सम्मेलन, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे को आकार देने और उसे सुव्यवस्थित करने में कार्यपालिका और न्यायपालिका की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक विचारोत्तेजक मंच के रूप में काम करेगा। यह व्यापक कार्यक्रम नीति निर्माताओं, कानूनी विशेषज्ञों, कर पेशेवरों और उद्योग जगत के नेताओं को जीएसटी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर महत्वपूर्ण मुद्दों, उभरती चुनौतियों और प्रगतिशील समाधानों पचर गहन चर्चा करने के लिए एक साथ लाएगा। शिखर सम्मेलन में तकनीकी सत्र और एक पैनल चर्चा होगी।

अलग-अलग घटनाओं में 2 तकनीशियनों की मौत

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर में रविवार और सोमवार को अलग-अलग घटनाओं में दो सॉफ्टवेयर कर्मचारियों की मौत हो गई। पहली घटना में, आंध्र प्रदेश के नांदयाल निवासी नरसिम्हा रेड्डी (36) ने अपनी पत्नी के साथ मामूली बात पर हुए झगड़े के बाद रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी पत्नी की शिकायत के आधार पर मियापुर पुलिस जांच कर रही है। दूसरे मामले में, सोमवार रात को बाइक चला रहे चंदननगर के सॉफ्टवेयर कर्मचारी रोशन कुमार (30) ने नियंत्रण खो दिया और कथित तौर पर दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गए।

नांगनुरु में मिली दुर्लभ जैन मूर्ति 'स्थापनाचार्य'

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोठा तेलंगाना चरित्रवृंदम के सदस्यों ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने सिद्दीपेट जिले के नांगनुरु में एक स्थापनाचार्य जैन मूर्ति की पहचान की है। समूह के एक वरिष्ठ शोधकर्ता, कोलीपाका श्रीनिवास ने 'स्थापनाचार्य' की पहचान तब की, जब उन्होंने उनके पैतृक गांव नांगनुरु में अंजनेया मंदिर के पास एक जैन मूर्ति, पत्थर का स्तंभ देखा। जैन धर्म में मूर्ति पूजा के आगमन से पहले प्रतीकों की पूजा होती थी। इनमें धर्मचक्र, मानस्तंभ, सिलपट्टम, अयागपट्ट, स्तूप, पंचपरमेष्ठी सिद्धचक्र, अष्टमंगल, त्रिरत्न, चैत्यवृक्ष, नंदीश्वरद्वीपम, चरणपादुका, निशिधु और स्थापनाचार्य प्रमुख हैं। जैन संत द्वारा पुस्तक, व्यासपीठ और शिष्यों को धारण की गई मूर्ति को स्थापनाचार्य कहा जाता है। चरित्रवृंदम के सदस्यों ने बताया कि ऐसी मूर्तियां, जिन्हें जैन शिक्षा केंद्रों जैसे कि पुस्तकगच्छ और सरस्वतीगच्छ के रूप में पहचाना जाता है, मूल रूप से 'स्थापनाचार्य' हैं। कोठा तेलंगाना चरित्रवृंदम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल, जिन्होंने कलाकृति की जांच की, ने इस मूर्ति में दिखाई देने वाली जैन मूर्ति की पहचान एक दुर्लभ जैन मूर्ति के रूप में की, जो 11वीं और 12वीं शताब्दी की है, जिसकी पुष्टि इतिहासकार डॉ. इमानी शिवनगी रेड्डी ने की।

ग्रुप-II सामान्य रैंकिंग सूची जारी, पुरुषों ने हासिल की शीर्ष 10 रैंक

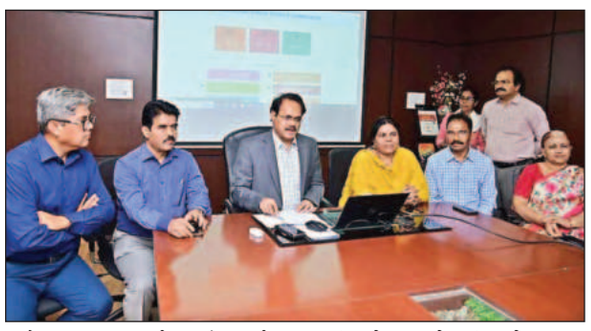

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-II सेवा भर्ती परीक्षा में पुरुषों ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसके लिए तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने मंगलवार को सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल) जारी की। पुरुषों में शीर्ष 10 रैंक हासिल की, जिसमें मल्टी-जोन-I के नारू वेंकट हरवर्धन ने 600 में से 447.088 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मल्टी-जोन-I के वडलकोंडा सचिन और मल्टी-जोन-II के बी मनोहर राव ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। मल्टी-जोन-II की लक्कीरेड्डी विनीशा रेड्डी ने 408.713 अंक प्राप्त कर 32वीं रैंक के साथ सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला रहीं, जबकि मल्टी-जोन-I की बैकाडी सुस्मिता ने 41वीं रैंक प्राप्त की। टीजीपीएससी के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम की अध्यक्षता में आयोग की बैठक के बाद, टीजीपीएससी ने 2,36,649 उम्मीदवारों की जीआरएल घोषित की, साथ ही अंतिम कुंजी भी, जिसे वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। उम्मीदवारों की ओएमआर शीट की तस्वीरें भी जारी कर दी गई हैं। ग्रुप-II सेवा भर्ती के लिए कुल 5,51,855 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था और 2,49,964 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। यह परीक्षा 15 और 16 दिसंबर, 2024 को आयोजित की गई थी। आयोग ने 13,315 उम्मीदवारों को अमान्य घोषित किया है। टीजीपीएससी ने ग्रुप-II की 783 रिक्तियों को अधिसूचित किया था। बैठक में आयोग के सदस्यों, अमीर उल्ला खान, प्रो. नारी यादैया, याराबादी राम मोहन राव और पलवई रजनी कुमारी सहित अन्य ने भी भाग लिया।

ग्राहकों को भुगतान न करने वाले चिटफंड निदेशक खम्मम में गिरफ्तार

खम्मम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर में कुछ समय से निजी चिटफंड कंपनी चलाने वाले और ग्राहकों को भुगतान न करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया है, यह जानकारी दो शहरों के पुलिस निरीक्षक बालकृष्ण ने दी। उन्होंने कहा कि निक्षिप्त चिटफंड कंपनी के निदेशक संगीसेट्टी करुणाकर और मूला उमामहेश्वर 42 ग्राहकों को देय 2.17 करोड़ रुपये का भुगतान किए बिना अपने मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में महबूबाबाद जिले के मारीपेडा बंगला निवासी भुक्या श्रीनिवास नामक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ा गया यात्री

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आव्रजन अधिकारियों ने सोमवार रात राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री को कथित तौर पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ पकड़ा। पुरुष यात्री की पहचान शंकर के रूप में हुई है, जो निर्मल जिले के नरसापुर का एक निर्माण मजदूर था और लगभग छह साल पहले एक खाड़ी देश में काम करने गया था। जानकारी के अनुसार उसने कथित तौर पर एक फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनाया था, जिसका इस्तेमाल करके वह भारत लौट आया। वह सोमवार रात इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट से पहुंचा। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि एजेंटों ने उसका फर्जी पासपोर्ट बनाया था और उसके लिए हवाई टिकट बुक किए थे। इमिग्रेशन काउंटर पर मौजूद अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच की तो पाया कि वे फर्जी हैं और उन्होंने तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसने उसे हिरासत में ले लिया। आरजीआईए पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीपी से डीसीपी अक्षांश यादव ने की मुलाकात

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अक्षांश यादव को राचकोंडा कमिश्नरेट के तहत यादाद्री भुवनगिरी जोन के नए डीसीपी के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने आज सीपी कैंप कार्यालय एलबीनगर में कमिश्नर सुधीर बाबू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर कमिश्नर ने डीसीपी को यदाद्री जोन में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करने और अपराध दर को कम करने के लिए सभी तरह के उपाय करने का निर्देश दिया। विजिबल पुलिसिंग को उच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और महिला सुरक्षा के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए।

गोदावरी का पानी खेतों तक पहुंचने पर किसानों ने मनाया जश्न

सिद्दीपेट, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट निर्वाचन क्षेत्र के किसानों ने गोदावरी के पानी का स्वागत किया, जो सिद्दीपेट वागु पर बनाए गए चेक डैम के ऊपर से बह रहा था। सिंचाई अधिकारियों ने पूर्व मंत्री टी हरीश राव के अनुरोध पर नहरों में पानी छोड़ दिया। नांगनूर मंडल के घनपुर में एक चेक डैम के ऊपर से पानी बहता हुआ देखा गया, जहां किसानों ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और हरीश राव के बैनर थामे हुए इस दृश्य का स्वागत किया। उन्होंने अपने खेतों तक गोदावरी का पानी पहुंचाने के लिए दोनों नेताओं की सराहना की। साथ ही, किसानों ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के खिलाफ झूठा प्रचार करने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नहरों, झरनों और कृषि क्षेत्रों में बहता गोदावरी का पानी इस बात का प्रमाण है कि चंद्रशेखर राव ने 10 वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में क्या किया।

एसएनडीपी कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाना चाहिए : इलांबर्ती

आयुक्त ने झील के आसपास निरीक्षण किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दुर्गम झील में किए जा रहे तूफानी जल निकासी और एसएनडीपी कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त इलांबर्ती ने मंगलवार को जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दुर्गम झील के आसपास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर तालाब प्रबंधन, बाढ़ जल एवं सीवेज मुद्दों की समीक्षा की गई। स्थानीय निवासियों और पैदल यात्रियों से फीडबैक एकत्र किया गया। अतिरिक्त झील आयुक्त को सलाह दी गई कि वे एसडब्लूडी परामर्शदाता, एचएमडब्लू और एसएसबी द्वारा बाढ़ के पानी और सीवेज की वर्तमान स्थिति की व्यापक जांच के बाद सीवर लाइनों का निर्माण कार्य शुरू करें। मुख्य अभियंता को उच्च-तनाव केबल लाइनों पर उचित सावधानी बरतने के बाद एसएनडीपी कार्य जारी रखने का निर्देश दिया गया। सेरिलिंगमपल्ली जोन आयुक्त को यातायात एवं संबद्ध विभागों के साथ समन्वय कर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

पब स्टाफ और प्रबंधन पर ग्राहकों से मारपीट का मामला

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बेगमपेट स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट पब के कर्मचारियों और प्रबंधन के खिलाफ ग्राहकों के एक समूह के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने और मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, पब में भोजन और पेय लेने वाले निजी कर्मचारियों के एक समूह का रविवार रात बिल भुगतान के समय मामूली बात को लेकर कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर झगड़ा हो गया। इससे गुस्साए 6-7 बाउंसरों और वेटरों के एक समूह ने ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। कई मुक्के सहने के बाद, ग्राहकों के पास जबरन पूरा बिल चुकाने और परिसर छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। शिकायत के आधार पर बेगमपेट पुलिस ने पब के प्रबंधन और उसके कर्मचारियों के खिलाफ ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार और शारीरिक मारपीट का मामला दर्ज किया है।

केंद्र ने हवाई अड्डे की उम्मीदों पर फेर दिया पानी

पेद्दापल्ली, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम के बसंतनगर में हवाई अड्डा बनाने की स्थानीय लोगों की उम्मीदें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायुडू के उस बयान के बाद टूट गईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि हवाई अड्डा विकसित करने के लिए यह उपयुक्त स्थान नहीं है।

पेद्दापल्ली के सांसद जी वामसी कृष्णा के पत्र का जवाब देते हुए राममोहन नायुडू ने कहा कि मौजूदा हवाई पट्टी को छोड़कर बसंतनगर में कोई बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है। टेक्नो इकनोमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट (टीईएफआर) के आधार पर, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सूचित किया था कि बसंतनगर में हवाई अड्डा बनाना संभव नहीं है क्योंकि ऊंची पहाड़ियां पहुंच में बाधाएं पैदा करती हैं। साथ ही, यह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के भीतर स्थित है, जिसका व्यापक रूप से आईएएफ अकादमी द्वारा उड़ान प्रशिक्षण के लिए उपयोग किया जाता है। इसलिए, इस संबंध में रक्षा मंत्रालय से मंजूरी की आवश्यकता थी। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय को केंद्र सरकार द्वारा 2008 में गठित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति के तहत रामागुंडम में हवाईअड्डे के निर्माण के लिए राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है, जैसा कि मंत्री ने 29 जनवरी को दिए गए एक उत्तर में कहा, जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। बसंतनगर में हवाई अड्डे का मुद्दा पिछले साल नवंबर में सामने आया था, जब मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वारंगल, रामागुंडम, कोत्तागुडेम और आदिलाबाद में हवाई अड्डों का आश्वासन दिया था।

पालकुर्थी मंडल के बसंतनगर के पास मौजूदा हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव लंबे समय से था। हालांकि, विभिन्न कारणों से यह साकार नहीं हो सका। 1980 के दशक में, केसोराम सीमेंट फैक्ट्री के अधिकारियों ने सरकारी जमीन किराए पर लेकर हवाई पट्टी विकसित की थी और इसका इस्तेमाल वायुदूत विमानों को उतारने के लिए किया था। हालांकि, वायुदूत विमानों के सेवा से बाहर हो जाने के कारण यह बिना किसी उद्देश्य के रह गया।

अगस्त 2017 में घोषित उड़ान कार्यक्रम के तहत देशभर में छोटे हवाई अड्डे विकसित करने के केंद्र के फैसले के बाद हवाई अड्डे की उम्मीदें बढ़ गई थीं। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की एक टीम ने विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए मार्च 2019 में बसंतनगर का दौरा भी किया। तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए, एएआई के तकनीकी इंजीनियर श्रीनिवास मूर्ति ने 10 अगस्त, 2020 को हवाई पट्टी का दौरा किया और 14 अगस्त को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर, 15 अगस्त, 2020 को एएआई, नई दिल्ली के सहायक महाप्रबंधक, व्यवसाय विकास ने राज्य सरकार को एक पत्र लिखकर एचएफएल का विवरण मांगा।एएआई के अनुरोध के आधार पर, इंजीनियर-इन-चीफ (सड़क और भवन) तेलंगाना ने वारंगल, आदिलाबाद, करीमनगर, खम्मम, महबूबनगर और निजामाबाद जैसे छह जिलों के अधीक्षक इंजीनियरों को पत्र लिखा, जिसमें वारंगल, आदिलाबाद, नाजियाबाद के जाक्रानपल्ली, भद्राद्री-कोत्तागुडेम, पेद्दापल्ली के बसंतनगर और महबूबनगर के देवराकाद्र के लिए एचएफएल विवरण का विवरण मांगा गया। हालांकि, तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री वीके सिंह ने स्पष्ट कर दिया था कि बसंतनगर में हवाई अड्डे का विकास करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है।

प्रस्तावित क्षेत्र के पास हाई टेंशन तार और पहाड़ियां, जैसे बोडागुट्टा, हवाई अड्डे के लिए बड़ी बाधाएं बताई जा रही हैं। पास के नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) से दक्षिण भारत को बिजली की आपूर्ति करने वाले हाई टेंशन तार मौजूदा हवाई पट्टी से होकर गुज़र रहे हैं।

एएआई टीम ने अपने दौरे के दौरान इन मुद्दों को भी उठाया था। हालांकि ज़िला अधिकारियों ने एएआई अधिकारियों को हवाई अड्डे की स्थापना के लिए रास्ता साफ़ करने के लिए हाई टेंशन तार और पहाड़ियाँ हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन केंद्र सरकार के फ़ैसले में कोई बदलाव नहीं हुआ।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.